Title Code :- RAJHIN27855

दैनिक द डेस्प्रिंग

@tdnnewsindia
@tdn_thedayspringnews
@the Dayspring news
@thedayspring
@tdnnewsindia

वर्ष:04 अंक:253 जयपुर, मंगलवार, 07 अक्टूबर, 2025 जयपुर से प्रकाशित (सीकर, जोधपुर, कोटा, भरतपुर सिरोही से प्रकाशित) मूल्य: 3 पृष्ठ:8

तीन वैज्ञानिकों को चिकित्सा का नोबेल

मैरी ब्रूनको, फ्रेड रामस्डेल और शिमोन सकागुची को मिला पुरस्कार

स्टॉकहोम (एजेंसी)। वर्ष 2025 के चिकित्सा क्षेत्र के नोबेल पुरस्कार की घोषणा कर दी गई है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने सोमवार को फिजियोलॉजी या मेडिसिन के नोबेल पुरस्कार विजेताओं को नाम का ऐलान किया है। इस साल तीन वैज्ञानिकों- मैरी ई. ब्रूनको, फ्रेड रामस्डेल और शिमोन सकागुची को चिकित्सा क्षेत्र का नेबोल पुरस्कार मिला है। परिधीय प्रतिरक्षा सहिष्णुता (पेरिफेरल इम्यून टॉलरेंस) से संबंधित खोजों के लिए तीनों को नोबेल का मिला है। चिकित्सा के क्षेत्र में दिए जाने वाले नोबेल पुरस्कार को आधिकारिक तौर पर 'फिजियोलॉजी या मेडिसिन' का नोबेल पुरस्कार कहा जाता है। यह सम्मान 1901 से 2024 के बीच 115 बार 229 नोबेल पुरस्कार विजेताओं को प्रदान किया जा चुका है। पिछले साल का पुरस्कार अमेरिकी नागरिक विक्टर एम्ब्रोस और गैरी रुवकुन को सूक्ष्म 'आरएनए' (राइबोन्यूक्लिक एसिड) की खोज के लिए दिया गया था।

मैरी ई. ब्रंकॉ (इंस्टीट्यूट फॉर सिस्टम्स बायोलॉजी, सिएटल, अमेरिका) | फ्रेड रामस्डेल (सोनोमा बायोथेरेप्यूटिक्स, सैन फ्रांसिस्को, अमेरिका) | शिमोन साकागुची (ओसाका यूनिवर्सिटी, जापान)

नोबेल की वसीयत– नोबेल पुरस्कार, स्वीडिश इंजीनियर और उद्योगपति अल्फ्रेड नोबेल की वसीयत द्वारा स्थापित सबसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों का एक समूह है, जिन्हें डायनामाइट की खोज के लिए जाना जाता है। अपनी 1895 की वसीयत में नोबेल ने अपनी संपत्ति का बड़ा हिस्सा उन वार्षिक पुरस्कारों के लिए छोड़ दिया था।

शांति का नोबेल शुक्रवार को

मंगलवार को भौतिकी, बुधवार को रसायन विज्ञान और बृहस्पतिवार को साहित्य के नोबेल पुरस्कारों के विजेताओं की घोषणा की जाएगी। नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा शुक्रवार और अर्थशास्त्र में नोबेल मेमोरियल पुरस्कार की घोषणा 13 अक्टूबर को होगी। इसके बाद 10 दिसंबर को पुरस्कार समारोह आयोजित किया जाएगा। नोबेल पुरस्कार विजेता को एक स्वर्ण पदक, एक डिप्लोमा और नोबेल फाउंडेशन की ओर से वित्तपोषित एक नकद पुरस्कार मिलता है, जो नोबेल निधि का प्रबंधन करता है। इस वर्ष का पुरस्कार 11 मिलियन स्वीडिश क्रोनर (1.2 मिलियन) का है। नोबेल पुरस्कार विजेताओं को रातोंरात प्रसिद्धि मिलने का मौका भी देता है।

सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई गवई पर हमले की कोशिश

- कोर्ट रूम में वकील ने जूता फेंका, नारा लगाया- सनातन का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को एक वकील ने सीजेआई बीआर गवई पर हमला करने की कोशिश की। यह घटना उस समय हुई जब सीजेआई की बेंच एक मामले की सुनवाई कर

रही थी। कोर्ट रूम में मौजूद वकीलों के हवाले से बताया कि वकील ने सीजेआई की तरफ जूता फेंका।

हालांकि, जूता उनकी बेंच तक नहीं पहुंच सका। सुरक्षाकर्मियों ने फौरन उसे पकड़ लिया। बाहर जाते वक्त वकील ने नारा लगाया– सनातन का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान। घटना के बाद सीजेआई ने अदालत में मौजूद वकीलों से अपनी दलीलें जारी रखने को कहा। कहा कि इस सबसे परेशान न हों। मैं भी परेशान नहीं हूं, इन चीजों से मुझे फर्क नहीं पड़ता।

16 सितंबर को सीजेआई ने कहा था– जाओ, भगवान से खुद करने को कहो– मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आरोपी वकील का नाम राकेश किशोर कुमार है। सुप्रीम कोर्ट बार में उनका रजिस्ट्रेशन 2011 का है। माना जा रहा है कि वकील सीजेआई गवई की मध्य प्रदेश के खजुराहो में भगवान विष्णु की 7 फुट ऊंची सिर कटी मूर्ति की पुनर्स्थापना पर की गई टिप्पणियों से नाराज था। सीजेआई ने 16 सितंबर को खंडित मूर्ति की बहाली की मांग वाली याचिका खारिज करते हुए कहा था– जाओ और भगवान से खुद करने को कहो। तुम कहते हो भगवान विष्णु के कट्टर भक्त हो, जाओ उनसे प्रार्थना करो।

वकील के खिलाफ कड़ा ऐक्शन, बार काउंसिल ने लाइसेंस निलंबित किया

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश पर हमले की कोशिश हुई। बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने अधिवक्ता राकेश किशोर का लाइसेंस निलंबित कर दिया है। उन्हें देश भर की अदालतों में वकालत करने से रोका गया है। किशोर को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

दार्जिलिंग में लैंडस्लाइड

24 मौतें, कई लापता, हजारों टूरिस्ट फंसे

- **हिमाचल में सीजन की पहली बर्फबारी, इस बार करीब 20 दिन पहले–** पश्चिमी विक्षोभ के असर से हिमाचल के लाहौल–स्पीति, मनाली, चंबा और धौलाधर की पहाड़ियों पर सीजन की पहली बर्फबारी हुई है। इस बार बर्फबारी सामान्य से करीब 20 दिन पहले हुई। बारिश और बर्फबारी से तापमान 4 डिग्री तक गिर गया है। मौसम विभाग ने चंबा, कांगड़ा, कुल्लू और मंडी में सोमवार के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। रोहतांग दर्रे पर फिसलन बढ़ने से वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है।

दार्जिलिंग/शिमला/हिमाचल (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में रविवार को तेज बारिश के बाद हुई लैंडस्लाइड में मरने वालों की संख्या 24 हो गई है। इनमें 7 बच्चे हैं। कई लोग अब भी लापता हैं। लैंडस्लाइड में कई घर बह गए। दार्जिलिंग और सिक्किम का सड़क संपर्क देश के बाकी हिस्सों से टूट गया है। इसके कारण हजारों पर्यटक फंसे हैं। दार्जिलिंग और कर्सियांग के बीच नेशनल हाइवे टूट गया है। मिरिक और दूधिया के पास लोहे का ब्रिज टूटने से दार्जिलिंग से सिलीगुड़ी का वैकल्पिक रास्ता भी बंद है। अलीपुरदुआर में रेल ट्रैक डूबने से तीन गाड़ियां रद्द की गईं। दार्जिलिंग और कालिम्पोंग में चाय के बागान डूब गए हैं। इधर, जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश का अलर्ट है। इसके चलते स्कूल शिक्षा निदेशालय जम्मू ने सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों को 6 और 7 अक्टूबर के लिए बंद करने का आदेश दिया है। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने वैष्णो देवी यात्रा 5 से 7 अक्टूबर तक सस्पेंड करने की घोषणा की है।

राजस्थान में कफ सिरप से पांचवीं मौत

- परिजनों का दावा-दवाई देते ही बेटा बेहोश हुआ, डॉक्टर ने पर्ची वापस लेकर रख ली

डीग (एजेंसी)। राजस्थान में खांसी की सिरप पीने से पांचवीं मौत का मामला सामने आया है। 20 सितंबर को डीग के नगर क्षेत्र स्थित गांव उड़की दह्ला में 2 साल के मासूम ने दम तोड़ दिया। घटना के दो दिन पहले तबीयत खराब होने पर सरकारी हॉस्पिटल से दवाई दिलाई थी। इससे पहले 2 भरतपुर, एक सीकर और एक चूरू के बच्चे के साथ भी ऐसा ही हो चुका है। इन बच्चों को भी सरकारी हॉस्पिटल की सिरप पिलाई गई थी। उसके बाद उनकी जान चली गई थी।

जयपुर के एसएमएस हॉस्पिटल में आग, 8 मरीजों की मौत

- ट्रॉमा सेंटर के आईसीयू में देर रात हुआ हादसा; स्वास्थ्य मंत्री के सामने नारेबाजी, हंगामा

जयपुर की घटना अत्यंत दुखद - पीएम मोदी

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर के सवाई मानसिंह (एसएमएस) हॉस्पिटल के ट्रॉमा सेंटर के आईसीयू में रविवार देर रात आग लग गई। हादसे में 8 मरीजों की मौत हो गई। इनमें 3 महिलाएं शामिल हैं।

रात 11 बजकर 20 मिनट पर यह आग ट्रॉमा सेंटर के न्यूरो आईसीयू वार्ड के स्टोर में लगी। यहां पेपर, आईसीयू का सामान और ब्लड सैंपलर ट्यूब रखे थे। ट्रॉमा सेंटर के नोडल ऑफिसर और सीनियर डॉक्टर ने बताया कि शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका है। हादसे के समय आईसीयू में 11 मरीज थे। उसके बगल वाले आईसीयू में 13 मरीज थे। वहीं, इस अग्निकांड की जांच के लिए शासन स्तर पर 6 सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है। एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची और सबूत इकट्ठे किए।

फायरकर्मी बोला– पूरा वार्ड धुएं से भरा था– फायर विभाग के कर्मचारी अवधेश पांडे ने बताया कि अलार्म बजते ही टीम मौके पर पहुंची। पूरे वार्ड में धुआं भर चुका था। अंदर जाने का कोई रास्ता नहीं था। ऐसे में बिल्डिंग की दूसरी ओर से खिड़की के कांच उतारकर पानी की बौछार मारी गई। आग पर काबू पाने में एक से डेढ़ घंटे का समय लगा।

पिंटू सीकर | दिलीप जयपुर | सर्वेश आगरा | रुकमणि भरतपुर | कुषमा भरतपुर | बहादुर जयपुर | दिगंबर वर्मा सवाई माधोपुर | श्रीनाथ भरतपुर

बिहार में 2 फेज में विधानसभा चुनाव

6 और 11 नवंबर को वोटिंग, नतीजे 14 नवंबर को

नईदिल्ली/पटना (एजेंसी)। बिहार में चुनावी बिगुल बजने का इंतजार आज खत्म हो गया। चुनाव आयोग ने बिहार में दो चरणों में सभी 243 विधानसभा सीटों के लिए मतदान कराने का फैसला लिया गया है। पहले चरण का चुनाव 6 नवंबर और दूसरे चरण का 11 नवंबर को होगा। मतगणना की तिथि 14 नवंबर तय की गई है। भारत निर्वाचन आयोग की सोमवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के विस्तृत कार्यक्रम की आधिकारिक ऐलान किया गया। चुनाव की तारीखों के ऐलान के साथ ही राज्य में आदर्श आचार संहिता भी लागू हो गई।

ज्ञानेश कुमार ने कहा- बिहार चुनाव पूरी पारदर्शिता के साथ होंगे

मुख्य चुनाव आयुक्त ने ज्ञानेश कुमार ने कहा, जो सारी बातें समीक्षा में आई। बिहार में हम सभी राजनीतिक दलों, पुलिस अधिकारी, प्रशासनिक अधिकरियों से मिले। सुरक्षाबलों के अधिकारियों के साथ बैठक हुई। आयोग आपको बतलाना चाहता है कि इस बार बिहार चुनाव मतदाताओं के लिए सरल, सुगम होंगे, पूरी लॉबी मतदाताओं की मदद के लिए खड़ी रहेगी, बिहार चुनाव पूरी पारदर्शिता के साथ होंगे। इस बार का बिहार चुनाव सबसे अच्छे चुनावों में शामिल होगा। ऐसी आयोग की मंशा है।

वोटिंग लिस्ट में सुधार कराया जा सकता है – मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा, 30 सितंबर को फाइनल लिस्ट (मतदाता सूची) पब्लिश की गई है। अभी भी कोई गलती रह गई हो तो जिला अधिकारी के पास अपील की जा सकती है। साथ ही किसी का नाम छूटा हो तो नॉमिनेशन के 10 दिन पहले तक नाम जुड़वा सकता है। इसके बाद कोई भी नाम नहीं जोड़ा जा सकता है। आयोग की पूरी टीम और तीन आयुक्तों ने बिहार का दौरा किया।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश ने कहा– बिहार में चुनाव का आगमन – मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा, इस चुनाव में आयोग की तैयारियों की पूरी जानकारी आपको देंगे। बिहार की पावन भूमि पर 5 सालों के बाद विधानसभा के चुनाव का आगमन हो रहा है।

बिहार चुनाव 2025

पहला फेज - 121 सीटें

नोटिफिकेशन	नॉमिनेशन	स्क्रूटनी	नाम वापसी	वोटिंग
10 अक्टूबर	10-17 अक्टूबर	18 अक्टूबर	20 अक्टूबर	6 नवंबर

दूसरा फेज - 122 सीटें

नोटिफिकेशन	नॉमिनेशन	स्क्रूटनी	नाम वापसी	वोटिंग
13 अक्टूबर	13-20 अक्टूबर	21 अक्टूबर	23 अक्टूबर	11 नवंबर

नतीजे - 14 नवंबर

कुल सीट: 243 | बहुमत: 122 | 40 दिन की चुनाव प्रक्रिया

- 243 सीटों पर कुल 7.43 करोड़ वोटर, 14 लाख पहली बार मतदान करेंगे; हर बूथ पर एवरेज 818 वोटर
- बिहार में 243 सीटें हैं, इनमें अनुसूचित जाति के लिए 38 और अनुसूचित जनजाति के लिए 2 सीटें रिजर्व हैं।

अंता विधानसभा सीट पर उपचुनाव की घोषणा, 11 नवंबर को वोटिंग, 14 को आएगा रिजल्ट खाली हुई थी सीट

राजस्थान में बारां जिले की अंता विधानसभा सीट पर उपचुनाव की घोषणा हो गई है। इस सीट पर 11 नवंबर को वोटिंग होगी और 14 नवंबर को रिजल्ट आएगा।13 अक्टूबर को चुनाव का गजट नोटिफिकेशन जारी होगा। प्रत्याशी 21 अक्टूबर तक नामांकन कर सकेंगे। 23 अक्टूबर को नामांकन की जांच होगी और 27 अक्टूबर तक प्रत्याशी नामांकन वापस ले सकेंगे। पूर्व सीएम वसुंधरा राजे समर्थक कंवरलाल मीणा की विधायकी जाने के बाद ये सीट खाली हुई थी। अब अंता सीट पर रोचक मुकाबले के आसार हैं।

बद्रीनाथ धाम में पहुंचे सुपरस्टार रजनीकांत

- ग्लैमर से दूर आध्यात्मिक पर निकले; सड़क किनारे पत्तल में खाना खाने की तस्वीरें वायरल

चमोली (एजेंसी)। साउथ के सुपरस्टार रजनीकांत इन दिनों उत्तराखंड में अपनी आध्यात्मिक यात्रा पर हैं। इसी बीच सोमवार को वह चमोली में स्थित बद्रीनाथ धाम में पहुंचे। यहां पर उन्होंने भगवान बद्रीविशाल के दर्शन किए और जनकल्याण के लिए प्रार्थना भी की। यहां पर एक्टर का स्वागत बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति ने किया।

भाई ने बहन को नहर में डुबोकर मार डाला

गोरखपुर (एजेंसी)। गोरखपुर में एक युवक ने अपनी सगी छोटी बहन को नहर के पानी में डुबोकर मार डाला। इसके बाद घर से कुछ ही दूर एक खेत में उसकी लाश फेंक दी। कुछ देर बाद खुद थाने पहुंचा और कहा- मैंने अपनी बहन की हत्या कर दी है। लाश खेत में पड़ी है। युवक ने बताया- मेरी बहन का अफेयर चल रहा था। उसे कई बार समझाया, लेकिन वह मानने को तैयार नहीं थी। इसीलिए जान से मार दिया।

इसके बाद उसने खेत से बहन की लाश भी बरामद कराई। पुलिस उसे गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है। पुलिस का कहना है कि हत्या कैसे हुई, यह पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से पता चलेगा। घटना कैंपियरगंज थाना क्षेत्र की है।

बच्चों की मौत मामले में चार अफसर सस्पेंड

- छिंदवाड़ा में पीड़ित परिवारों से मिले सीएम; मौके से ही हटाने के दिए निर्देश

भोपाल / छिंदवाड़ा (एजेंसी)। छिंदवाड़ा और बैतूल में जहरीले कफ सिरप से अब तक 16 बच्चों की मौत हो चुकी है। सोमवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव परासिया पहुंचे। यहां उन्होंने पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। सीएम इस दौरान एक बच्चे अदनान के घर पहुंचे। परिजनों से मिलने के बाद उन्होंने मध्यप्रदेश के ड्रग कंट्रोलर दिनेश मौर्य को हटा दिया। वहीं खाद्य एवं औषधि प्रशासन के उपसंचालक शोभित कोष्टा, छिंदवाड़ा के ड्रग इंस्पेक्टर गौरव शर्मा और जबलपुर ड्रग इंस्पेक्टर शरद जैन सस्पेंड करने के निर्देश दिए।

चुनाव के ऐलान से पहले पटना में दौड़ी मेट्रो

- अचानक सीट से उठकर बाहर का नजारा देखने लगे सीएम नीतीश; आज से कर पाएंगे सफर

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव के ऐलान से पहले पटना मेट्रो की शुरुआत हो गई है। सोमवार को सीएम नीतीश कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री ने पटना मेट्रो से सफर भी किया। आईएसबीटी से जीरोमाइल होते हुए भूतनाथ तक गए। इस दौरान सीएम अचानक अपनी सीट से उठे और विंडो से बाहर का नजारा देखने लगे। दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा भी साथ रहे। पहले फेज में आईएसबीटी से भूतनाथ रोड के बीच 3 स्टेशन के बीच इसे चलाया जाएगा। ये ट्रैक 4.5 किमी लंबा है। किराया फिलहाल 15 रुपए होगा। पटना के लोगों के लिए मेट्रो सेवा आज यानी 7 अक्टूबर से शुरू हो जाएगी। परिचालन का समय सुबह 8 से रात के 10 बजे तक होगा।

संक्षिप्त समाचार

बारिश का पानी न निकलने से नाराज ग्रामीणों ने चौबेपुर बलुआघाट मार्ग किया जाम, धरने पर बैठे

वाराणसी, एजेंसी। वाराणसी में चौबेपुर के चुकहां गांव में बारिश के चलते जबरदस्त जलभराव हुआ है। ऐसे में कुछ लोगों को घर से निकलने में परेशानी हो रही है। इससे आक्रोशित ग्रामीणों ने चौबेपुर बलुआघाट रोड पर सोमवार की सुबह जाम लगाकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। पानी निकालने की मांग को लेकर लोगों ने सड़क जाम किया है। चुकहां गांव में प्राथमिक विद्यालय के समीप सोनकर बस्ती में जल निकासी की व्यवस्था न होने से बारिश होते ही जनभराव हो जाता है। सोनकर बस्ती के लोगों के घरों व दरवाजे पर पानी भर जाता है। यह समस्या 10 वर्षों से चली आ रही है। इधर, दो दिनों से मूसलाधार बारिश के चलते सोनकर बस्ती में पानी भर गया है, जिससे नाराज ग्रामीणों ने चौबेपुर बलुआघाट मार्ग पर बांस बांधकर सड़क जाम कर दिया। महिलाएं व बच्चे सड़क पर बैठ गए। लोगों का कहना है कि यहां के जनप्रतिनिधि जल निकासी की समस्याओं से अवगत हैं, फिर भी जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं कराते।

परिवार संग भोजन करने की थी तैयारी...छत हुआ जमींदोज- मां समेत दो बेटे गंभीर रूप से घायल

देवरिया, एजेंसी। महुआडीह थाना क्षेत्र के देवरिया गांव में रविवार की रात करीब आठ बजे एक मकान गिर गया। इसके मलबे में मां और दो बेटे दब गए। शोर सुनकर मौके पर जुटे गांव के लोगों ने कड़ी मशक्कत कर तीनों को निकाला। तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। लोगों के सहयोग से सभी को मेडिकल कॉलेज देवरिया भेजवाया गया। जानकारी के अनुसार, देवरिया गांव में रविवार की रात करीब आठ बजे उर्मिला देवी (45) भोजन बनाकर दोनों बेटों हरिकेश सिंह (18) और सिद्धू (10) के साथ भोजन करने की तैयारी में थीं। इसी बीच मकान का छत अचानक जमींदोज हो गया। मां अपने दोनों बेटों के साथ मलबे में दब गई। मकान गिरने का आवाज सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे और शोर मचाने लगे। शोर सुनकर मौके पर जुटे गांव के लोगों ने कड़ी मशक्कत कर रात के अंधेरे में किसी तरह तीनों को निकाला। तीनों को गंभीर रूप से घायल देख अफरा-तफरी मच गई। लोगों के सहयोग से सभी को मेडिकल कॉलेज भेजवाया गया। ग्राम प्रधान जय प्रकाश सिंह ने बताया कि मकान पक्का था। बारिश की वजह से अचानक गिर गया। उर्मिला देवी और उनके दोनों बेटे दब गए। उन्हें किसी तरह बाहर निकाला गया।

स्वामी प्रसाद मौर्य के निशाने पर फिर ब्राह्मण-क्षत्रिय और धर्म, बोले- देश के खंड-खंड करना चाहते ठेकेदार

अमेठी, एजेंसी। यूपी के अमेठी में सोमवार को एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे पूर्व मंत्री एवं अपनी जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य ने एक बार फिर विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि 10 साल का ब्राह्मण 100 साल के क्षत्रिय का पिता होता है। सरकारी नीतियों पर प्रहार करते हुए कहा कि सरकार हिंदू-मुस्लिम, मंदिर-मस्जिद के मुद्दों को बनाए रखना चाहती है। इसे खत्म करना नहीं चाहती है मंच से संबोधन के दौरान संस्कृत का एक श्लोक पढ़ते हुए स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि 10 साल का ब्राह्मण 100 साल के क्षत्रिय का पिता होता है। हाल ही में जेल में गायत्री प्रसाद प्रजापति पर हुए हमले पर कहा कि इस समय जंगलराज चल रहा है। जेल में हमला हो जा रहा है। धर्म को लेकर उन्होंने कहा कि देश को आजाद कराने के लिए कई लोगों ने कुर्बानी दी है। लेकिन, कुछ ठेकेदार धर्म का चोला पहनकर देश के साथ धोखा करना चाहते हैं। जो देश कभी अखंड था, उसको खंड-खंड करना चाहते हैं। यह देश भारतीय संविधान से चलेगा, किसी ढोंगी के कहने से नहीं। 2027 का विधानसभा चुनाव हम सभी सीटों पर लड़ने के लिए तैयार हैं। भाजपा को हराने के लिए गठबंधन करना पड़ेगा तो वो भी करेंगे।

मेरठ में गोकशी की बड़ी घटना, श्मशान घाट में आठ जगह मिले पशुओं के अवशेष और रस्से, फूटा ग्रामीणों का गुस्सा

मेरठ, एजेंसी। उलधन-पांची संपर्क मार्ग पर उलधन के श्मशान घाट में गोकशी की बड़ी घटना हुई है। करीब आठ जगह पशुओं के अवशेष, रस्से और खून मिला। ग्रामीणों के इकट्ठा होने से पहले ही पुलिस ने मौके पर सफाई करा दी। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पुलिस मामले को छिपाने का प्रयास कर रही है। रविवार सुबह खरखौदा स्थित गांव उलधन निवासी कुछ युवक उलधन-पांची संपर्क मार्ग पर एक श्मशान घाट में क्रिकेट खेलने गए थे। जैसे ही बच्चे वहां पहुंचे तो आवारा कुत्ते पशुओं के अवशेषों को नोंचते हुए मिले। बच्चों ने जब मौके पर जाकर देखा तो वहां गोवंशों के अवशेष पड़े थे। बच्चों ने घटना की जानकारी तुरंत ही ग्रामीणों को दी। बाद में ग्रामीणों की सूचना पर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस ने भीड़ के पहुंचने से पहले ही खाल व सिर बोरों में भरकर गाड़ी में लदवाकर वहां से हटवा दिया। मौके पर आठ रस्से व आठ जगह ही पशुओं के अवशेष मिले हैं। उधर पुलिस गोकशी की घटना को छिपाने का प्रयास कर रही है।

सरकारी अस्पतालों में भेजी गई एंटीबॉयोटिक दवा में नमी, गुणवत्ता पर सवाल, जांच के आदेश

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ में मेडिकल कॉर्पोरेशन के माध्यम से सरकारी अस्पतालों में भेजी गई एंटीबायोटिक दवा सिप्रोफ्लॉक्सिन 500 मिग्रा की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। मरीजों का कहना है कि दवा का रैपर खोलते ही टैबलेट टूटकर चूरन की तरह बिखर जा रही है। दवा में नमी की शिकायत मिलने पर अफसरों ने जांच के आदेश दिए हैं। यदि दवा में नमी की पुष्टि होती है तो पूरी खेप वापस कर नई दवा मंगाई जाएगी।

अस्पतालों में आपूर्ति की गई यह दवा बैच नंबर सीपीटी 24076 की है और अगस्त 2027 तक इसे वैध बताया गया है। इसकी बड़ी खेप सिविल अस्पताल सहित कई सरकारी अस्पतालों में पहुंची है। डॉक्टर मरीजों को यह दवा लिख रहे हैं, लेकिन मरीज इसे लेने से हिचक रहे हैं। मरीज राजकुमार ने बताया कि दवा का रैपर खोलते ही यह चूरन की तरह बिखर गई। दवा की गुणवत्ता पर भरोसा नहीं रह गया।

वहीं, अस्पताल प्रभारियों ने बताया कि दवा की प्रयोगशाला में जांच कराई जाएगी। नमी या गुणवत्ता में खामी मिलने पर दवा वापस कराई जाएगी और मेडिकल कॉर्पोरेशन से नई खेप मंगाई जाएगी।

पहले भी नमी लगी दवा की सप्लाई हुई थी : यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी ड्रग कॉर्पोरेशन की ओर से अस्पतालों में बीपी की दवा टेल्मीसार्टन 40 मिग्रा (बैच नंबर 384टीएफ006) और अमलोडिपिन (बैच नंबर बीटी1512) की सप्लाई की गई थी। दोनों दवाओं में नमी की शिकायतें सामने आई थीं। जांच के बाद दवाएं वापस कराकर नई खेप भेजी गई थी।

प्रदेश भर में कफ सिरफ को लेकर जांच शुरू, कोल्ड्रिफ पर लगी पूरी तरह से पाबंदी, अन्य की भी होगी पड़ताल

लखनऊ, एजेंसी। मध्य प्रदेश व राजस्थान में कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के बाद उत्तर प्रदेश में अलर्ट घोषित किया गया है। रविवार को सभी औषधि निरीक्षकों को निर्देश दिया गया है कि श्रीसन फार्मा के कफ सिरप की बिक्री रोक दी जाए। विभिन्न जिलों में बनने वाले अन्य सिरप के भी सैंपल लेने और उन्हें लखनऊ प्रयोगशाला भेजने का निर्देश दिया गया है।

तमिलनाडू में बने श्रीसन फार्मा के कप सिरप कोल्ड्रिफ में खतरनाक रसायन डाइएथिलीन ग्लाइकॉल पाया गया है। यह जानलेवा होता है। इससे मध्य प्रदेश में कई बच्चों की मौत हो गई है। इसी तरह राजस्थान में कायसन फर्मा के डेक्सट्मेथारफन कफ सिरप पीने के बाद बच्चों की मौत हो गई है। ऐसे में उत्तर प्रदेश में भी सिरप को लेकर जांच अभियान शुरू किया गया है। सहायक आयुक्त ने रविवार को सभी औषधि निरीक्षकों को निर्देश दिया है श्रीसन फार्मा के किसी भी कप सिरप की बिक्री न होने दिया जाए।

जहां भी कफ सिरप मिले तत्काल उसके नमूने लेते हुए बिक्री रोक दिया जाए। इसके लिए सरकारी एवं निजी अस्पतालों एवं मेडिकल स्टोरों की जांच की जाएगी। प्रदेश में संकलित कफ सिरप के नमूनों को तत्काल लखनऊ स्थित प्रयोगशाला भेजा जाएगा। औषधि निरीक्षकों को यह भी निर्देश दिया गया है कि अपने कार्यक्षेत्र में स्थित दवा निर्माणशालाओं से कफ सिरप एवं उसमें प्रयुक्त प्रोपाइलिन ग्लाइकॉल का नमूना संकलित करके जांच व विश्लेषण के लिए लखनऊ प्रयोगशाला भेजा जाए। इस आदेश के बाद सोमवार को सभी जिलों में कफ सिरप को लेकर लेकर जांच अभियान शुरू होगा। सभी निरीक्षकों को हर दिन शाम को विभिन्न स्थानों पर मेडिकल स्टोरों की जांच और लिए गए नमूने के बारे में रिपोर्ट तैयार करनी है। यह रिपोर्ट गूगल शीट के माध्यम से आनलाइन प्रदेश मुख्यालय भेजी जाएगी।

भंडारण के बारे में मांगी जानकारी : खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने उत्तर प्रदेश मेडिकल सप्लाईज कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक को भी पत्र भेजा है। इसमें पूछा है कि यदि प्रदेश में कहीं भई श्रीसन फार्मास्युटिकल कंपनी के कफ सिरप भेजे गए हों अथवा उनका भंडारण हो तो तत्काल उसका वितरण रोक दें।

ट्रेन में कन्फर्म टिकट नहीं मिले, तो यात्रीगण न हों परेशान; दिवाली और छठ पर्व पर रोडवेज ने दी राहत भरी खबर

आगरा, एजेंसी। यूपी परिवहन निगम दिवाली और छठ पर्व के लिए बसों के फेरे बढ़ाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में भी पर्याप्त संख्या में बसें चलेंगी। दिवाली और छठ पर्व पर लोग अपने परिजन के पास त्योहार मनाने जाते हैं। ऐसे में ज्यादातर ट्रेनों में सीट फुल हो गई हैं। यात्रियों को वेटिंग टिकट भी नहीं मिल रही है।

परिवहन निगम के क्षेत्रीय प्रबंधक ब्रह्मप्रकाश अग्रवाल ने बताया कि इस समय 713 बसें संचालित की जा रही हैं। यह आगरा से छोटे और लंबे मार्गों पर संचालित हो रही हैं। जिनमें आगरा से लखनऊ, अलीगढ़, दिल्ली, बुलंदशहर, फिरोजाबाद, झांसी, कानपुर, हरियाणा, जयपुर, बरेली, अयोध्या, टनकपुर, औरैया, मैनपुरी, मथुरा आदि मार्गों पर आवागमन करती हैं। इन मार्गों पर यात्रियों की संख्या के अनुसार बसों के फेरे बढ़ाए जाएंगे। जिससे यात्रियों को बस के लिए ज्यादा इंतजार न करना पड़े। उन्होंने बताया कि शहरी क्षेत्र के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में भी पर्याप्त मात्रा में बसें संचालित की जा रही है। जो फाउंड्री नगर, आईएसबीटी, ईदगाह, फोर्ट और बाह डिपो से चलाई जा रही हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में जाने वाले यात्री आसानी से घर पहुंच सकेंगे।

इस्लाम की बेटियां: हिंदू धर्मगुरुओं की हत्या की साजिश, मुजाहिद आर्मी में लड़कियों की भर्ती में लगा था रजा

फतेहपुर, एजेंसी। हिंदू धर्मगुरुओं की हत्या की साजिश रचने वाला मोहम्मद रजा मुजाहिद आर्मी में युवाओं की भर्ती के साथ लड़कियों को शामिल करने की कोशिश में भी जुटा था। इसके लिए लड़कियों को कट्टरपंथी बनाने की योजना बनाई गई थी। पुलिस सूत्रों की मानें तो मोहम्मद रजा और उसके सहयोगी इस्लाम की मुजाहिद बेटियां नाम की एक किताब के जरिये महिलाओं को उकसाने की कोशिश कर रहे थे। किताब को सोनभद्र निवासी सफील सलमानी ने मोहम्मद रजा के साथ मिलकर तैयार किया था। इसमें महिलाओं और बच्चों को इस्लाम के नाम पर सक्रिय भूमिका निभाने की प्रेरणा दी गई है। इसकी पीडीएफ (पोर्टेबल डॉक्यूमेंट फॉर्मेट) को कोर ग्रुप के जरिये सोशल मीडिया पर वायरल करने की योजना थी।

गांव से लापता हैं कई युवक : 30 सितंबर को मोहम्मद रजा को एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) ने केरल से गिरफ्तार किया है। इससे पहले उसके साथी सफील सलमानी को सोनभद्र से, मौलाना अकमल को सुल्तानपुर, तौसीफ को कानपुर और कासिम को रामपुर से गिरफ्तार किया गया था। मोहम्मद रजा की गिरफ्तारी के बाद राधानगर थाना क्षेत्र के अंदौली गांव से कई युवक लापता हैं। पुलिस इनकी गतिविधियों की जांच कर एसटीएफ को इनपुट दे रही है।

जलसे में मौलाना से आया संपर्क में : बताया जा रहा है कि डेढ़ साल पहले एक जलसे में सुल्तानपुर के मौलाना अकमल के संपर्क में आने के बाद मोहम्मद रजा ने आतंकी गतिविधियों की राह पकड़ी थी। उसने सोशल मीडिया के जरिये युवाओं को जोड़कर मुजाहिद आर्मी बनाने की शुरुआत की। अंदौली और आसपास के कई युवक उसके सोशल मीडिया नेटवर्क से जुड़े थे।

इन्हीं प्लेटफॉर्म पर भड़काऊ सामग्री और इस्लाम की बेटियां नामक किताब साझा की जा रही थी। राधानगर प्रभारी निरीक्षक दिनेश मिश्रा ने बताया कि इलाके में प्रतिदिन गश्त की जा रही है। मौके पर संवेदनशीलता बरती जा रही है। किसी भी चर्चा के सामने आने पर जांच की जा रही है। फिलहाल बाहर से कोई टीम नहीं आई है।

टेसू-झांझी: महाभारत काल से जुड़ी पांच दिन की प्रेम कहानी, जो परवान चढ़ने से पहले मिटा दी गई...सदियों से गूंज

आगरा, एजेंसी। टेसू-झांझी की एक ऐसी प्रेम कहानी है जो महाभारत के युद्ध की पृष्ठ भूमि में परवान चढ़ने से पहले मिटा दी गई। अधूरी प्रेम कहानी की पांच दिवसीय लोक परंपरा आज भी ब्रज के गांवों में निभाई जाती है।

बाह, पिनाहट, जैतपुर समेत जिले भर के गांव कस्बों में बच्चों का उत्सव को लेकर उत्साह देखते ही बन रहा है। गलियों में गूंजते टेसू-झांझी के गीत ब्रज की लोक परंपरा को जीवंत कर रहे हैं। विजयदशमी से शरद पूर्णिमा तक ब्रज के गांवों में टेसू-झांझी की लोक परंपरा का निर्वहन होता है। तीन टांग पर टेसू खड़ा होता है, जबकि झांझी छोटी मटकी के आकार की होती है।

सोमवार को शरद पूर्णिमा पर टेसू-झांझी की शादी और अंतिम विदाई की रस्म का निर्वहन होगा। प्रियंका, खुशबू, सपना, राखी, प्रेमलता, सुमन, रेखा, सीता आदि ने बताया कि लड़के थाली-चम्मच बजाकर टेसू की बरात निकालेंगे। वहीं लड़कियां भी झांझी को विवाह मंडप में लेकर आएंगी। फिर शुरू होता है ढोलक की थाप पर मंगल गीतों के साथ टेसू-झांझी का विवाह। सात फेरे पूरे होने से पहले ही लड़के टेसू का सिर धड़ से अलग कर देंगे, वहीं लड़कियां अपने सिर पर झांझी को रखकर घूम कर उनको अंतिम विदाई देंगी।

पहले होता था शादी जैसा माहौल, चढ़ती थी बरात : 90 के दशक तक पांच दिवसीय लोक परंपरा के निर्वहन में शादी जैसा माहौल होता था। बच्चों की टोलियां घर-घर से चंदा लेती थी। टेसू झांझी समिति बनाई जाती थी। शरद पूर्णिमा के दिन शादी का मंडप सजता था। निमंत्रण के कार्ड छपते थे। जरार की माया देवी, बाह की रेनू भदौरिया, रुदमुली की रीता भदौरिया ने बताया कि बैंड बाजे के साथ टेसू की बरात चढ़ती थी। नेग और दावत होती थी।

अब पहले की तरह शहनाई नहीं बजती, विवाह की रस्में जरूर निभाई जाती हैं। आजकल बच्चों की टोलियां टेसू-झांझी के गीत गाते हुए निकलती हैं तो अतीत के दिन याद आ जाते हैं। बाह की संगीता, बिजौली की किरन, धनियापुरा की गीता देवी ने बताया कि मोबाइल और टीवी संस्कृति से लोक परंपरा के निर्वहन में गिरावट आई है।

इतिहासकार डॉ शिव शंकर कटारे कहते हैं कि टेसू झांझी की लोक परंपरा महाभारत से जुड़ी हुई है। भीम के बेटे घटोत्कच के पुत्र बर्बरीक महाभारत के युद्ध में कोरवों की ओर से शामिल हुए थे। वक्त बर्बरीक ने महाभारत युद्ध के बाद अपनी प्रेमिका गड़बड़ा (झांझी) को शादी का वचन दिया था। युद्ध में बर्बरीक की वीरता देख कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से उसका सिर काट दिया और युद्ध को देखने की बर्बरीक की इच्छा पूर्ति के लिए एक पहाड़ी पर छेंकुर के पेड़ पर रख दिया था। महाभारत के युद्ध के बाद बर्बरीक की विवाह व अंतिम संस्कार कर आत्मा को शांति की इच्छा पूर्ति शरद पूर्णिमा को हुई।

भोजपुरी गायक पवन सिंह की पत्नी का अपार्टमेंट में हंगामा, मौके से वीडियो बनाकर किया वायरल

लखनऊ, एजेंसी। भोजपुरी गायक और अभिनेता पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह ने रविवार को सुशांत गोल्फ सिटी स्थित सेलिब्रिटी अपार्टमेंट में जमकर हंगामा किया। दरअसल, ज्योति अपने पति पवन सिंह के घर पहुंची थीं। सिक्योरिटी गार्ड ने उन्हें रोक दिया और फोन कर सुशांत गोल्फ सिटी थाने से पुलिस को बुला लिया। इस पर वह भड़क गईं।

ज्योति ने पुलिस से कहा कि वह बिना पति से मिले वापस नहीं जाएंगी। ज्योति ने मौके का वीडियो बनाकर वायरल किया है। आरोप है कि पुलिसकर्मी उन्हें थाने ले जाने के लिए दबाव बना रहे हैं। यही नहीं इंस्पेक्टर भी उन्हें फोन पर धमका रहे हैं। वीडियो में पुलिस और ज्योति में बहस होती दिख रही है। ज्योति पुलिस से कह रही हैं कि वह अपने पति के घर आई हैं। उन्हें पति के घर पर रहने का पूरा अधिकार है। ज्योति ने कहा कि पति के घर से वह बाहर नहीं निकलेंगी। दबाव बनाया तो वह जहर खा लेंगी।

डीसीपी साउथ दक्षिणी निपुण अग्रवाल के मुताबिक पवन सिंह और ज्योति का विवाद चल रहा है। गार्ड की सूचना पर पुलिस पहुंची थी। हालांकि पुलिस के पहुंचने से पहले पवन सिंह के भाई फ्लैट से निकले और ज्योति को बुलाकर ले गए। फिलहाल ज्योति अपने पति के फ्लैट में ही हैं।

शराब के ठेके के सेल्समैन से लूट, गर्दन पर धारदार हथियार से वार कर दिया वारदात को अंजाम

मेरठ, एजेंसी। टीपीनगर थाना क्षेत्र के स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स नई बस्ती में देशी शराब के सेल्समैन धर्म सिंह पर हमलाकर कार सवार बदमाशों ने नोटों से भरा बैग लूट लिया। बैग में करीब 22 हजार रुपये थे। सेल्समैन ने 200 मीटर तक पीछा भी किया, मगर बदमाश भाग गए। सेल्समैन की ओर से टीपीनगर थाने में तहरीर दी गई है। बदमाशों की पहचान के लिए पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

जयपुर निवासी धर्म सिंह यहां नई बस्ती मेरठ-हापुड़ रेलवे लाइन के पास देशी शराब के ठेके पर सेल्समैन हैं। रविवार सुबह करीब साढ़े सात बजे वह बैग लेकर पैदल ही रिठानी की ओर जा रहे थे। जैसे ही वह स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स के पास पहुंचे तो तभी पीछे से आए एक बदमाश ने धर्म सिंह की गर्दन पर किसी वस्तु से वार किया। इससे पहले वह कुछ समझ पाता बदमाश उसका बैग छीनकर पैदल भाग गया। धर्म सिंह ने बदमाश का पीछा किया, लेकिन वह पहले से आगे खड़ी कार में बैठकर अपने साथियों के साथ भाग गया।

सेल्समैन ने पुलिस को सूचना दी। टीपीनगर थाना प्रभारी पहुंचे और घटना की जानकारी ली। सेल्समैन में पुलिस को बताया कि बैग में 22 हजार रुपये थे। इन्हें जमा करने के लिए वह रिठानी ऑफिस जा रहे थे। बदमाशों की कार की नंबर प्लेट साफ नहीं थी। इसके चलते सीसीटीवी फुटेज में कार का नंबर स्पष्ट नहीं हो रहा है। सीओ ब्रहमपुरी सौम्या अस्थाना ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस की दो टीमें बदमाशों की तलाश में लगी हैं।

रामनगर की रामलीला में राज्याभिषेक के बाद हुई भोर की आरती, देखने के लिए उमड़ा लीलाप्रेमियों का सैलाब

वाराणसी, एजेंसी। रामनगर स्थित अयोध्या मैदान में रामलीला की भोर की आरती देखने के लिए लीलाप्रेमियों का सैलाब उमड़ पड़ा। भगवान राम और माता जानकी की आरती देख लीलाप्रेमी मंत्रमुग्ध हो उठे। इससे पहले रविवार की रात में प्रभु श्रीराम के राज्याभिषेक की दिव्य झांकी लीलाप्रेमियों के दिलों में उतर गई। राजा रामचंद्र की जयकार व हर हर महादेव के उद्घोष से चहुंदिशाएं गूंज उठीं। रामनगर की विश्व प्रसिद्ध रामलीला में रविवार को किला रोड स्थित अयोध्या मैदान में श्रीराम राज्याभिषेक की लीला का मंचन किया गया। समारोह में गुरु वशिष्ठ, विभीषण, सुग्रीव, अंगद व हनुमान समेत वानर- भालू वीर प्रभु श्रीराम के राजा रूप का दर्शन करने को आतुर दिखे।

गुरु वशिष्ठ की आज्ञा से श्रीराम सिर झुका कर सभी का अभिवादन करते हुए अयोध्या के राजसिंहासन पर विराजते हैं। गुरु वशिष्ठ राजतिलक करते हैं और माता कौशल्या दान देती हैं।

इस अवसर पर दुर्ग से पैदल चलकर लीला स्थल तक पहुंचे डॉ.अनंत नारायण सिंह भूमि पर बैठते हैं और श्रीराम का तिलक कर भेंट देते हैं। बदले में श्रीराम स्वरूप अपने गले की माला उतारकर अनंत नारायण सिंह को पहनाते हैं।

इसके साथ ही राजा रामचंद्र की जय का उद्घोष गूंज उठता है। रामलीला में भोर की आरती देखने के लिए हजारों लोग पूरी रात भोर होने का इंतजार करते रहे। तो वहीं जगह जगह रामलीला प्रेमियों की टोली रामायण सहित अन्य भक्ति सत्संग में लगे रहे।

अयोध्या मैदान में ओवरफ्लो रहा सीवर का पानी : अयोध्या मैदान के पीछे ओवरफ्लो हो रहा सीवर का गंदा पानी अयोध्या मैदान में भर गया। हालांकि सुबह से नगर निगम के कर्मचारियों ने जाम सीवर की सफाई कर अयोध्या मैदान में फैले पानी को हटा दिया लेकिन इस दरम्यान मैदान में लगने वाली बैरिकेडिंग नहीं हो सकी।

नाउ टोला बस्ती' खड़िया अस्तित्व विहीन होने के कगार पर खड़ा

-ओबी खदान के ऊंचाई से बने पहाड़, बारिश के पानी के बीच घिरे ग्रामीणों की समस्या को नजरअंदाज करता एनसीएल

-खड़िया परियोजना एनसीएल की अनदेखी के कारण और जनप्रतिनिधियों की उदासीनता से जनता आक्रोश में

सोनभद्र द डेस्प्रिंग हिंदी दैनिक

सोनभद्र थाना शक्तिनगर परिक्षेत्र के खड़िया ग्राम पंचायत का 'नाउ टोला बस्ती' आज अपने अस्तित्व को बचाने की जंग लड़ रहा है। गांव के एक ओर ओबी डंपिंग ऊंचे पहाड़ की तरह बना है एनसीएल खड़िया जो लगातार धूल, पत्थर और प्रदक्षण का कहर बरसा रहा है। दसरी और कोयले की वॉरफॉल ने जीवन को और कठिन बना दिया है। गांव के समीप बना नाला, जिसे परियोजना के विस्तार के दौरान संकरा कर दिया गया था, हर बारिश में गांव के लिए काल बनकर टूट पड़ता है। कई वर्षों से झेल रहे हैं तबाही, फिर भी न राहत, न सुनवाई कोयला कंपनियां कर रही हैं अनदेखी, ग्रामीणों का कहना है कि पिछले चार वर्षों से हर बारिश के मौसम में यही त्रासदी दोहराई जाती है। पानी के तेज बहाव से घरों में कीचड़ भर जाता है, मवेशी बह जाते हैं और बच्चों तक का स्कूल जाना दूभर हो जाता है। एनसीएल प्रशासन की ओर से हर बार "सहायता" के नाम पर केवल औपचारिकता निभाई जाती है, और स्थानीय जनप्रतिनिधि सहानुभूति जताकर चुप हो जाते हैं।

प्रबंधन ने नहीं निकाला कोई स्थायी समाधान

ग्रामीणों कहना है कि न तो खड़िया परियोजना प्रबंधन ने कोई स्थायी समाधान निकाला, न प्रशासन ने इस मुद्दे को गंभीरता से लिया। नाउ टोला बस्ती के लोग अपने ही घरों में डर और निराशा के साये में जीने को मजबूर हैं। अब सवाल यह है कि क्या 'विकास' के नाम पर लोगों का आस्तित्व मिटाना ही प्रगति की पहचान बन चुका है? खड़िया नाउ टोला के निवासियों की यह पुकार शायद अब भी किसी सुनने वाले कान की प्रतीक्षा कर रही है। गुस्साए ग्रामीणों के साथ स्थानीय थाना प्रभारी की उपस्थिति में ग्राम प्रधान विजय गुप्ता लालबाबू, बसपा नेता पन्ना लाल, सपा नेता मुकेश सिंह, विस्थापित युवा संजय गुप्ता, सोनू वर्मा, जितेंद्र कुमार, शशांक अग्रहरि व समाजसेवी सनीशरण ने एनसीएल अधिकारियों से वार्ता की जिसके बाद मौके का निरीक्षण कर नुकसान की भरपाई और समस्या के ठोस निस्तारण की की गई है।

डी वाई एसपी द्वारा हिट एंड रन केस में डी वाई एसपी को क्या निलंबित

जोधपुर पुलिस कमिश्नर के थाना एयरपोर्ट में दिनांक 3.10.2025 को रात्रि करीब 11:00 बजे सरदार हॉस्टल के सामने ओम सिंह पुत्र स्वरूप सिंह दीवार के सामने लाइट के खंबे के पास एसआईटी टीम के पास खड़े थे लाइट चले जाने के कारण अरोड़ा सर्कल उत्तर दिशा की तरफ काले रंग की वाहन संख्या राज 19 यूएई 1444 एमजी हेक्टर गाड़ी जो की लापरवाही और तेज गति से करीबन 100 से 150 किलोमीटर प्रति घंटा से चलते हुए ओम सिंह को करीबन 30 फीट दूर जोरदार टक्कर मारी और गाड़ी का जोरदार धमाका सुनकर साथी छात्र ईकते हुए लड़कों को देखकर गाड़ी को वापस मोड़कर छात्र को कुचलना की

कोशिश की और पी सी आर गाड़ी को बुलाकर शराब के नशे में डीएसपी जबर सिंह चारण मौके से भाग गया घायल छात्र को एम्स अस्पताल में भर्ती करवाया जो कोमा में है और सीरियस कंडीशन में है पुलिस थाना एयरपोर्ट ने कोई कार्रवाई नहीं की मात्रा हल्की धारा में रिपोर्ट दर्ज की तब परिवादी महावीर सिंह पुत्र जबर सिंह राजपूत अन्य ने अधिवक्ता भवानी सिंह भलासरिया जेठू सिंह भाटी सुमेर सिंह भाटी और पुष्पेंद्र सिंह अजय पाल सिंह व अन्य ने जोधपुर जिला कलेक्टर और पुलिस कमिश्नर जोधपुर महोदय को प्रथम सूचना रिपोर्ट 165 /2025 पुलिस थाना एयरपोर्ट में हिट एंड रन की धारा 106 (2) बी एन एस जोड़कर कार्रवाई करने का निवेदन किया पुलिस कमिश्नर व उच्च अधिकारियों ने उपरोक्त प्रतिवेदन पर डी वाई एस पी जबर सिंह चारण को किया निलंबित

खोराबीसल पुलिस की सख्त कार्रवाई: जुए और हथियारबाजी पर कसा शिकंजा

जयपुर पश्चिम जिले के खोराबीसल थाना क्षेत्र में रविवार देर शाम पुलिस ने तीन अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए सात जुआरियों को गिरफ्तार किया और एक युवक को धारदार चाकू के साथ पकड़ा। पुलिस ने कुल ड्ट12,970 की नकदी और ताश की गड्डियां जब्त की हैं। यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम श्री हनुमान प्रसाद (आई.पी.एस.) के निर्देश पर की गई, जिनके अनुसार जयपुर शहर में बढ़ती जुआ-सट्टा प्रवृत्ति पर लगाम कसने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पहली कार्रवाई सरना डूंगर स्थित रिको तलाई के पास सार्वजनिक स्थान पर की गई, जहां जुआ खेलते हुए तीन व्यक्तियों – शंकर मालावत (24), राजू बुनकर (33) और दिनेश कुमार (30) को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से ड्ट7,890 नकद

और 52 ताश के पत्ते बरामद हुए। दूसरी कार्रवाई कदम डूंगरी सर्किल क्षेत्र में की गई, जहां खाली जमीन पर जुआ खेलते चार व्यक्तियों – देवेन्द्र जाटव (35), सुनील सोनी (45), पप्पू शर्मा (39) और नरेश गुप्ता (32) को पकड़ा गया। उनके पास से ड्ट5,080 नकद और 52 ताश के पत्ते जब्त किए गए। तीसरी कार्रवाई निगरानी गश्त के दौरान की गई, जिसमें मोनू सिंह (25), निवासी बालाजी विहार, नाड़ी का फाटक, जयपुर को धारदार चाकू लहराते हुए पकड़ा गया। उसके खिलाफ प्रकरण संख्या 05/2025 धारा 4/25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। इन कार्रवाइयों को थानाधिकारी खोराबीसल पुलिस निरीक्षक सुरेन्द्र सिंह के नेतृत्व में सहायक पुलिस आयुक्त झोटवाड़ा श्री सुरेन्द्र सिंह राणावत के सुपरविजन और अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त पश्चिम श्री आलोक सिंघल के निर्देशन में अंजाम दिया गया। पुलिस टीम में एएसआई रणसिंह, हैड कॉन्स्टेबल रामेश्वर, ख्यालीराम, शीशराम, रामसिंह, प्रेमचंद, सायरमल, गुरूदयाल एवं राजेश कुमार शामिल रहे। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में इस तरह की असामाजिक गतिविधियों पर नकेल कसने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा।

सशिप्त समाचार

अभिनेता कबीर बेदी रामगढ़ पहुंचे, मूंग बड़ी बच्चों को अपनी संस्था से करवाएंगे संसाधन उपलब्ध

अमित भारद्वाज रामगढ़ अलवर राजस्थान, रामगढ़ कस्बे के बस स्टैंड पर स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के अंतर्गत की प्राथमिक खंड के भवन में अभिनेता कबीर बेदी अपनी टीम के साथ पहुंचे इस अवसर पर उनकी संस्था व टीम द्वारा दृष्टिहीन बच्चों के साथ शॉर्ट मूवी शूट भी की गई ।साइट सर्वर्स इंडिया संस्था द्वारा दृष्टि बाधित बालको को संसाधन उपलब्ध करवाए। इस दौरान संस्था के आर एन मोहिनीति, जिला समन्वय विशेष नीरज यादव, भुवनेश शर्मा, शालू शर्मा, सफी मुहम्मद,, पंकज, सुरेश नागपाल व्याकाठा गोविंद चौधरी एडवोकेट लाखन दत्त शर्मा, अमित भारद्वाज पत्रकार अजय भारद्वाज पत्रकार एकता आदि मौजूद रहे। संस्था द्वारा लैपटॉप, डिजी प्लेयर, मोबाइ,ल एलबी डिवाइस सहित कुल 44 उपकरण जिला स्तर पर दृष्टि हीन बच्चों के लिए उपलब्ध करवाए है।

विशाल एग्जीबिशन का शुभारंभ

सीकर। नरेश सैन, स्वर्णकार महिला मण्डल की अध्यक्ष मधु सोनी व महेश्वरी महिला मण्डल की डायरेक्टर सुमन बजाज ने बताया की 6, 7, 8 अक्टूबर को मैना सदन में विशाल ए७ुँ३ङ्क्ष्ल्ल का भव्य शुभारम्भ समाजसेवी पन्नालाल सारडा व सर्व समाज की महिलाओ के द्वारा किया गया। जिसमे महिलाओ को घर बैठे रोजगार, व हुनर दिखाने का मौका मिलता हैं. ए७ु३ङ्क्ष्ल्ल में, करवा चौथ, दिवाली व शादी के सीजन से सम्बंधित साड़ी, सूट, वेस्टर्न ड्रेस, इमिटेशन ज्वेलरी, क्रोकरी, दिवाली डेकोरेशन सामान, बंदरवाल, ड्राई फ्रूट, लड्डू गोपाल का सामान, बेड शीट, ब्लैंकेट, अमृतम की शुद्ध मिठाई, पापड़, मुंगरी, ड्राई फ्रूट पैकिंग बॉक्स, ही२३१ल्ल ६ी१, वूलेन आइटम, हैंडॆी हेल्थ केयर ग्रीन टी, हर्बल आइटम, हैंडॆी पेंटिंग, पंजाबी जुतिया, फैंसी पर्स, आर्ट क्राफ्ट, बच्चो से सम्बंधित स्टेशनरी आइटम व काफी अन्य तरह की वैरायटी उपलब्ध हैं।

शेखावाटी के लाल, IPS देवाशीष बेनीवाल का कमाल !

महाराष्ट्र के जिंतुर में सेवा दे रहे राजस्थान मूल के क्ढर देवाशीष बेनीवाल ने एक ऐसा मामला सुलझाया, जो किसी थ्रिलर फिल्म से कम नहीं था। सड़क पर पलटा ट्रक, फैला कच्चा तेल और टूटे शीशे–सब कुछ एक सुनियोजित नाटक था, जिसके पीछे छिपी थी 65 लाख की विदेशी शराब की तस्करी। मगर बेनीवाल की पैनी नजरों और तकनीकी जांच ने झूठ की परतें उधेड़ दीं। बंद किया गया जीपीएस, बदले गए रास्ते और गुमराह करने वाले बयान भी अपराधियों को बचा न सके। देवाशीष ने दिखा दिया कि कानून की नजर, झूठ के सबसे चालाक पर्दे भी भेद सकती है।

एसडीएम दुद्धी से अनपरा व्यापार मंडल ने लगाई न्याय की गुहार अनपरा बाजार महावीर चौक पर नाली निर्माण का मामला

सोनभद्र द डेस्प्रिंग हिंदी दैनिक, सोनभद्र थाना अनपरा परिक्षेत्र में जन उद्योग व्यापार संगठन ने एसडीएम दुद्धी को पत्र लिखकर अनपरा बाजार के महावीर चौक पर स्वतंत्र कटरा के सामने नाली निर्माण के आड मे जमीन कब्जा करने के मामले मे न्याय की गुहार लगाई है जन उद्योग व्यापार संगठन के व्यापार मंडल अध्यक्ष गोपाल चौरसिया ने उप जिलाधिकारी को लिखे पत्र मे कहा है कि अनपरा बाजार में बढ़ते अतिक्रमण के कारण बाजार का व्यवसाय जहाँ बुरी तरह प्रभावित हो रहा है वही अनपरा नगर पंचायत अध्यक्ष विश्राम प्रसाद बैसवार के स्वतंत्र कटरा के सामने खाली पड़ी जमीन को नाली निर्माण के आड़ मे कब्जा करना व्यापारियों के साथ न्याय संगत नहीं है उन्होंने कहा कि जहाँ पुरानी नाली जो विगत 40 वर्षों से अस्तित्व में है और दुकानों की बार्डर लाइन है उससे दस मीटर आगे आकर नाली निर्माण कराया जाना साफ साफ प्रतीत हो रहा है कि बाजार के प्रमुख चौराहा को संकुचित करना है ' इस जमीन पर सरकारी धन का दुरुपयोग नगर पंचायत अध्यक्ष अपने स्वार्थ हित में कर रहे है जो जनहित में नहीं होने से व्यापारियों से भारी आक्रोश व्याप्त है। कहा कि महावीर चौक अनपरा बाजार की हृदयस्थली है। उक्त स्थान पर महावीरी झंडा महोत्सव, होलिका दहन, शारदीय नवरात्र में गंगा आरती जैसे कई बड़े आयोजन समय समय पर होते रहते हैं। उक्त नाली के बनने से ये सारे आयोजन बाधित होंगे। अगर नाली निर्माण कराना ही है तो पुरे बाजार में नई नाली का निर्माण कराया जाये।

नगर पंचायत अनपरा वार्ड नंबर 16 में हुआ बड़ा खेला

-बगैर खड़ंजा उखाड़े ही सीसी रोड का निर्माण का निर्देश अनपरा नगर पंचायत को कौन दिया

-8 इंच की पीसीसी बगैर किए ही ईंट खड़ंजा पर 6 इंच न कर 2 इंच ढलाई कर लाखों रुपयों के आर्थिक अपराध

सोनभद्र, सोनभद्र थाना अनपरा परिक्षेत्र के नगर पंचायत अनपरा के वार्ड नंबर 16 में पहले से ही बनी अनपरा तापीय परियोजना के भूमि पर खड़ंजा का निर्माण किया गया था अनपरा ग्राम प्रधान अनपरा के कार्यकाल में वर्तमान में वार्ड नंबर 16 में उसी खड़ंजा पर बगैर खड़ंजा उखाड़े ही उस पर सीसी रोड का निर्माण कर दिया गया है। नगर पंचायत अनपरा के जे ई, ईओ अथवा सीजीएम अनपरा से आदेश प्राप्त किया था कि नहीं। खड़ंजा निर्माण के ऊपर ही बगैर 8 इंच पीसीसी के ही उसी खड़ंजा पर सीसी रोड़ का निर्माण कर दिया गया है, सूत्रों के अनुसार सबसे पहले 8 इंच पीसीसी होना चाहिए मगर पीसीसी का कार्य न कर सीधे सीसी रोड़ का निर्माण कर दिया गया हैं। मिली जानकारी के अनुसार 6 इंच की सीसी का कार्य होना चाहिए था मगर कही दो इंच तो कही तीन इंच ही सीसी रोड़ का निर्माण किया गया हैं। बड़े पैमाने आर्थिक अपराध हुआ है ।भ्रष्टाचार की सारी हदे पार करने मे अव्वल उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी नगर पंचायत मे शामिल अनपरा नगर पंचायत मे विकास कार्यों की आड़ मे जबरदस्त भ्रष्टाचार की परते खुल रही है ताजा मामला वार्ड नंबर 16 तिलक नगर सीसी रोड का है जहाँ ग्राम सभा के खड़ंजे पर 6 इंच के जगह दो इंच ढलाई कर लाखो रुपए का भ्रष्टाचार किया गया है ' उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी नगर पंचायत मे शामिल अनपरा नगर पंचायत के वार्ड नंबर 16 तिलक नगर मे अनपरा परियोजना की भूमि पर लगभग 70 लाख रुपए से 200 मीटर सीसी सड़क विगत कुछ माह पूर्व ग्राम सभा द्वारा बिछाये गए खड़ंजे पर ढलाई कर लाखो रुपए का भ्रष्टाचार सविदाकार द्वारा किया गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जब यह कार्य हो रहा था तो मौके पर कार्य देख रेख करने वाला जे ई मौका पर थे कि नहीं। यदि नहीं थे तो बगैर जे ई के देखरेख में ही ठेकेदार कार्यों को गुणवत्ता विहीन और बिल ऑफ क्वांटिटी में चोरी बड़े पैमाने पर की गई है ।आलम यह है कि विगत दो माह पूर्व उक्त नव निमार्णाधीन सड़क बनने के भीतर ही जगह जगह जहाँ क्रेक हो गई है वही निम्नगुणवत्ता कि गिट्टी और बालू सहित सीमेंट उखड़ने लगी है ' यह वही सड़क है जो अनपरा परियोजना प्रबंधन के मना करने के बाद भी सविदाकार ने रात के अँधेरे मे बनाई है लोगो की माने तो सड़क निर्माण के समय नागरिकों ने घटिया निर्माण की शिकायते की थी पर सरकारी धन के बंदरबाट के लिए सविदाकार और ईओ सहित अध्यक्ष ने शिकायतों को अनसुना कर दिया था ' नागरिकों का कहना है कि अनपरा नगर पंचायत मे ऐसी कई सड़के बनाई जा रही है जो मानक के विपरीत है और कई बनकर टूटने भी लगी है ' इस सम्बन्ध मे अनपरा नगर पंचायत के अवर अभियंता अखिलेश चतुवेर्दी ने कहा कि जांच कर कार्रवाई की जाएगी '

अध्यात्म-विज्ञान चिंतनह्व श्रृंखला का शुभारंभ – यशपाल यश के जीवन अनुभवों से मोक्षदायिनी विचार यात्रा

जयपुर। राजस्थान सरकार के अधिस्वीकृत पत्रकार, लेखक, एडवोकेट एवं ओउमाश्रय सेवा धाम शिव विहार कॉलोनी मुहाना के संस्थापक यशपाल ह्ययशह्व ने अपने सात दशकों के जीवन अनुभवों के आधार पर अध्यात्म–विज्ञान चिंतन शीर्षक से एक नई विचार श्रृंखला का आरंभ किया है। इस श्रृंखला में यशपाल यश ने बताया कि अध्यात्म और विज्ञान जीवन की दो पटरियां हैं, जिन पर चलकर मानव मोक्ष के लक्ष्य तक पहुंच सकता है। उनके अनुसार, विज्ञान बिना अध्यात्म के विनाशकारी बन जाता है, जबकि अध्यात्म बिना विज्ञान के भाग्यवादी, निष्क्रिय और पाखंडी बना देता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में मानवता इन दोनों के असंतुलन के कारण भय, लोभ, मोह, क्रोध और अहंकार जनित अशांति में उलझी हुई है। जब अध्यात्म और विज्ञान का संतुलन साधा जाता है, तभी मानव स्थायी सुख, शांति और आनंद की अनुभूति करता है। विचार श्रृंखला के प्रथम अंक में उन्होंने शरीर और पंचतत्वों की वैज्ञानिक तथा आध्यात्मिक व्याख्या करते हुए बताया कि यथा पिण्डे तथा ब्रह्माण्डे – अर्थात जैसे ब्रह्माण्ड पाँच तत्वों (अग्नि, वायु, पृथ्वी, जल और आकाश) से बना है, वैसे ही मानव शरीर भी उन्हीं तत्वों का बना रूप है। मृत्यु के बाद शरीर इन्हीं पंचतत्वों में विलीन हो जाता है। यशपाल यश ने आगे बताया कि ऋग्वेद के प्रथम मंत्र ह्लअग्निमीडे पुरोहितंह्व के माध्यम से अग्नि को न केवल भौतिक ऊर्जा और प्रकाश का स्रोत बताया गया है, बल्कि ईश्वर के ज्ञानस्वरूप नाम के रूप में भी वर्णित किया गया है। उन्होंने बताया कि यह श्रृंखला आगे निरंतर जारी रहेगी, जिसमें अध्यात्म और विज्ञान के गूढ़ संबंधों को सरल और व्यावहारिक रूप में समझाया जाएगा। इन विचारों पर चर्चा हेतु इच्छुक व्यक्ति यशपाल यश से उनके व्हाट्सएप नंबर 9414360248 पर संपर्क कर सकते हैं।

शरद पूर्णिमा महोत्सव पर भजन कीर्तन का आयोजन हुआ जॉन के नारायण मंदिरमें

सीकर। नरेश सैन, फतेहपुरी गेट स्थित श्री जानकी नारायण जी के मंदिर में शरद पूर्णिमा महोत्सव 6 अक्टूबर को आयोजित किया गया। मंदिर के महंत लक्ष्मणाचार्य जी महाराज ने बताया कि 6 अक्टूबर को शाम 7:00 बजे आरती हुई। इसके बाद शाम 7:30 बजे से खीर का प्रसाद

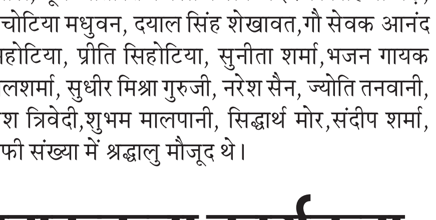

वितरण किया गया। सुनीता शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर प्रसिद्ध भजन गायक संतोष खंडेलवाल, पूर्व अतिरिक्त जिला कलक्टर ईश्वर सिंह राठौड़, विनोद दाधीच, दिनेश चोटिया मधुवन, दयाल सिंह शेखावत, गौ सेवक आनंद सिहोटिया, रोहित सिहोटिया, प्रीति सिहोटिया, सुनीता शर्मा, भजन गायक वंदना राठौड़, दीनदयालशर्मा, सुधीर मिश्रा गुरुजी, नरेश सैन, ज्योति तनवानी, सरिता पेससानी, उमेश त्रिवेदी, शुभम मालपानी, सिद्धार्थ मोर, संदीप शर्मा, सुरेश शर्मा सहित काफी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

शक्तिनगर पुलिस ने चोरी के दो आरोपी को 210 लीटर डीजल के साथ किया गिरफ्तार

सोनभद्र द डेस्प्रिंग हिंदी दैनिक सोनभद्र थाना शक्तिनगर पुलिस ने आज दिनांक 6.10.2025 दिन सोमवार को थाना शक्तिनगर पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर कृष्ण रेलवे स्टेशन के पास एक पुलीया पर चेकिंग के दौरान एक दद बोलेरो वाहन संख्या यूपी 64 अे 4198 से ले जा रहे चोरी के 210 लीटर डीजल बरामद कर दो अभियुक्त को गिरफ्तार किया जो एनसीएल बीना खदान से संबंधित है जिसके विषय में शक्ति नगर थाना में पंजीकृत मुकदमा संख्या 157/27 धारा 303(२) बीएनएस का अभियोग पंजीकृत किया गया था। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध अन्य विधिक कार्यवाही हेतु न्यायालय भेजा गया । इन अभियुक्तों के नाम अमरजीत पुत्र शिवराज उम्र 35 वर्ष निवासी पारसी थाना अनपरा व अंकुश पुत्र लल्लू प्रसाद उम्र 21 वर्ष निवासी कौवा नाल थाना अनपरा जिला सोनभद्र के निवासी बताए जाते हैं। इन अभियुक्तों की गिरफ्तारी करने वाले पुलिस टीम में उप निरीक्षक जितेंद्र सरोज चौकी प्रभारी बीना, कांस्टेबल संजय सरोज चौकी बिना थाना शक्ति नगर मुख्य रूप से शामिल रहे ।

कांति कपूर बालिका स्कूल में सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम: कोतवाली प्रेमनगर पुलिस ने दिए हेल्पलाइन नंबर

(अनुभव मोहन सक्सेना ब्यूरो बरेली) बरेली महिला सुरक्षा और बाल संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हुए प्रेमनगर पुलिस ने थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर एक व्यापक जागरूकता अभियान चलाया। इस पहल की शुरूआत कांति कपूर बालिका सरस्वती विद्या मंदिर से हुई, जहाँ बालिकाओं और शिक्षिकाओं के लिए सुरक्षा और सशक्तिकरण पर केंद्रित एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

स्कूल, बाजार और मंदिरों में सुरक्षा जागरूकता

पुलिस दल ने न केवल स्कूल में छात्राओं को सुरक्षा के महत्व को समझाया, बल्कि इसके अतिरिक्त प्रेमनगर थाना क्षेत्र के बाजारों और मंदिरों जैसे भीड़-भाड़ वाले इलाकों में भी महिलाओं और बच्चों को महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। वरिष्ठ उप निरीक्षक रामपाल सिंह, उप निरीक्षक प्रणव चौधरी, उप निरीक्षक आरती चौधरी, और महिला आरक्षी अर्चना समेत पुलिस दल ने लोगों को इन हेल्पलाइन नंबरों का उपयोग करने का तरीका समझाया: 1090: महिला पावर हेल्पलाइन (छेड़छाड़ या उत्पीड़न की शिकायत के लिए) 112: आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली (पुलिस, फायर, और मेडिकल इमरजेंसी के लिए) 1098: चाइल्ड हेल्पलाइन (बच्चों से संबंधित किसी भी खतरे या शोषण की सूचना के लिए)

1930: साइबर क्राइम हेल्पलाइन (ऑनलाइन धोखाधड़ी या साइबर उत्पीड़न की शिकायत के लिए)

पुलिस टीम ने जोर देकर कहा कि महिलाएं और बच्चे निडर होकर इन नंबरों का इस्तेमाल करें ताकि उन्हें तत्काल सहायता मिल सके। पुलिस का यह व्यापक जागरूकता अभियान महिला सुरक्षा के प्रति उनकी गहन प्रतिबद्धता को दशार्ता है, जिससे जनता में विश्वास मजबूत हुआ है।

संपादकीय

कौन है नीतिनिष्ठ व्यक्ति?

सदाचार एक व्यापक और सार्वभौम तत्व है। देशकाल की सीमाएं इसे न तो विभक्त कर सकती हैं और न इसकी मौलिकता को नकार सकती हैं। जिस प्रकार सूर्य का प्रकाश सबके लिए होता है, उसी प्रकार सदाचार के मूलभूत तत्व मानव मात्र के लिए उपयोगी होते हैं। कुछ व्यक्ति अपने राष्ट्र, कुल या परंपरागत आचार को विशेष महत्व देते हैं, किंतु यह अपनेपन का व्यामोह है। जो कुछ मैं कर रहा हूं, वह सदाचार है, इस धारणा की अपेक्षा व्यक्ति को ऐसी धारणा सुदृढ़ करनी चाहिए कि जो सत् आचरण है, वह मेरे लिए करणीय है। सदाचारी व्यक्ति नीतिनिष्ठ होता है। वह किसी भी स्थिति में नीति के अतिप्रमण को अपनी स्वीकृति नहीं दे सकता। नीतिनिष्ठ व्यक्ति को परिभाषित करते हुए कहा गया है- जिस व्यक्ति में अभय, मृदुता, सत्य, सरलता, करुणा, धैर्य, कर्तव्यनिष्ठ और व्यक्तिगत संग्रह का संयम और प्रामाणिकता होती है, वह नीतिमान कहलाता है। जो व्यक्ति सत्य के प्रति समर्पित होता है, अन्याय का प्रतिकार करते समय भयभीत नहीं होता, अपनी भूल ज्ञात होने पर उसे स्वीकार करने में संकोच नहीं करता और कठिनतम परिस्थिति का मुकाबला करने के लिए तैयार रहता है, वह अभय का साधक होता है। कोमलता का नाम मृदुता है। यह सामूहिक जीवन की सफलता का सूत्र है। इसके द्वारा व्यक्ति के जीवन में सरसता आती है। मृदु स्वभाव में लोच होती है, इस स्वभाव वाला व्यक्ति किसी भी वातावरण को अपने अनुकूल बना लेता है। सत्य का अर्थ है यथार्थता। जो तथ्य जैसा है उसे वैसा ही जानना, मानना, स्वीकार करना और निभाना सत्य है। सत्य की साधना कठिन अवश्य है, पर है आत्मतोष देने वाली। आर्जव सरलता का पर्यायवाची शब्द है। सरलता सदाचार की आधारभूमि है। इसी उर्वरा में सदाचार की पौध फलती-फूलती है। मायावी व्यक्ति कभी सदाचारी नहीं हो सकता। करुणा सदाचार का मूल है। जिस व्यक्ति के अंतःकरण में करुणा नहीं होती, वह अहिंसा के सिद्धांत को समझ नहीं सकता। अहिंसा के बिना समता का विकास नहीं होता।

भारत को अपने समुद्री सीमा को अधिक मजबूत करना होगा

संजय गोस्वामी

भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के निर्णायक सैन्य जवाब के रूप में 07 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। कश्मीर में 22 अप्रैल के आतंकवादी हमले में एक नेपाली नागरिक सहित 26 निर्दोष लोगों की जान चली गई। ऑपरेशन सिंदूर के तहत, भारतीय सशस्त्र बलों ने पीओके और पाकिस्तानी क्षेत्र में 9 आतंकी स्थलों को निशाना बनाया,मई 2025 में पाकिस्तान के साथ भारत का हमला ऑपरेशन सिंदूर से वायु क्षेत्र में भारत की शक्ति में वृद्धि हुआ, इसलिए भारत ने पुराने मिग 21 विमान को अलविदा कर दिया बाद के घटनाक्रमों का ध्यान समुद्री क्षेत्र की ओर मोड़ दिया है, जैसा कि भारत और पाकिस्तान दोनों की प्रमुख नौसैनिक गतिविधियों, क्षमता और आधिकारिक बयानों में देखा जा सकता है, जहाँ उनकी नौसेनाएँ अपनी स्थिति में सुधार कर रही हैं और युद्ध से निपटने के लिए तैयारी का संकेत दे रही हैं। 2 अक्टूबर को, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 1965 के युद्ध का हवाला देते हुए, पाकिस्तान को एक तीखी प्रतिक्रिया की चेतावनी दी, जो भारत में किसी तरफ के आतंकवादी घटना में पाकिस्तान द्वारा किसी भी दुस्साहस की स्थिति में उसके इतिहास और भूगोल को बदल सकती है लेकिन पाकिस्तान समुद्री क्षेत्र में सैन्य बुनियादी ढाँचे का विस्तार कर रहा है, यह एक ऐसा विकास है जो 2023 से जारी है। ऐतिहासिक रूप से, पाकिस्तान को इस क्षेत्र में एक सैन्य बढ़त हासिल रही है। यह अगस्त में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी द्वारा दिए गए उस बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि भविष्य में किसी भी संघर्ष में पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई करने वाली नौ सेना पहली सेना होगी।नौसेना से जुड़ी हाल की खबरें बताती हैं कि भारत ने अपना पहला स्वदेशी 3डी निगरानी रडार लांजा-एन प्राप्त किया है, जो हवाई और सतह के लक्ष्यों का पता लगा सकता है। साथ ही, नौसेना को दो आधुनिक स्टील्थ फ्रिगेट, आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस हिमगिरि को भी शामिल किया गया है, जिससे उसकी शक्ति में वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त, भारतीय नौसेना ने सफलतापूर्वक वर्टिकल लॉन्च शॉर्ट रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल का परीक्षण किया, जो हवाई खतरों से निपटने में सक्षम है। ऑपरेशन सिंदूर में नौसेना की स्थिति को देखते हुए यह डिज़ाइन किया गया है स्वदेशी रूप से डिज़ाइन किए गए पहले युद्ध पोत, आईएनएस निस्तार का शामिल होना और दक्षिण चीन सागर में फिलीपींस के साथ भारत का पहला संयुक्त गश्ती दल की क्षमता व युद्ध पोत का निर्माण और हिंद-प्रशांत महासागर में में उसकी तैनाती दोनों को दर्शाता है, कि भारत की महासागर में पकड़ मजबूत है लेकिन पाकिस्तान भी जहाँ कराची और ग्वादर में चीन की उपस्थिति चिंता जनक है। पाकिस्तान ने अपने समुद्री सिग्नलिंग को हाल ही भी मजबूत किया है। मई में, उसने युद्ध में समुद्री आक्रमण से बचने के लिए कराची से ग्वादर तक समुद्र में युद्ध पोत की अपनी तैनाती बढ़ा दीं है । तब से, चीन द्वारा निर्मित हैंगोर श्रेणी की पनडुब्बी, पीएनएस मैंग्रो का प्रक्षेपण किया है और घरेलू स्तर पर विकसित पी282 जहाज से प्रक्षेपित करने वाला बैलिस्टिक मिसाइल का प्रदर्शन किया है। इसके बाद भारत ने नोटिस टू एयरमैन को जारी किया जाता है जब हवाई यातायात की आवाजाही एक निश्चित अवधि के लिए प्रतिबंधित होती है। , कई , मिसाइल का भी परीक्षण किया और लाइव-री अभ्यास भी हुए हैं – कभी-कभी केवल 60 समुद्री मील की दूरी पर – जिससे अरब सागर में अलर्ट और परिचालन का एक चक्र बना रहा है । नौसेना सिग्नलिंग का महत्व ऑपरेशन सिंदूर के बाद नौसेना की गतिविधियों में वृद्धि एक बुनियादी सवाल उठाती है कि क्या ये समानांतर अभ्यास केवल नियमित गतिविधियाँ हैं या नौसेना क्षेत्र में भारत-पाकिस्तान निरोध समीकरण में बदलाव का संकेत देने वाला एक सुनियोजित बल प्रदर्शन है। इसका उत्तर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि मौजूदा संकट, हालाँकि हवाई क्षेत्र में हल हो गया है, लेकिन समुद्र में रणनीतिक अनिश्चितता का एक अवशेष छोड़ गया है। ऐसा प्रतीत होता है कि भारत और पाकिस्तान अपनी नौसैनिक स्थिति को नए सिरे से तैयार कर रहे हैं, न केवल प्रतिरोध के लिए, बल्कि इस संभावना के लिए भी तैयारी कर रहे हैं कि टकराव का अगला चरण समुद्री क्षेत्र में सामने आ सकता है। इस बदलाव को क्षमताओं के व्यापक संतुलन के संदर्भ में भी समझा जाना चाहिए। वायु क्षेत्र की तरह, समुद्री संतुलन को अब 1999 में कारगिल युद्ध में जीत मिली लेकिन समुद्र में उसकी शक्ति की कम थी जब 1971 में भारत पाकिस्तान युद्ध में जिस तरह अमेरिका के युद्ध पोत जंग में भारत के लिए खतरा बना था जिसे रूस के युद्ध पोतों ने टाला था और भारत विजय हुआ लेकिन 26/11/08 में समुद्री मार्ग से पाकिस्तान के आतंकवादी का घुसना और मुंबई में कत्लेआम मचाना भी समुद्री मार्ग एक कमजोर कड़ी के रूप में देखा जाता है । भारत की नौ सेना की ताकत कम नहीं है, लेकिन उसकी नौसैनिक क्षमता अब पुरानी होती जा रही है, जिससे आधुनिकीकरण की चिंताएँ बढ़ रही हैं। पाकिस्तान लगातार अपनी क्षमताओं का विस्तार कर रहा है, चीन द्वारा डिज़ाइन की गई पनडुब्बियों और तुर्की से बाबर श्रेणी के कोरवेट को शामिल कर रहा है। उन्नत रडार, इलेक्ट्रॉनिक युद्धक उपकरणों और बहुमुखी वायु-रोधी और सतह-रोधी हथियारों के साथ, ये संपत्तियाँ महत्वपूर्ण हैं। इस बदलाव को स्वीकार करते हुए, भारत के नौसेना प्रमुख ने पाकिस्तान की नौसेना की शक्ति में आश्चर्यजनक वृद्धि की ओर भी इशारा किया था। हालाँकि भारत की बढ़त अभी भी बनी रह सकती है, लेकिन यह अंतर कम होता जा रहा है, जिससे हिंद महासागर में निर्विवाद प्रभुत्व की धारणाएँ और भी जटिल हो रही हैं। कुल मिलाकर, ये घटनाएँ तीन कारणों से महत्वपूर्ण हैंः तनाव नियंत्रण, बाहरी हस्तक्षेप और दोनों पक्षों के बदलते सिद्धांत। पहला, समुद्र में तनाव नियंत्रण कहीं अधिक कठिन है। हवाई झड़पों के विपरीत, जिन्हें संतुलित करके पीछे हटाया जा सकता है, किसी भी नौसैनिक मुठभेड़ (जहाज पर जहाज या जमीन पर जहाज) में युद्ध की दहलीज पार करने का जोखिम अधिक होगा। 1971 की यादें, जब भारतीय नौसैनिक अभियानों ने संघर्ष को निर्णायक रूप से बदल दिया था, अतिरिक्त संवेदनशीलता जोड़ती हैं - यहाँ तक कि सीमित समुद्री कार्रवाई भी पाकिस्तान की रणनीतिक कल्पना में अस्तित्व के जोखिम से जुड़ी है। तब से, पाकिस्तान की मुख्य समुद्री चिंता भारतीय नौसैनिक अभियानों के प्रति अपनी कमज़ोरी की पुनरावृत्ति को रोकना रही है, जो पहुँच-रोधी/क्षेत्र-निषेध क्षमताओं की खोज और निषेध द्वारा निवारण की ओर उन्मुख सिद्धांत की क्रमिक अभिव्यक्ति में दिखाई देती है। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के ढाँचे के तहत ग्वादर के विकास को भी इसी निवारण तर्क के अंतर्गत समझा जाना चाहिए। पाकिस्तान के निर्णयकर्ता लंबे समय से कहते रहे हैं कि ग्वादर की उत्पत्ति बीजिंग की बजाय इस्लामाबाद की अपनी रणनीतिक गणनाओं में निहित है। इस प्रकार, ग्वादर और कराची केवल आर्थिक केंद्र ही नहीं हैं - वे भारत के लिए एक मनोवैज्ञानिक दबाव भी हैं। इस पृष्ठभूमि में, यदि भविष्य में भारतीय नौसेना को प्रत्यक्ष अभियानों में शामिल किया जाता है, तो युद्ध के अलावा अन्य किसी भी दबाव की गुंजाइश काफी कम हो जाएगी, और भारत को पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी की उपस्थिति और उसके दांव पर भी विचार करना होगा। ऐतिहासिक रूप से,पीपुल्स लिबरेशन आर्मी की मुख्य भूमिका नौसेना के युद्धपोतों को हवाई सुरक्षा कवरेज प्रदान करना रही है। तटीय रक्षा सिद्धांत का एक हिस्सा नौसैनिक विमानों द्वारा जहाजों की सुरक्षा करना था, यही कारण है कि 1960 और 70 के दशक के कई पीपुल्स लिबरेशन आर्मी जहाजों में लंबी दूरी की विमान-रोधी मिसाइलों या तोपखाने का अभाव था। दूसरा, दोनों पक्षों द्वारा समानांतर अभ्यास और मिसाइल परीक्षण अलग-अलग अभ्यासों से कहीं अधिक को प्रतिबिंबित कर सकते हैं, जो इस ओर इशारा करते हैं और जानबूझकर किए गए प्रयास तैयारी प्रदर्शित करने और विरोधी के योजना चक्र को जटिल बनाने के लिए न हो । पाकिस्तान ने इस बात पर जोर देने की कोशिश की है कि उसकी नौसेना अब 1971 जैसी कमज़ोर ताकत नहीं रही और वह समुद्री क्षेत्र में भारतीय परिचालन योजना को जटिल बनाने और दबाव को रोकने के लिए तैयारी का संकेत दे रही है।

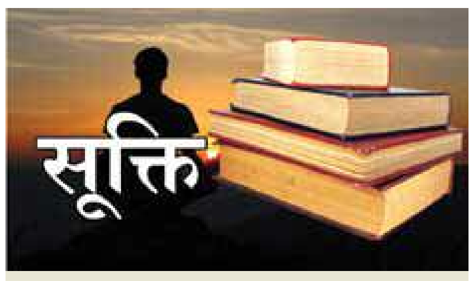

कर्म की उत्पत्ति विचार में है, अतः विचार ही महत्त्वपूर्ण हैं।

- साई बाबा

जीवन की भाग-दौड़ तथा उथल-पुथल में अंदर से शांत बने रहें।

- दीपक चोपड़ा

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, आश्विन शुक्ल पक्ष, शरद ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्व तिथी, 15 मंगलवार, रेवती नक्षत्रे, घरु योगे, वव करणे, मीन की चंद्रमा, स्नानदान पूर्णिमा, कार्तिक स्नानदान, यम नियम आरंभ पंचक समाप्त रात्रि 3/28 तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी|

आज जन्म लिए बालक का फल.......

आज जन्म लिया बालक उत्तम वृत्ति वाला, कम्प्यूटर इंजीनियर, प्रोफेसर, बैंक कर्मचारी, कैशियर, अकाउंटेंट, लेखक, कवि, योगी-भोगी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक होगा।

मेष राशि :- आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, धन लाभ होगा, बिगड़े कार्य अवश्य ही बनेंगे ध्यान अवश्य दें।

वृष राशि :- विवादास्पद स्थिति सामने आयेगी, इष्ट मित्रों से तनाव बनेगा, समय स्थिति को ध्यान में रखकर आगे बढ़ें।

मिथुन राशि :- समय की अनुकूलता से लाभांवित होंगे, आशानुकूल सफलता से लाभ होगा, कार्य पर ध्यान दें।

कर्क राशि :- आर्थिक असमंजस रहेगा, विरोधियों से लाभ होगा किन्तु तनाव तथा मानसिक बेचैनी कष्टप्रद रहेगा।

सिंह राशि :- अशुद्ध गोचर रहने से विशेष कार्य स्थगित रखें, धन लाभ के अवसर मिलेंगे, विभ्रम की स्थिति रहेगी।

कन्या राशि :- समय की अनुकूलता से लाभांवित होंगे, वाद-विवाद से मन अस्थिर रहेगा, धैर्य से काम लें।

तुला राशि :- तनाव, क्लेश व अशांति की स्थिति रहेगी, विवाद की संभावना किन्तु अर्थ लाभ से कार्य सिद्धि होगी।

वृश्चिक राशि :- लेन-देन के मामले में हानि, विरोधी तत्व कष्टप्रद होंगे, मित्रों से क्लेश, कार्य सावधानी से करें।

धनु राशि :- सतर्कता से कार्य करें, इष्ट मित्र फलप्रद होगा, क्लेश व अशांति का वातावरण बनेगा, वाद-विवाद से बचें।

मकर राशि :- दैनिक कार्यगति में बाधा आयेगी, मन असमंजस में रहेगा, व्यर्थ की बातों से बचने का प्रयास करें।

कुंभ राशि :- प्रत्येक कार्य में बाधा से मन असमंजस में रहेगा, समय की अनुकूलता से लाभ लें, सोच-विचार कर निर्णय लें।

मीन राशि :- कुटुम्ब की चिन्तायें मन व्याग्र रखें, कार्य विफलत्व से परेशानी होगी, समय परिस्थिति को ध्यान में रखकर निर्णय लें।

महर्षि वाल्मीकिः जिनकी वाणी में बसती है सम्पूर्ण सृष्टि

योगेश कुमार गोयल

महर्षि वाल्मीकि जयंती (7 अक्तूबर) पर विशेष- अश्विन मास की पूर्णिमा के दिन 'रामायण' के रचयिता महर्षि वाल्मीकि के अनुपम संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रतिवर्ष महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाई जाती है और इस वर्ष वाल्मीकि जयंती 7 अक्तूबर को मनाई जा रही है। मान्यता है कि महर्षि वाल्मीकि के सम्मान में उनकी जयंती रामायण काल से ही मनाई जा रही है। इस अवसर पर देशभर में कई प्रकार के सामाजिक तथा धार्मिक आयोजन किए जाते हैं। सनातन धर्म के प्रमुख ऋषियों में से एक महर्षि वाल्मीकि द्वारा संस्कृत भाषा में लिखी गई रामायण को सबसे प्राचीन माना जाता है और संस्कृत के प्रथम महाकाव्य 'रामायण' की रचना करने के कारण ही उन्हें 'आदिकवि' के नाम से भी जाना जाता है। वाल्मीकि द्वारा लिखी गई मोक्षदायिनी रामायण आज भी समूचे विश्व में वेद तुल्य विख्यात है, जो 21 भाषाओं में उपलब्ध है और सनातन धर्म मानने वालों के लिए पूजनीय है। रामायण ने देश को सांस्कृतिक एकता के सूत्र में बांधने का बहुत महत्वपूर्ण कार्य किया। राष्ट्र की अमूल्य निधि रामायण का एक-एक अक्षर अमरता का सूचक और महापाप का नाशक माना गया है। वाल्मीकि का रामायण महाकाव्य ज्ञान-विज्ञान, भाषा ज्ञान, ललित कला, ज्योतिष शास्त्र, आयुर्वेद, इतिहास और राजनीति का केन्द्रबिन्दु माना जाता है। यह महाकाव्य श्रीराम के जीवन के माध्यम से जीवन के सत्य और कर्तव्य से परिचित कराता है। रामायण में जिस प्रकार महर्षि वाल्मीकि ने कई स्थानों पर सूर्य, चंद्रमा तथा नक्षत्रों की सटीक गणना की है, उससे स्पष्ट है कि वे ऐसे परम ज्ञानी थे, जिन्हें ज्योतिष विद्या तथा खगोल शास्त्र का भी बहुत गहन ज्ञान था। रामायण को वैदिक जगत का सर्वप्रथम काव्य माना जाता है, जिसमें कुल चौबीस हजार श्लोक है। माना जाता है कि महर्षि वाल्मीकि ने ही इस दुनिया में पहले श्लोक की रचना की थी, जो संस्कृत भाषा का जन्मदाता है। विभिन्न पौराणिक कथाओं में वर्णित है कि महर्षि वाल्मीकि बनने से पहले उनका नाम रत्नाकर था, जो अपने परिवार का पेट पालने के लिए लोगों को लूटा करते थे। निर्जन वन में एक बार उनकी भेंट नारद मुनि से हुई तो नारद को बंदी बनाकर रत्नाकर ने उन्हें भी लूटने का प्रयास किया। तब नारद जी ने पूछा कि तुम ऐसा निंदनीय कार्य आखिर करते क्यों हो? रत्नाकर ने उत्तर दिया, अपने परिवार का पेट भरने के लिए। तब नारद मुनि जी ने उनसे पूछा कि जिस परिवार के लिए तुम इतने पाप कर्म करते हो, क्या वह तुम्हारे इस पाप कार्य में भागीदार बनने के लिए तैयार होंगे? इसका उत्तर जानने के लिए रत्नाकर नारद मुनि को पेड़ से बांधकर घर पहुंचे और एक-एक कर परिवार के सभी सदस्यों से पूछा कि मैं डाकू बनकर लोगों को लूटने का जो पाप करता हूं, क्या तुम उस पाप में मेरे साथ हो? परिवार के सभी सदस्यों ने कहा कि आप इस परिवार के पालक हैं, इसलिए परिवार का पेट भरना तो आपका कर्तव्य है, इस पाप में हमारा कोई हिस्सा नही है। सभी का एक ही उत्तर सुनकर रत्नाकर बहुत उदास हुए और नारद मुनि के पास पहुंचकर उनके पैरों में गिर पड़े। तब नारद मुनि ने रत्नाकर को सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने का ज्ञान दिया। रत्नाकर ने उनसे अपने पापों का प्रायश्चित करने का उपाय पूछा तो नारद मुनि ने उन्हें 'राम' नाम जपने की सलाह दी लेकिन रत्नाकर ने कहा कि मुनिवर! मैंने जीवन में इतने पाप किए हैं कि मेरे मुख से राम नाम का जाप नहीं हो पा रहा है। नारद मुनि ने उन्हें 'मरा-मरा' का जाप करने को कहा और इस प्रकार 'मरा-मरा' का जाप करते-करते रत्नाकर के मुख से अपने आप 'राम' नाम का जाप होने लगा। राम नाम में वह इस कदर लीन हो गए कि एक तपस्वी के रूप में ध्यानमग्न होकर वर्षों तक घोर तपस्या करने के कारण उनके शरीर पर चीटियों की बांबी लग गई। ऐसी कठोर तपस्या के बाद उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई और वे रत्नाकर से महर्षि वाल्मीकि बन गए। पौराणिक आख्यानों में यह उल्लेख भी मिलता है कि जब भगवान श्रीराम ने माता सीता का त्याग कर दिया था, तब माता सीता ने महर्षि वाल्मीकि के आश्रम में ही वनदेवी के नाम से निवास किया था और वहीं लव-कुश को जन्म दिया था, जिन्हें महर्षि वाल्मिकी द्वारा ज्ञान दिया गया। पहली बार सम्पूर्ण रामकथा लव-कुश ने ही भगवान श्रीराम को सुनाई थी। यही कारण है कि वाल्मिकी कृत रामायण में लव-कुश के जन्म के बाद का वृतांत भी मिलता है। बहरहाल, महर्षि वाल्मीकि के जीवन से यह सीख मिलती है कि जीवन की नई शुरूआत करने के लिए किसी खास समय या अवसर की आवश्यकता नहीं होती बल्कि इसके लिए आवश्यकता होती है केवल सत्य और धर्म को अपनाने की।

अब रावण नहीं सच जलता है

श्रुति व्यास

समय बहुत शोरगुल से भरा है, ख़ासतौर से धार्मिक अनुष्ठानों-पर्वो से। त्योहार अब केवल उल्लास-उमंग के नहीं रहे, वे अब अपनी पहचान के प्रदर्शन हैं। राष्ट्रवाद ने धर्म को ऐसी दूसरी खाल की तरह पहना है कि दोनों में भेद करना भी कठिन है। इस संगम को मैंने हाल में कागज़ और रंग में देखा। दिल्ली के तिलक नगर-टिटरपुर की पुतलों (द्र्द्धद्दद्दद्द4) की मंडी में,जिसे चाहें तो लंका का बाज़ार माने। सड़क किनारे हर आकार के रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण खड़े थे—विशालकाय पुतले, गुड्डे जैसे छोटे पुतले, चमकीली आँखों और दाँत दिखाती मुस्कुराहटों वाले चेहरे। गुलाबी, चाँदी और नारंगी की चमकती परतों में वे खेलपूर्ण-मनोरंजक लग रहे थे तो डरावने भी—जैसे सड़क किनारे कोई पौराणिक मेला सज गया हो। पर मेरी नज़र ठहर गई मूँछों पर। गहरी, लंबी मूँछें—कहीं एके-47 के चारों ओर लिपटी हुई, कहीं उन पर लिखा ऑपरेशन सिंदूर कामयाब। सो दशहरा भी राष्ट्रवाद की नई परत ओढ़ चुका है। सिफ़र् पौराणिक असुर रावण गी नहीं जलता, बल्कि नए दुश्मन और ताज़ा भिडंत के बतौर प्रतीक भी अब जलता है। इन पुतलों को बनाने वालों को सरकार ने नहीं आदेश दिया था कि वे ये नारे लिखें। पर जब मैंने एक कारीगर से पूछा तो उसने कंधे उचकाते हुए कहाः देश का मूड ऑपरेशन सिंदूर में चल रहा है। और वह ग़लत नहीं था। युद्ध के इस मौसम के बाद देश का मूड सचमुच इसी ऑपरेशन में डूबा है। इसे हमने तब और साफ़ देखा जब सरकार ने एशिया कप में भारत–पाकिस्तान मैच को हरी झंडी दी, लेकिन सड़क का मूड इसके उलट था—बहिष्कार की ओर। नारा वही गूँजता रहाः ख़ून और पानी साथ नहीं बह सकते। अब यह त्योहारों में भी उतर आया है। जब राष्ट्रीय मूड इतना आवेशपूर्ण हो, तो क्यों न रावण को भी उसके साथ रंग दिया जाए? पुतला जलाना अब अच्छाई पर बुराई की जीत नहीं, बल्कि सामूहिक ग़ुस्से को बाहर निकालने का एक लाइसेंस प्राप्त अवसर है। धर्म हमेशा प्रतीकों की भाषा देता रहा है। पर आज वे प्रतीक जानबूझकर राष्ट्रवाद की पटकथा में लिखे जा रहे हैं। यही चिंता है। यह दुर्घटना नहीं, यह सोची-समझी समाहिति है। और इसमें भय है, खतरा है। क्योंकि जब राजनीति राष्ट्रवाद में घुलती है, तब भी लगाम राज्य के हाथ में रहती है। लेकिन जब राष्ट्रवाद धर्म में घुल जाता है, तो वह अनियंत्रित हो जाता है। इतिहास गवाह है—भाषा, राष्ट्रवाद और धर्म—ये तीन हमेशा किसी समाज को आकार देने और उकसाने की सबसे मज़बूत शक्तियाँ रही हैं। क्योंकि वे सिफ़र् नियंत्रण से नहीं, बल्कि हम कौन हैं और हमें मिलकर क्या होना है—इस कहानी को गढ़ती हैं। धर्म अपने श्रेष्ठ रूप में आशा और एकजुटता ला सकता है। लेकिन जैसे ही उसे राष्ट्रवाद की सेवा में झोंक दिया जाता है तो वह भविष्य की ओर संकेत करना छोड़ देता है और समाज को स्थायी वर्तमान में जकड़ देता है—हमेशा सशंकित, आक्रामक, युद्धोन्मुख। हमने यह पैटर्न देखा है—नाज़ी जर्मनी में, जहाँ राष्ट्रवाद नस्ली धर्म बन गया और चर्च सत्ता के औज़ार। ईरान में, जहाँ इस्लामी गणराज्य ने धर्म को राजनीति की अकेली भाषा बना दिया। श्रीलंका में, जहाँ सिंहला-बौद्ध राष्ट्रवाद ने दशकों का रक्तपात कराया। और हमारे पड़ोस पाकिस्तान में, जहाँ राज्य पर सवाल उठाना इस्लाम पर सवाल उठाना है—और नतीजा असहिष्णुता तथा स्थायी दुश्मनी। तो क्या हम भी अब उसी राह पर बढ़ रहे हैं?

भारत अब अपने पड़ोसी जैसा होता जा रहा है। राम मंदिर का भूमिपूजन राष्ट्रवाद से इस तरह जोड़ा गया कि जिन छतों पर भगवा झंडा नहीं लहराया, वे राष्ट्रविरोधी कहलाए। कोविड के दौरान, दीया न जलाना आस्था का मामला नहीं रहा, बल्कि देशद्रोह बन गया। अब यह पटकथा और गाढ़ी हो गई है। नवरात्रि सिफ़र् व्रत और पूजन से नहीं आती, बल्कि आदेशों से—कसाईखानों को नौ दिन बंद रखने के आदेश जैसे। बीजेपी शासित राज्यों में बुलडोज़र दैवीय न्याय के औज़ार बन जाते हैं—मुस्लिम घर ढहाए जाते हैं, और बहुसंख्यक भीड़ इसे धर्म और राष्ट्रवाद के एक ही रंगमंच में देखती है। डिजिटल दुनिया में भी यही स्क्रिप्ट है। सोशल मीडिया पर नवरात्रि की डायरी और देवी के पोस्टों की बाढ़। एक स्तर पर यह सुखद लगता है—यह सबूत कि नई पीढ़ी उतनी अधार्मिक नहीं जितना कहा जाता है, कि आस्था अब भी साँस ले रही है। लेकिन इसके साथ असहजता भी है। क्यों आस्था को आज हैशटैग और सर्टिफिकेट चाहिए? क्यों नौ दिन के व्रत और सजे हुए मंदिरों को हर पोस्ट में दिखाना ज़रूरी है? क्यों हर पोस्ट पर जय श्रीराम की मोहर होनी चाहिए? यह श्रद्धा कम, घोषणा ज़्यादा लगती है। मानो हमें साबित करना हो कि हम भी उतने ही हिंदू हैं, और इसलिए उतने ही भारतीय, जितने प्रधानमंत्री—जो नवरात्रि के व्रत रखते हैं और व्यस्त कार्यक्रम के बीच भी दुर्गापूजा करने का समय निकाल लेते हैं। और अब बारी रावण की। यह संगम देशभक्ति नहीं, खोखला राष्ट्रवाद है। यह स्वतःस्फूर्त नहीं, मंचित है। त्योहार अब आस्था नहीं, बल्कि वफ़ादारी के प्रमाणपत्र हो गए हैं। संदेश साफ़ हैः भारतीय होना हिंदू होना है। जो कोई इस पटकथा से हटता है, वह एंटी-इंडिया है। लेकिन हर धार्मिक क्रिया को राष्ट्रवाद की कसौटी पर क्यों तोला जाए? धर्म एक निजी चुनाव है—वह एकमात्र जगह है जहाँ मनुष्य सचमुच स्वतंत्र हो सकता है। ईश्वर हमें जज नहीं कर रहे, न यह बता रहे कि हमें क्या करना है और क्या नहीं। आस्था का काम है अंतरात्मा को गढ़ना, न कि राज्य को चलाना। पर आज धर्म विश्वास से अधिक, एक मनुष्य-निर्मित प्रोग्राम बन गया है—जिसका मक़सद है अंतरात्मा की स्क्रिप्ट लिखना। वह कट्टर हो गया है—उग्र, अडिग। आज अगर आप इस स्क्रिप्ट का पालन नहीं करते—चाहे वह नेता लिखें या स्वयंभू बाबा—तो आपको सिफ़र् ईश्वर विरोधी नहीं, बल्कि भारत विरोधी कह दिया जाता है। महात्मा गांधी ने चेताया था कि जैसे ही धर्म राजनीति में खींचा जाता है, वह नैतिक शक्ति रहना छोड़ देता है और सत्ता का औज़ार बन जाता है। यही असली ख़तरा है। जो धर्म को हथियार बनाते हैं, वे खुद को राष्ट्र का रक्षक बताते हैं। और जो इस संगम पर सवाल उठाए, उसे ग़द्दार और विधर्मी करार दिया जाता है। देशभक्ति को हालांकि अनुष्ठानों से तौला नहीं जा सकता। फिर भी संदेश बार-बार गूँजता हैः भारतीय होने के लिए हिंदू होना ज़रूरी है। यह पटकथा दैवीय नहीं, डिज़ाइन की हुई है। जैसे टिटरपुर का रावण—जिसकी मूँछ पर युद्ध का नारा लिखा है—वैसे ही धर्म भी राष्ट्रवाद से रंगा जा रहा है। भारत की विडंबना यही है—हमने सिफ़र् एक पार्टी को सत्ता नहीं दी, बल्कि ऐसे लोगों को ऊँचाई दी है, सिर पर बैठाया है जिन्होंने सार्वजनिक जीवन से वे सभी तत्व निकाल दिए हैं जो हमें बाँधते थे—विचारधारा, विचार, आदर्श, मूल्य, नैतिकता। इसलिए धर्म को भी अब फिर से निजी क्षेत्र में लौटना चाहिए, न कि राष्ट्र का चेहरा बनना चाहिए। क्योंकि आज का रावण पौराणिक असुर की तरह नहीं जलता। वह दुश्मन की तरह जलता है—युद्ध के नारों से सजा हुआ, राष्ट्रवाद के रंगों में रंगा हुआ। और यही असली विडंबना हैः जब रावण को भी फिर से डिज़ाइन किया जाता है, तो हम पौराणिकता नहीं बचा रहे होते, बल्कि ग़ुस्से, संदेह और बहिष्कार के मूड को जला रहे होते हैं। गांधी ने चेताया था—जब धर्म राजनीति की सेवा करने लगे, तो सबसे पहले सच जलता है।

एसआईआर के कई सवाल अब भी अनसुलझे

अजीत द्विवेदी

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया पूरी हो गई है। चुनाव आयोग ने अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी है, जिसमें करीब सात करोड़ 42 लाख मतदाताओं के नाम हैं। एसआईआर शुरू होने से पहले बिहार में कुल मतदाताओं की संख्या सात करोड़ 89 लाख थी, जो अब घट कर सात करोड़ 42 लाख हो गई है। इस आधार पर कह सकते हैं कि सिर्फ 47 लाख नाम घटे हैं। लेकिन असल में करीब 69 लाख नाम कटे हैं। यह सात करोड़ 42 लाख की जो संख्या दिख रही है उसमें साढ़े 21 लाख नाम ऐसे हैं, जो नए जोड़े गए हैं। सो, चुनाव आयोग ने अपनी ओर से एसआईआर का काम पूरा कर दिया है। अगले कुछ दिन में एक पूरक सूची आ सकती है, जिसमें कुछ और नए नाम होंगे। लेकिन सवाल है कि क्या एसआईआर की प्रक्रिया पूरी होने से सारे सवालों के जवाब मिल गए? इसको लेकर जितने संदेह थे, सब दूर हो गए? क्या अब सुप्रीम कोर्ट में इससे जुड़ा मामला बंद हो जाएगा या वहां नए सवाल खड़े होंगे?

ध्यान रहे एसआईआर का मामला अभी सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। सर्वोच्च अदालत ने मतदाता के सत्यापन के एक दस्तावेज के तौर पर आधार को शामिल करने और जिन लोगों के नाम कटे थे उनके ऑनलाइन आवेदन लेने का जिस दिन आदेश दिया था उस दिन कहा था कि अगर गड़बड़ी मिली तो वह पूरी प्रक्रिया को रद्द कर देगी। पता नहीं अदालत की आगे की सुनवाई में क्या होगा लेकिन ऐसा लग रहा है कि एसआईआर की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद भी अनेक सवाल अनसुलझे रह गए हैं। इनका जवाब इसलिए जरूरी है क्योंकि चुनाव आयोग अब पूरे देश में एसआईआर की प्रक्रिया शुरू करने जा रहा है और पश्चिम बंगाल से लेकर केरल तक इसका विरोध तेज हो गया है। केरल में तो विधानसभा में सर्वसम्मति से एसआईआर के खिलाफ प्रस्ताव पास किया गया है। सो, कह सकते हैं कि एसआईआर की एक परीक्षा अभी और होनी है। बहरहाल, अब बिहार के एसआईआर के आंकड़े को देखने और उसके निहितार्थों को समझने की कोशिश करते हैं। चुनाव आयोग ने जुलाई के अंत में जो मसौदा सूची जारी की थी उसमें 7.24 करोड़ नाम थे और 65 लाख 64 हजार नाम काट दिए गए थे। उसको लेकर बड़ा विवाद हुआ लेकिन आयोग अपनी बात पर अड़ा रहा। आयोग ने कहा कि इसमें 22 लाख से कुछ ज्यादा लोग ऐसे हैं, जिनका निधन हो गया है, 36 लाख से कुछ ज्यादा लोग स्थायी रूप से शिफ्ट कर गए हैं और साढ़े छह लाख के करीब लोगों के नाम एक से ज्यादा जगहों पर थे। यह हिसाब था 65 लाख 64 हजार लोगों के नाम कटने का। अब नाम कटने का आंकड़ा 69 लाख का है। सवाल है कि साढ़े तीन लाख के करीब जो नए नाम कटे हैं, वह किन लोगों के हैं? चुनाव आयोग ने इनको नॉट रिकमेंडेड की श्रेणी में रखा था और नोटिस जारी किया था। चुनाव आयोग ने खुद ही बताया है कि बिना पक्ष सुने किसी का नाम नहीं काटा जाएगा। सो, जाहिर है कि इन साढ़े तीन लाख लोगों का पक्ष सुन कर इनका नाम काटा गया होगा। तो अब सवाल है कि इनके दस्तावेजों में क्या गड़बड़ी थी? क्या इनके पास आधार भी नहीं था? या आधार था लेकिन आयोग को उसकी प्रामाणिकता पर संदेह था?

ध्यान रहे अनेक लोगों की कहानियां आ रही हैं कि उनके पास सिर्फ आधार था और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के दम पर वे आधार के जरिए मतदाता बन गए। अगर साढ़े तीन लाख लोगों के पास आधार भी नहीं था या आधार था तो संदिग्ध था तो चुनाव आयोग ने उनका क्या किया? क्या आयोग ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को कोई जानकारी भेजी है? क्या उसने इन लोगों को संदिग्ध नागरिक की श्रेणी में रखा है? अगर ऐसा भी है कि बहुत से लोगों ने फॉर्म भरा और नोटिस आने के बाद गायब हो गए तो उनकी भी जानकारी निश्चित रूप से केंद्रीय गृह मंत्रालय की दी जानी चाहिए, क्या आयोग ने ऐसा किया है? इन सवालों के जवाब जरूरी हैं अन्यथा आगे जिन राज्यों में एसआईआर होगा वहां भी मसौदा सूची में नाम होने के बावजूद लाखों लोगों के नाम अंतिम सूची से बाहर हो जाएंगे और कोई कुछ नहीं कर पाएगा। बिहार में जिन साढ़े तीन लाख लोगों के नाम मसौदा सूची में होने के बावजूद कटे हैं या तो वे विदेशी व संदिग्ध नागरिक हैं और देश की सुरक्षा के लिए खतरा हैं या इसी देश के नागरिक हैं लेकिन किसी तकनीकी आधार पर उनका नाम काट कर उनको वोट देने के अधिकार से वंचित किया जा रहा है? ये दोनों स्थितियां चिंताजनक हैं। इसी से जुड़ा एक सवाल यह भी है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद चुनाव आयोग ने आधार को किस रूप में लिया? अगर किसी नागरिक की ओर से एकमात्र पहचान पत्र के तौर पर आधार पेश किया गया तो उसे आयोग ने उसके साथ कैसा व्यवहार किया? उसे सहज रूप से स्वीकार कर लिया गया या संदिग्ध बता कर किसी और दस्तावेज की मांग की गई? इस सवाल का जवाब भी इसलिए जरूरी है क्योंकि आगे जिन राज्यों में एसआईआर होगा वहां ज्यादातर लोग आधार ही पेश करेंगे। इसके अलावा एक सवाल यह है कि मसौदा सूची जारी होने के बाद चुनाव आयोग के सामने जो दावे और आपत्तियां आई थीं उनमें से कितने को और कैसे निपटाया गया? यह सवाल इसलिए है क्योंकि सुप्रीम कोर्ट तक एसआईआर का मुकदमा लड़ने वाले लोग बता रहे हैं कि आयोग के सामने जो आपत्तियां आई थीं उनमें 57 फीसदी ऐसी थीं, जिसमें लोगों ने अपना नाम काटने को कहा था। सवाल है कि ऐसा कैसे हो सकता है कि जिन लोगों ने मतगणना प्रपत्र भरा और मसौदा सूची में नाम आने के बाद खुद ही नाम कटवाने पहुंच गए? इसी तरह दावा किया जा रहा है कि सात सौ लोगों ने अपने को विदेशी बता कर नाम काटने को कहा। यह कैसे हो सकता है? उनका फॉर्म कैसे स्वीकार हुआ और किन दस्तावेजों के आधार पर हुआ? सबसे मजेदार दावा यह है कि 28 लोगों ने दस्तखत करके आपत्ति दर्ज कराई कि वे मर चुके हैं। क्या ऐसा होना संभव है?

एसआईआर की प्रक्रिया पूरी होने के बाद चुनाव आयोग की ओर से जारी अंतिम मतदाता सूची में 21.53 लाख लोगों के नाम जोड़े जाने की बात कही गई है। चुनाव आयोग ने कहा कि उसने 7.24 करोड़ की मसौदा सूची में से 3.66 लाख नाम और काटे, जबकि 21.53 लाख नाम जोड़े तो अब कुल संख्या 7.42 करोड़ हो गई। सवाल है कि जब खुद चुनाव आयोग ने एक सितंबर को दावे व आपत्तियां लेने की तारीख समाप्त होने के बाद कहा कि उसे 16.93 लाख नए नाम जोड़ने का आवेदन मिला है तो यह संख्या बढ़ कर 21.53 लाख कैसे हो गई? यह साढ़े चार लाख से ज्यादा नाम कहां से आए, जबकि आयोग ने कहा कि एक सितंबर के बाद कोई आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा? विपक्ष की ओर से लगाए जा रहे आरोपों और उठाई जा रही आशंकाओं को दूर करने के लिए इन सवालों के जवाब देना जरूरी है।

संगठन की मजबूती ही पार्टी की सफलता का आधार है- एआईसीसी पर्यवेक्षक-अनिल चौधरी

-संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय बैठक का हुआ आयोजन

धौलपुर विजय श्रीवास्तव द डेस्प्रिंग न्यूज, जिला कांग्रेस की जिला स्तरीय बैठक सैंपऊ रोड स्थित हिना रिसोर्ट में कांग्रेस की संगठन सृजन अभियान के तहत बैठक आयोजित हुई बैठक में दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष पूर्व विधायक अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी आईसीसी के पर्यवेक्षक अनिल चौधरी ने संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत समीक्षा एवं मार्गदर्शन प्रदान किया बैठक की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पंडित साकेत बिहारी शर्मा ने की अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पर्यवेक्षक अनिल चौधरी ने कहा कि बैठक का उद्देश्य पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाना तथा कार्यकताओं के बीच एकजुटता एवं सक्रियता को बढ़ावा देना था बैठक में संगठनात्मक मुद्दों पर गहन चर्चा की गई और आगामी रणनीतियों पर विचार विमर्श किया गया अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पर्यवेक्षक अनिल चौधरी ने संगठन सृजन अभियान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी ने जमीनी स्तर पर पहुंचकर संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया है उन्होंने बताया कि धौलपुर जिले में आगामी दिनों में विभिन्न ब्लॉक स्तरीय बैठकें आयोजित की जाएगी इन बैठकों के माध्यम से बूथ स्तर के कार्यकताओं से प्रत्यक्ष संवाद स्थापित किया जाएगा अनिल चौधरी ने कार्यकताओं को प्रेरित करते हुए कहा कि संगठन की मजबूत ही पार्टी की सफलता का आधार है हमें जमीन स्तर के हर कार्यकर्ता को जोड़ना होगा ताकि हमारी आवाज आम जनता तक पहुंच सके उन्होंने पार्टी के सिद्धांतों ,न्याय, समानता एवं सेवा को मजबूती से अपनानें पर बल दिया अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की पर्यवेक्षक अनिल चौधरी ने राजस्थान राज्य संगठन सृजन अभियान 2025 के अंतर्गत धौलपुर जिला कांग्रेस कमेटी की वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकताओं के साथ प्रेस वार्ता की और संगठन सृजन अभियान 2025 की जानकारी दी राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक विधायक इंदिरा मीणा ने कहा कि संगठन सृजन अभियान के तहत सभी पदाधिकारी एवं कार्यकताओं को एक जमीनी स्तर पर कार्य करना होगा उन्होंने राजनीतिक परिदृश्य पर चिंता जताते हुए कहा कि कांग्रेस कार्यकताओं को अब कमर खासकर मेहनत करनी होगी जिला प्रभारी राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक अजीत यादव ने अपनी संबोधन में कहा कि संगठन सृजन अभियान का मकसद जमीनी स्तर की हर कार्यकर्ता को जोड़ना है ताकि हमारी आवाज आम जनता तक पहुंच सके यह अभियान न केवल संगठन को मजबूत करेगा बोल के आम जानकी समस्याओं को हल करने में भी सहायक सिद्ध होगा राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक प्रदेश सचिव साजिद खान ने अपने संबोधन में कहा कि सभी पदाधिकारी कार्यकताओं को एकजुट होकर जमीनी स्तर पर कार्य करना होगा जिस से पार्टी और संगठन मजबूत हो सके जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पंडित साकेत बिहारी शर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया

वन्य जीव सप्ताह के तहत पीएम श्री बालिका विद्यालय की बालिकाओं ने जागरूकता रैली निकाली

नगराज वैष्णव

सादड़ी 6अक्टूबर। वन्यजीव सप्ताह के तहत स्थानीय पीएम श्री श्री धनराज बदामिया राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय सादड़ी व वन विभाग सादड़ी के संयुक्त तत्वावधान में जागरूकता रैली निकाली गई जो विद्यालय से प्रारंभ होकर नई आबादी गणेश चौक डाकघर सुथारो का बास पंचशील चौराहा होते हुए पुनः विद्यालय पहुंची। रैली के समापन पर सभी ने वन व वन्यजीव बचाने की शपथ ली। पीएम श्री योजना प्रभारी कन्हैयालाल ने बताया कि रैली को क्षेत्रीय वन अधिकारी जितेंद्र सिंह शेखावत व कार्यवाहक प्रधानाचार्य मधु गोस्वामी ने रवाना किया। वनपाल ईश्वर सिंह व वरिष्ठ अध्यापक मनीषा ओझा व कविता कंवर के निर्देशन में यह रैली नई आबादी गणेश चौक डाकघर सुथारो का बास पंचशील चौराहा होते हुए पुनः विद्यालय पहुंची जहां वनरक्षक सतीश प्रजापत, अजीत विश्नोई, रामेश्वर फिरौडा, राजकुमार बैरवा, संजय कुमार मेघवाल व बजरंग सिंह सहित सभी वन कार्मिकों व विद्यार्थियों ने वन व वन्यजीव बचाने की शपथ ली। रैली के दौरान विद्यार्थियों ने वन व वन्यजीव संरक्षण संवर्धन से संबंधी नारे लगाए जिससे राह चलते लोग भी रुक कर रैली को देखने लगे इस अवसर पर वीरम राम चौधरी रमेश सिंह राजपुरोहित मनीषा सोलंकी रमेश कुमार वछेटा सुशीला सोनी केना राम गजेन्द्र सिंह समेत समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

उल्लेखनीय है कि 2अक्टूबर से 8अक्टूबर तक प्रतिवर्ष वन्यजीव संरक्षण संवर्धन के प्रति जागरूकता विकसित करने के लिए वन्य जीव सप्ताह मनाया जाता है।

द वेट लॉस रिवोल्यूशन पुस्तक का पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने किया विमोचन

विजय श्रीवास्तव

द डेस्प्रिंग न्यूज

धौलपुर: जयपुर में प्रभा खेतान फाउंडेशन द्वारा एक कार्यक्रम में राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे ने जयपुर में डॉ. अम्बरीश मित्तल की पुस्तक द्यद वेट लॉस रिवोल्यूशनद्य का विमोचन किया। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने कहा कि देश में लगभग 60 फीसदी लोग है वी वेट एवं मोटापे से ग्रस्त है । वेट लॉस के लिए लोग ज्यादातर जिमो की तरफ रुख किए हुए हैं। निरंतर लोग जिमो में एक्सरसाइज कर रहे हैं दुनिया में 1 अरब से अधिक लोग मोटापे से ग्रस्त हैं और 1975 के बाद यह आँकड़ा तीन गुना बढ़ चुका है। भारत में लगभग 40% वयस्क अधिक वजन या मोटापे के शिकार हैं। शोध बताते हैं कि लगभग 80% लोग वजन घटाने के बाद कुछ वर्षों में लापरवाही के कारण उसे फिर बढ़ा लेते हैं।

वजन घटाना मंज़िल नहीं, बल्कि स्वस्थ, संतुलित और ऊजार्वान जीवन की शुरूआत है। चिंताजनक तथ्य यह भी है कि भारत के लगभग 15% बच्चे अधिक वजन वाले हैं, इसलिए स्कूल स्तर पर बच्चों को सही खान-पान और पोषण की शिक्षा देना समय की आवश्यकता है। आइए, हम सभी जागरूकता, अनुशासन और जीवनशैली में सुधार के माध्यम से स्वस्थ भारत के निर्माण का संकल्प लें।

सक्षिप्त समाचार

रानी /स्वदेशी रैली निकाली

नगराज वैष्णव, रानी - विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से प्रेरित आदर्श शिक्षा संस्थान बाली द्वारा संचालित आदर्श विद्या मन्दिर माध्यमिक रानी के भैया-बहिनो द्वारा रानी नगर में स्वदेशी रैली निकाली / भैया-बहिनो ने स्वदेशी अपनाओ देश बचाओ के नारे लगाये / प्रधानाचार्य गोविन्द वैष्णव ने स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने का आव्हान किया / इस अवसर पर उत्सव प्रभारी गोविन्द सिंह राठौड़ , भरत कुमार, गोविन्द राम मेघवाल, मदन लाल, सुरेन्द्र सिंह उदावत, गणेश राम, ओमपाल सिंह चारण , विकास गहलोत मौजूद थे/

संघ की 100 वर्ष पूर्ण होने पर सितारगंज में पूर्ण गणेश में हुआ कार्यक्रम

– सितारगंज में पूर्ण गणवेश में भव्य पद संचलन

सितारगंज (दीपक भारद्वाज) सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज सितारगंज का माधव बस्ती शाखा में पूर्ण गणवेश में भव्य पद संचलन का आयोजन किया गया, जिसमें नगर के प्रतिष्ठित व्यापारी और गणमान्य नागरिकों के साथ साथ विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ शिवेन्द्र कश्यप प्रोफेसर पंत नगर विश्व विद्यालय, श्री ज्ञानेन्द्र त्रिपाठी जिला सर संघ चालक व श्री अनिल गर्ग नगर संघ चालक रहे। डॉ शिवेन्द्र कश्यप जी ने संघ की स्थापना और उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संघ का कार्य समाज में सर्वग्राही, सर्वस्पर्शी और भेदभाव रहित समरसता, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी, स्वच्छता, राष्ट्र भक्ति, चरित्र निर्माण और भारत में प्राचीन संस्कृति संरक्षण में संवर्धन के प्रति समर्पित है ।संचलन विद्या मंदिर से तिरंगा चौक से खटीमा बाई पास से नंदा विहार कालोनी, सुखदेव सिंह कालोनी से पुरानी मण्डी से बाजार से संघ स्थल पहुंचा। मातृ शक्ति ने विभिन्न स्थानों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।

रामगढ़ आधार केंद्र में अव्यवस्था का खुलासा, ब्लॉक प्रोग्रामर ने मारी औचक दबिश।

-संचालक को फटकार, रिपोर्ट जाएगी जिला कार्यालय को।

रिपोर्टर/मनोज खंडेलवाल, महवा। नगरपालिका क्षेत्र के अंतर्गत संचालित रामगढ़ आधार केंद्र में सोमवार को सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की टीम ने औचक निरीक्षण कर कई गंभीर अनियमितताएं पकड़ीं। ब्लॉक प्रोग्रामर लवकेश मीना के नेतृत्व में हुई इस सख्त कार्रवाई के दौरान केंद्र पर आमजन की भारी भीड़, बैठने की अपर्याप्त व्यवस्था और रिकॉर्ड की अव्यवस्थित स्थिति सामने आई। बच्चों के आधार अपडेटेशन के नाम पर केंद्र पर मची अफरा-तफरी और अव्यवस्था से आमजन परेशान दिखे। सूचना प्रौद्योगिकी ब्लॉक महवा के प्रोग्रामर लवकेश मीना ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से रामगढ़ सहित कई केंद्रों की कार्यप्रणाली को लेकर सोशल मीडिया पर शिकायतें मिल रही थीं। इन शिकायतों की जांच के लिए किए गए इस निरीक्षण में पाया गया कि केंद्र पर व्यवस्था अत्यंत लचर है। उन्होंने संचालक शकील खान को सख्त निर्देश दिए कि आने वाले नागरिकों को टोकन प्रणाली से सुव्यवस्थित सेवा दी जाए, बैठने की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और सभी रिकॉर्ड व्यवस्थित रखे जाएं।

करोड़ों की लागत से बना भीनमाल पैनोरमा बदहाली का शिकार

-महाकवि माघ और ब्रह्मगुप्त पैनोरमा भ्रष्टाचार की भेंट, 7-8 साल भी नहीं टिक पाया

-महाकवि माघ के नाम पर बना है स्मारक , मूर्तियां टूटी-फूटी, हॉल में दरारें, पर्यटन स्थल बनने का सपना अधूरा

जालोर / युनुस खान . जिले का गौरव और ऐतिहासिक धरोहरों को संजोने के उद्देश्य से करोड़ों की लागत से निर्मित भीनमाल का महाकवि माघ एवं ब्रह्मगुप्त पैनोरमा आज बदहाली और भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुका है। 2018 में वसुंधरा राजे सरकार के कार्यकाल में इस पैनोरमा का लोकार्पण बड़े धूमधाम से किया गया था, लेकिन महज 7झ8 साल के भीतर ही यह स्मारक जर्जर अवस्था में पहुंच गया है।

महाकवि माघ के नाम पर बना है स्मारक

महाकवि माघ के नाम पर तो शहर में माघ चौक स्मारक बना हुआ है लेकिन ब्रह्मगुप्त का कही वर्णन नही था। अब पैनोरमा हॉल बन जाने से ब्रह्मगुप्त के बारे में लोगों को जानने में आसानी होगी। ब्रह्मगुप्त का जन्म 598 ई में भीनमाल में हुआ था। इनके पिता का नाम जिष्णु था। वे प्रसिद्ध भारतीय गणितज्ञ, खगोलविज्ञ थे।628 ई. में उन्होंने ब्रह्मस्फुट सिद्धात एवं 665 ई. में खण्ड-खाद्यक ग्रंथ की रचना की थी। गणित के क्षेत्र में इनकी प्रमुख उपलब्धियों में शून्य का पहली बार प्रयोग, फोटोगणित, बीजगणित इत्यादि रही है।

कैसे मिली स्वीकृति

राजस्थान धरोहर संरक्षण एवं प्रोन्नति प्राधिकरण के तत्कालीन अध्यक्ष ओंकारसिंह लखावत 2016 में भीनमाल पहुंचे थे। उस समय ब्रह्मगुप्त योग एवं विज्ञान सेवा समिति के डॉ. श्रवण कुमार मोदी ने लखावत को महाकवि माघ एवं ब्रह्मगुप्त के बारे में संपूर्ण जानकारी दी और यहा पैनोरमा हॉल बनाए जाने की मांग की। इसके पश्चात राज्य सरकार ने इसकी स्वीकृति प्रदान करते हुए 2016 में इस पर निर्माण कार्य शुरू करवा दिया था।

क्या है इसकी खासियत

राजस्थान धरोहर संरक्षण एवं प्रोन्नति प्राधिकरण द्वारा 1 करोड़ 90 लाख की लागत से बने इस पैनोरमा हॉल में महाकवि माघ एवं गणितज्ञ ब्रह्मगुप्त के बारे में संपूर्ण इतिहास यहा उपलब्ध रहेगा। इस हॉल में बकायदा स्मारक के माध्यम से कवि माघ एवं ब्रह्मगुप्त के जीवन के बारे में वर्णन किया गया है। इसी के साथ ही इसमें आर्यभट, महावीराचार्य, एडवर्ड साचौ, लियोनहार्ड आयलर, गणितज्ञ जॉनपाल, याकूब इम्ने तारीफ, अरबी विदान अलबेदनी, इब्राहिम अल काजरी सहित विश्व के कई प्रसिद्ध महाकवियों की जीवनी एवं उनके द्वारा रचित पुस्तकों की जानकारी लेमिनेटेड प्लेटा पर उपलब्ध है। पैनोरमा हॉल में प्रवेश करने से पूर्व ही कवि माघ एवं ब्रह्मगुप्त की विशेष पत्थरों से निर्मित दो विशालकाय मूर्तिया स्थापित की है

मूर्तियां टूटी-फूटी, हॉल में दरारें

जानकारी के अनुसार, पैनोरमा में स्थापित मूर्तियों पर धूल और गंदगी जमी है, जिससे उनके स्वरूप की पहचान करना भी मुश्किल हो रहा है। वहीं पैनोरमा हॉल की छत, दीवारों और पिलरों में दरारें पड़ चुकी हैं। पूरा ढांचा असंतोषजनक स्थिति में खड़ा है और कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

पर्यटन स्थल बनने का सपना अधूरा

सरकार की योजना थी कि इस पैनोरमा को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाए, ताकि भीनमाल की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल सके। लेकिन भीनमाल शहर से करीब 6झ7 किलोमीटर दूर स्थित होने और आधारभूत सुविधाओं के अभाव ने इस योजना को पलीता लगा दिया।

सुविधाओं का टोटा

पैनोरमा स्थल पर आज तक न पीने के पानी की सुविधा उपलब्ध कराई गई, न सामुदायिक शौचालय और न ही कोई विश्राम स्थल बनाया गया। यही कारण है कि यहां आने वाले लोग दोबारा रुख नहीं करते और यह स्थान उपेक्षा का शिकार होकर रह गया।

निरीक्षण में मिले आश्वासन भी फाइलों में दबे

जिला कलेक्टर और भीनमाल उपखंड अधिकारी ने समय-समय पर पैनोरमा का निरीक्षण कर पुन : निर्माण और सुविधाओं की उपलब्धता का आश्वासन दिया था। लेकिन हकीकत यह है कि सभी वादे अब तक केवल फाइलों में ही दबकर रह गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट से अभिषेक उपाध्याय को बड़ी राहत

-अदालत ने कहा - केवल सरकार या मुख्यमंत्री की आलोचना करने पर किसी पत्रकार के खिलाफआपराधिक मामला दर्ज नहीं किया जा सकता

धौलपुर विजय श्रीवास्तव द डेस्प्रिंग न्यूज सुप्रीम कोर्ट ने पत्रकारों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने कहा है कि केवल सरकार या मुख्यमंत्री की आलोचना करने पर किसी पत्रकार के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज नहीं किया जा सकता। यह आदेश वरिष्ठ पत्रकार अभिषेक उपाध्याय के मामले में दिया गया, जिनके खिलाफ सरकार की नीतियों पर सवाल उठाने वाली एक ऑनलाइन रिपोर्ट को लेकर एफआईआर दर्ज की गई थी। अदालत ने यूपी पुलिस को चार हफ्ते में जवाब दाखिल करने का निर्देश देते हुए उपाध्याय की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा –लोकतांत्रिक व्यवस्था में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को अपराध नहीं कहा जा सकता। संविधान का अनुच्छेद 19(1)(ं) हर नागरिक को बोलने और लिखने का अधिकार देता है। दिल्ली के वरिष्ठ पत्रकार अभिषेक उपाध्याय ने प्रदेश में प्रशासनिक पदों पर जाति आधारित तैनातियों को लेकर एक लेख लिखा था। शिकायतकर्ता ने इसे भ्रामक और ह्यसरकार विरोधीह्य बताकर मुकदमा दर्ज कराया। एफआईआर में भारतीय न्याय संहिता की कई धाराएँ और आईटी एक्ट की धारा 66 लगाई गई थीं।पत्रकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करते हुए कहा कि सरकार उन्हें डराने के लिए लगातार एफआईआर दर्ज करा रही है और यहां तक कि एसटीएफ तक को उनके पीछे लगाया गया।न्यायमूर्ति हृषिकेश रॉय और एस.वी.एन. भट्टी की पीठ ने कहा कि राज्य या पुलिस को किसी पत्रकार के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने से पहले यह देखना होगा कि आरोपों का कानूनी आधार है या नहीं। अदालत ने कहा कि आलोचना लोकतंत्र का अभिन्न हिस्सा है, अपराध नहीं।कोर्ट ने यह भी कहा कि लोकतांत्रिक देशों में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान किया जाता है और सरकार की आलोचना को राजद्रोह या आपराधिक कृत्य नहीं कहा जा सकता। इस आदेश से देशभर के पत्रकारों को राहत मिली है। पिछले कुछ वर्षों में कई मामलों में सरकार की नीतियों पर सवाल उठाने वाले पत्रकारों के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए गए थे।न्यूजलॉन्ड्री के आंकड़ों के अनुसार, 2012 से 2022 के बीच 423 पत्रकारों पर आपराधिक मामले दर्ज हुए। वहीं, कमेटी टू प्रोटेक्ट जर्नलिस्ट्स (उढख) की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में आज भी कई पत्रकार मुकदमों का सामना कर रहे हैं।अभिषेक उपाध्याय के मामले में जिस तरह से एक के बाद एक एफआईआर दर्ज कराई गई और एसटीएफ तक को लगाया गया, उसने राज्य सरकार की नीयत पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अब यह जिम्मेदारी यूपी सरकार की है कि वह उन अधिकारियों पर कार्रवाई करे, जिन्होंने इस तरह की दमनात्मक कार्रवाई की सिफारिश की।

न्य जीव सप्ताह के तहत पीएम श्री बालिका विद्यालय की बालिकाओं ने जागरूकता रैली निकाली

नगराज वैष्णव सादड़ी 6अक्टूबर। वन्यजीव सप्ताह के तहत स्थानीय पीएम श्री श्री धनराज बदामिया राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय सादड़ी व वन विभाग सादड़ी के संयुक्त तत्वावधान में जागरूकता रैली निकाली गई जो विद्यालय से प्रारंभ होकर नई आबादी गणेश चौक डाकघर सुथारो का बास पंचशील चौराहा होते हुए पुनः विद्यालय पहुंची। रैली के समापन पर सभी ने वन व वन्यजीव बचाने की शपथ ली। पीएम श्री योजना प्रभारी कन्हैयालाल ने बताया कि रैली को क्षेत्रीय वन अधिकारी जितेंद्र सिंह शेखावत व कार्यवाहक प्रधानाचार्य मधु गोस्वामी ने रवाना किया। वनपाल ईश्वर सिंह व वरिष्ठ अध्यापक मनीषा ओझा व कविता कंवर के निर्देशन में यह रैली नई आबादी गणेश चौक डाकघर सुथारो का बास पंचशील चौराहा होते हुए पुनः विद्यालय पहुंची जहां वनरक्षक सतीश प्रजापत, अजीत विश्नोई, रामेश्वर फिरौडा, राजकुमार बैरवा, संजय कुमार मेघवाल व बजरंग सिंह सहित सभी वन कार्मिकों व विद्यार्थियों ने वन व वन्यजीव बचाने की शपथ ली। रैली के दौरान विद्यार्थियों ने वन व वन्यजीव संरक्षण संवर्धन से संबंधी नारे लगाए जिससे राह चलते लोग भी रुक कर रैली को देखने लगे।

भीनमाल एनएसयूआई का प्रदर्शन

भीनमाल / युनुस खान . एनएसयूआई राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष विनोद जाखड़ की शीघ्र रिहाई के लिए भीनमाल छात्र संगठन के पदाधिकारियों ने राजकीय महाविद्यालय भीनमाल के मुख्य गेट सामने सीएम का छात्रों ने पुतला फूंककर विरोध प्रदर्शन किया। पिछले कई दिनों से चल रहे घटनाक्रम प्रदेश अध्यक्ष विनोद जाखड़ सहित उनके साथियों को आर एसएस और भाजपा सरकार के द्वारा दबाव पूर्ण गलत तरीके से विभिन्न संज्ञीय धाराओं में फंसा कर प्रताड़ित किया जाना अनुचित है और उनके किसी भी परिजनों से मिलने तक नहीं दिया जा रहा है लोकतंत्र में आवाज उठाने का प्रत्येक नागरिक का फर्ज है।

विनोद जाखड़ की शीघ्र रिहाई कि जाएं। न्यायापालिका पर विश्वास है न्याय दिया जायेगा । छात्र नेता राजकुमार रैगर के नेतृत्व में आज भीनमाल में सीएम का फूंका पुतला इस दौरान पुर्व छात्र संघ महासचिव एडवोकेट जितेन्द्र मेघवाल, एडवोकेट आकाश खां, पुर्व जिला सचिव ईश्वर काबावत, दिनेश जयपाल, भरत कुमार, हितेश कुमार, भंवर काबावत भगराज परमार एडवोकेट, इकबाल , साहिल, सुभाष, प्रिंस व वरिष्ठ युवा नेता हनुमान फागोतरा के साथ संगठन के विभिन्न कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

महवा पुलिस ने 500 किमी पीछा कर शातिर चोर राजा उर्फ राजकुमार को दबोचा

-37 मुकदमों में वांछित आरोपी चोरी की बाइक सहित गिरफ्तार

रिपोर्टर/मनोज खंडेलवाल

महवा। सक्रिय राज्य स्तरीय वाहन चोरी गिरोह का मुख्य सरगना आखिरकार पुलिस की गिरफ्त में आ गया। महवा पुलिस ने तीन दिन तक लगातार पीछा कर 500 किलोमीटर की कड़ी मशक्कत के बाद राजा उर्फ राजकुमार मीणा निवासी चौनपुरा, थाना खेरली (अलवर) को बाणगंगा नदी किनारे दबोच लिया। आरोपी से माया देवी अस्पताल, महवा से चोरी हुई हीरो सीडी डीलक्स मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है। यह कार्रवाई थाना प्रभारी राजेन्द्र कुमार मीणा के नेतृत्व में गठित टीम ने आरोपी का लगातार तीन दिन तक पीछा किया और अंततः 05 अक्टूबर 2025 को मंडावर रोड स्थित बाणगंगा नदी तट से उसे गिरफ्तार किया।

आरोपी राजा उर्फ राजकुमार (उम्र 53 वर्ष) पिछले तीन दशकों से वाहन चोरी के संगठित गिरोह का संचालन कर रहा था। यह शातिर अपराधी चोरी की वारदातों के बाद अपने ठिकाने और पहचान बदल देता था। पुलिस रिकॉर्ड में इसके खिलाफ 37 संगीन प्रकरण दर्ज हैं – जिनमें चोरी, नकबजनी, अवैध हथियार, हत्या का प्रयास, पुलिस पर हमला और मारपीट जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं। आरोपी पहले कई बार जेल जा चुका है, लेकिन हर बार छूटने के बाद नए गिरोह के साथ सक्रिय हो जाता था। घटना की शुरूआत 02 अक्टूबर 2025 को हुई, जब परिवादी श्याम बाबू शर्मा निवासी नगला खोकलिया, थाना बयाना (भरतपुर) ने रिपोर्ट दी कि माया देवी अस्पताल महवा के बाहर खड़ी उसकी मोटरसाइकिल कोई अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया। इस पर पुलिस ने प्रकरण में मामला दर्ज कर विशेष टीम गठित की। टीम में हेड कांस्टेबल रविन्द्र कुमार, दीपक सिंह और कांस्टेबल राजेश कुमार शामिल रहे, जिन्होंने तकनीकी निगरानी और मुखबिर तंत्र के जरिए आरोपी की गतिविधियों को ट्रैक किया। तीन दिन की अथक पीछा कार्रवाई के बाद आरोपी को दबोच लिया गया। जांच में सामने आया कि राजा उर्फ राजकुमार चोरी की मोटरसाइकिलों के नंबर और रंग बदलकर उन्हें अन्य जिलों में बेच देता था। उसके नेटवर्क में कई छोटे अपराधी शामिल हैं, जो अलग-अलग जिलों में वारदातों को अंजाम देते थे। पुलिस अब उससे अन्य जिलों की वारदातों और सहयोगियों के बारे में पूछताछ कर रही है। थाना प्रभारी राजेन्द्र कुमार मीणा ने बताया कि आरोपी का अपराध रिकॉर्ड उसकी आदतन प्रवृत्ति का सबूत है। यह गिरफ्तारी राज्यभर में सक्रिय वाहन चोरी गिरोहों पर बड़ा प्रहार है। पुलिस अब आरोपी के नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त करने के लिए कार्रवाई आगे बढ़ा रही है।

एसडीएम रविंद्र जुवांठा और मंडी सचिव विनोद पलड़िया ने धान केंद्र का निरीक्षण किया

-पहले दिन एक हजार क्विंटल धान खरीदें गए।

सितारगंज।(दीपक भारद्वाज) सितारगंज के सरकारी कांटों पर धान की तौल शुरू हो गई है। पहले दिन नई मंडी समिति पर स्थित तीन कांटों पर करीब एक हजार क्विंटल धान खरीदें गए। वहीं, एसडीएम रविंद्र जुवांठा और मंडी सचिव विनोद पलड़िया ने धान केंद्र का निरीक्षण किया।

एसएमओ विनय चौधरी ने बताया कि सोमवार से सरकारी कांटों पर धान खरीद प्रारम्भ हो गई है। पहले दिन एक हजार क्विंटल धान खरीदें गए। उन्होंने बताया कि धान में अधिक नमी होने के कारण ग्रामीण इलाकों में स्थापित कांटों पर धान की खरीद नहीं हो सकी उनके द्वारा यह बताया गया कि सरकारी मानकों से अभी धान में नमी बहुत अधिक होने से क्रय केंद्रों में धान तोलने में दिक्कत आ रही है। उनके द्वारा ये भी कहा गया कि जो छोटे ओर मझले किसान जिनके धान में नमी 17 प्रतिशत तक है वह बगैर टोकन के भी धान हमारे लगे कांटे पर तुलवा सकते है

सितारगंज में नशे के पुड़िया बनाते महिला का वीडियो वायरल

सितारगंज।(दीपक भारद्वाज) एक तरफ धामी सरकार नशे के खिलाफ खड़ा रूख अपना रही है तो दूसरी ओर तस्कर लगातार स्मैक, चरस आदि बेच रहे हैं। सितारगंज नहर पार वार्ड नंबर 6 में खुलेआम महिला नशा की पुड़िया बनाती महिला का वीडियो वायरल हो रहा है। हालांकि यह वीडियो करीब एक साल पुराना बताया जा रहा है। हालांकि पुलिस का कहना है कि इस बीच महिला को करीब 3 बार जेल भेजा गया था, वह जमानत पर बाहर चल रही है। लोगों का कहना है कि सितारगंज में महिला लगातार नशे का सामान बेचती है, लेकिन पुलिस के कान में रजू नहीं रेंगतीर है। इधर वीडियो वायरल होने के बाद लोग सोशल मीडिया पर आरोपी महिला के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे

महाराज अजमीढ़ जयंती पर निकली शोभायात्रा

केशोरायपाटन(मुकेश जैन): शरदपूर्णिमा महोत्सव पर महाराज अजमीढ़ जयंती पर मेढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज द्वारा आयोजन किये समाज के मन्दिर पर विधिवत गणेश पूजन हुआ शाम को चामुंडा माता मंदिर से देव विमान के साथ शोभायात्रा निकली जो विभिन्न मार्गो से होती हुई चामुंडा मन्दिर पर पहुंची शोभायात्रा में समाज जन पारम्परिक वेश में शामिल हुए शोभायात्रा के बाद भगवान की आरती हुई चामुंडा माता मंदिर पर समाज के बच्चो के सांस्कृतिक व विभिन्न कार्यक्रम हुए प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

सेवा शिविर में जनता की बढ़ती रुचि, नगर पालिका रानी कर रही है जनकल्याण के नए प्रयास

नगराज वैष्णव

रानी, 6 अक्टूबर 2025। नगर पालिका परिसर, रानी में चल रहे शहरी सेवा शिविर में आज भी बड़ी संख्या में आमजन ने भाग लेकर विभिन्न सेवाओं का लाभ उठाया।

शिविर का संचालन नगर पालिका अध्यक्ष भरत कुमार राठौड़ और उपाध्यक्ष डालचंद मेवाड़ा नेता प्रतिपक्ष मोहमद इलियास चढ़वा, उपखंड अधिकारी शिवा जोशी, अधिशाषी अधिकारी सुदर्शन जांगू के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। नगर पालिका अध्यक्ष भरत कुमार राठौड़ उपाध्यक्ष डालचंद मेवाड़ा पार्षद, इलियास चढ़वा घीसूलाल चौधरी ,मीठालाल बंजारा, मोहम्मद अकरम, सीता देवी, भाजपा पूर्व मंडल अध्यक्ष जयंतिलाल वैष्णव मौजूद रहे। आज के शिविर में 69-अ पट्टा वितरण हेतु 3 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें 1 फाइल का निस्तारण भी हुआ, 90-अ कृषि भूमि में 2 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें 1फाइल का निस्तारण किया गया। साथ ही पेंशन स्वीकृति, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, सफाई एवं स्वच्छता व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट मरम्मत, नालियों की सफाई, पीएम आवास योजना, उज्ज्वला योजना एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित कार्य भी संपन्न किए गए।

नगर पालिका प्रशासन की अपील

नगर पालिका प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में शिविर का लाभ उठाएँ और सरकारी योजनाओं व सेवाओं से सीधे लाभान्वित हों।

अगले शिविर 07-10-2025 दिनांक 08-10-2025 को वार्ड संख्या 13,14 के लिए आयोजित किए जाएँगे।

प्रशासन ने आमजन से अनुरोध किया है कि वे समय पर पहुँचकर अपने लंबित कार्य निपटाएँ।

इस अवसर पर नगर पालिका कनिष्ठ अभियन्ता कृष्ण मुरारी शर्मा, शिविर प्रभारी धनाराम चौधरी, गोपाल सिंह बाबूलाल कुमावत, जितेंद्र कुमार, रतनलाल, सुनील खीचड़, कांतिलाल, निजामुद्दीन, फिरोज खान, मनीष कुमार, मोनूकांत, मुकेश दत्ता, जगन्नाथ तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे और शिविर की व्यवस्थाओं को सफल बनाने में सहयोग किया।

सक्षिप्त समाचार

खिमेल दिव्य दरबार जन कल्याण समिति का स्वर्ण भस्म सहित विभत्त अनुष्ठान का आज समापन !

नगराज वैष्णव, रानी समीपवर्ती दिव्य देव दरबार जन कल्याण समिति खिमेल के तत्वावधान में चल रहे स्वर्ण भस्म सहित विभिन्न अनुष्ठान का समापन आज शरद पूर्णिमा पर होगा। दिव्य देव दरबार जन कल्याण समिति के अध्यक्ष एडवोकेट पोकर लाल चौधरी ने बताया की दिव्य देव दरबार खिमेल के अघोरी सुरज नाथ महाराज के सानिध्य में आम जन के कल्याण के साथ साथ समस्याओं के समाधान के लिए प्रथम नवरात्रि से प्रारंभ हुए भैरव अनुष्ठान, महालक्ष्मी अनुष्ठान सहित दीपदान कार्यक्रम व हवन अनुष्ठान आचार्य हितेंद्र शास्त्री के सानिध्य में 21 पंडितों के सानिध्य में 17 दिनों से अनवरत रूप से जारी हे, अघोरी सुरज नाथ महाराज ने बताया की मंगलवार को शरद पूर्णिमा पर समापन होंगा,इस अवसर पर बालोतरा,पुणे, महाराष्ट्र सहित राजस्थान क्षैत्र के विभिन्न स्थानों के श्रद्धालुओं ने इस हवन अनुष्ठान में अपनी आहुतियां दी।इस अवसर पर सोनु सरकार,छोटु नाथ,भबुताराम, हर्ष गर्ग,प्रवीण मीणा,सकाराम प्रजापत, सहित अन्य भाविक व्यवस्था में लगे हुए हैं।

रामलीला मेला देखने पहुंचे युवक की बाइक रहस्यमय तरीके से हुई चोरी,

पुलिस में रिपोर्ट दर्ज – मेले में सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल।

सितारगंज:(दीपक भारद्वाज) रामलीला मेला घूमने पहुंचे युवक की बाइक रहस्यमय परिस्थितियों में चोरी हो जाने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बघोरी निवासी आमिर पुत्र मैजुद्दीन ने थाना सितारगंज में तहरीर देकर बताया कि उसका भाई फिरोज खान 30 सितंबर की रात लगभग पौने नौ बजे उसकी मोटरसाइकिल रजिस्ट्रेशन संख्या यूके06एडब्लू 7750 से सितारगंज रामलीला ग्राउंड मेला देखने गया था। उसने अपनी बाइक को केयर सैलून के पास लॉक लगाकर खड़ा किया और मेला देखने चला गया। जब वह लगभग रात साढ़े नौ बजे लौटकर आया तो बाइक अपनी जगह से गायब मिली।आस-पास मौजूद लोगों से पूछताछ करने पर भी कोई जानकारी नहीं मिल पाई।घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में हड़कंप मच गया। पीड़ित ने थाना सितारगंज पहुंचकर बाइक की गुमशुदगी व चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं स्थानीय लोगों ने कहा कि मेले में भीड़ तो बहुत थी, परंतु सुरक्षा व्यवस्था न के बराबर थी। जगह-जगह वाहन खड़े होने और सीसीटीवी कैमरों की कमी के कारण असामाजिक तत्वों को मौका मिल गया।लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि मेले जैसे भीड़भाड़ वाले आयोजनों में सुरक्षा बढ़ाई जाए, ताकि ऐसे घटनाक्रम दोबारा न हों। वहीं पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने की बात कही है और जल्द ही चोरी का खुलासा करने का आश्वासन दिया है।

भड़काऊ पोस्ट विवाद में सामाजिक सौहार्द की मिसाल

-मुस्लिम समुदाय ने युवक को किया माफ, आपसी भाईचारा बरकरार

भीनमाल / युनुस खान . सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट से उपजा तनाव सोमवार को सामाजिक समझदारी और आपसी सौहार्द से सुलझ गया। मुस्लिम धर्म के विरोध में आपत्तिजनक पोस्ट डालने वाले युवक सोमत राम ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए मुस्लिम समुदाय से सार्वजनिक रूप से माफी मांगी। मुस्लिम समाज ने भी बड़ा दिल दिखाते हुए युवक को माफ कर दिया, जिससे क्षेत्र में आपसी भाईचारे की मिसाल कायम हुई। जानकारी के अनुसार, युवक ने सोमवार सुबह सोशल मीडिया पर धर्म विशेष के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट साझा की थी। पोस्ट वायरल होते ही समुदाय के लोगों में रोष फैल गया। बड़ी संख्या में लोग स्थानीय प्रशासन के पास पहुंचे और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई और त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार किया। बाद में युवक को मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया। इसी दौरान दोनों समुदायों के गणमान्य लोगों और प्रशासनिक अधिकारियों की समझाइश के बाद युवक ने अपनी गलती स्वीकार की और समाज से माफी मांगी। मुस्लिम समाज ने भी आपसी शांति और भाईचारे को बनाए रखते हुए उसे माफ कर दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह घटना समाज में सद्भाव, एकता और सामाजिक परिपक्वता का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि किसी की गलती को माफ कर देना सबसे बड़ा मानवीय धर्म है और ऐसे कदम से क्षेत्र में अमन-चैन बना रहेगा।

प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की धार्मिक, जातिगत या भड़काऊ पोस्ट साझा करने से बचें और शांति बनाए रखें।

रक्तदान-स्वास्थ्य शिविर में उमड़ा जनसैलाब, 884 लोगों ने कराया रजिस्ट्रेशन 104 यूनिट रक्त संग्रह

-शाम को हुई भव्य सांस्कृतिक संध्या, विजेताओं को मिले आकर्षक पुरस्कार

सितारगंज (दीपक भारद्वाज) रक्तदान शिविर एवं स्वास्थ्य शिविर में उमडा जन सैलाब 884 लोगों ने कराया रजिस्ट्रेशन रविवार को श्री रामलीला ग्राउंड में रक्तदान समिति के प्रांगण में रक्तदान शिविर एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 884 लोगों द्वारा रजिस्ट्रेशन कराया गया। रक्तदान शिविर के अंतर्गत ब्लड बैंक हल्द्वानी एवं सितारगंज की टीम ने प्रतिभाग किया। हल्द्वानी ब्लड बैंक की टीम से ब्लड बैंक के इंचार्ज प्रकाश सिंह मेहता एवं सितारगंज एस एच हॉस्पिटल की टीम से संदीप ठाकुर ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। जिसमें 104 यूनिट रक्त का संचय किया गया। इसके अलावा स्वस्थ शविर में हल्द्वानी से आए हेमेटोलॉजिस्ट डॉक्टर तुषार पांडे, रुद्रपुर प्रभु नेत्रालय से मनीष सिंह, सितारगंज से डॉक्टर प्रवीण सिंघल, डॉक्टर प्रवीण राय, मुनेंद्र श्रीवास्तव एवं कुलदीप सिंह यादव ने अपना पूरा सहयोग दिया। वहीं दूसरी तरफ नेत्रदान का भी शिविर लगाया गया। जिसमें रुद्रपुर से आए वरिष्ठ सामाजिक एसके मित्तल ने लोगों को नेत्रदान के विषय में बताया।

कार्यक्रम का उद्घाटन नगर पालिका पालिका के अध्यक्ष सुखदेव सिंह द्वारा फीता काटकर किया गया। जिसमें वरिष्ठ उद्योगपति शिवकुमार मित्तल, सुमन राय, पलविंदर सिंह, श्याम सुंदर गोगना, गोपाल सिंह बिष्ट आदि लोगों ने कार्यक्रम की सराहना की। कार्यक्रम के अंतर्गत सभी को निशुल्क भोजन व्यवस्था की गई एवं शुगर की मशीने निशुल्क वितरित की गई। यह कार्यक्रम दस बजे से दोपहर तीन बजे तक रहा। जिसका लाभ समस्त विधानसभा क्षेत्र के लोगों को मिला। उसके पश्चात शाम सात बजे चैरिटी का कार्यक्रम के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष कमल जिंदल द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम को प्रारंभ किया गया। जिसके अंतर्गत सांस्कृतिक कार्यक्रम किए गए। जहां पर भारी जलशा देखने को मिला और लोगों ने जमकर कार्यक्रम की सराहना की। सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट अमित रस्तोगी व आशीष पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर संस्था के संस्थापक अध्यक्ष राजीव गुप्ता, संस्था के अध्यक्ष संदीप बिष्ट, संरक्षक पंकज गहतोड़ी, महामंत्री पवन अग्रवाल, उपाध्यक्ष रोहित बिष्ट कोषाध्यक्ष संदीप बाबा, मो.आलम, दीपेंद्र सिंघल, शिवम साहू, गोपाल सिंह बिष्ट, नरेश कंसल, सुरेश अग्रवाल, सुरेश जैन, सत्येंद्र दिवाकर, प्रिंस गुप्ता एवं संस्था के समस्त कार्यकर्तागण उपस्थित रहे। डांस प्रतियोगिता में विजय प्रतिभागियो को प्रथम पुरस्कार के रूप में 5100 रुपये द्वितीय पुरस्कार 3100 रुपये एवं तृतीय पुरस्कार 2100 रुपये के साथ एक-एक स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। सभी लोगों ने कार्यक्रम का लुत्फ उठाया एवं सराहना की कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए रक्तदान समिति के संस्थापक अध्यक्ष राजीव गुप्ता जी ने सभी लोगों का आभार व्यक्त किया

धान खरीद में धांधली पर भड़के किसान, कांग्रेस नेताओं ने सरकार को घेरा

– बोले, गूंगी-बहरी सरकार कच्ची आढ़तियों के हाथों बेच रही किसानों का हक

सितारगंज। (दीपक भारद्वाज) धान खरीद की धीमी रफ्तार को लेकर किसानों में भारी आक्रोश देखने को मिला, जब सितारगंज मंडी में मात्र दो क्रय केंद्रों पर ही तौल होती नजर आई, जबकि ब्लॉक में कुल 53 केंद्र स्थापित हैं। इस स्थिति का निरीक्षण करते हुए उत्तराखंड कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. गणेश उपाध्याय व कांग्रेस प्रत्याशी नवतेज सिंह ने सरकार पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि एक सप्ताह बीत जाने के बावजूद किसानों के धान बिक्री पोर्टल न खुलना सरकार की मिलीभगत को उजागर करता है। इससे किसानों को मजबूरन अपना धान कच्ची आढ़तियों और राइस मिलों को औने-पौने दामों में बेचना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार और प्रकृति की मार के बीच किसान दोहरी मार झेल रहा है। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि स्थिति नहीं सुधरी तो उत्तराखंड किसान कांग्रेस और जिला कांग्रेस के नेतृत्व में डीएम कार्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया जाएगा और किसी भी मंत्री को जिले में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा।

उपनिदेशक ने चल रहे शिविर का औचक निरीक्षण किया

केशोरायपाटन(मुकेश जैन): नगर पालिका द्वारा चलाए जा रहे हैं शहरी सेवा शिविर में सोमवार को उपनिदेशक निकाय विभाग कोटा द्वारा औचक निरीक्षण किया गया निरीक्षक के दौरान शिविर में नगर पालिका अधिशासी अधिकारी प्रवीण शर्मा, कनिष्ठ अभियंता गजेंद्र नागर एवं नगर पालिका कर्मचारी की मौजूदगी में सरकार की लाभकारी योजनाओं के संबंध में निर्देश दिए साथ ही आमजन की शिकायतों का त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिए।

डेगाना क्षेत्र में तूफानी बारिश से किसानों की बढ़ी मुसीबतें, खड़ी और कटी फसलें संकट में

-किसानों की खेतों में कटाई के बाद रखी गई फसलें भीगकर हुई खराब

डेगाना सुशील लोरा

डेगाना शहर, डेगाना के आसपास के गांव में फसलों में बारी नुकसान जैसे गांव जालसू नानक जालसू खुर्द तामडोली तिलानस पालियास डेगाना गांव लवादर निम्बडी राजलोता मैरासी जावा सिसोदिया चारणावास कितलसर रावलियास चान्दारुण मिठडिया , मिठडीया , तामडोली, जाखेडा .गेमलियावास, सखबासनी, करतासर , मौगास, चौसली , बामना खुर्द , चांदनी, चरडास,खेरवा, निबोला कला, सोहनपुरा, बरना, चोलियास, एग्यारसनी, डेगाना से बहुत से गांव में भयंकर बरसात से नुकसान हुआ है फसल खराब हो गई है अब किसान बेचारे क्या करे डेगाना क्षेत्र में अचानक हुई करीब तीन घंटे की तेज बारिश ने किसानों की कमर तोड़ दी है.खरीफ सीजन की बाजरा, ग्वार,मूंग और कपास जैसी फसलें जहां पककर कटाई के लिए तैयार खड़ी थीं,वहीं कई जगह खेतों में पहले से काटकर रखी उपज भीगकर खराब होने लगी है। ग्रामीण क्षेत्रों में खेतों में पानी भरने से हालात और बिगड़ गए हैं। किसानों का कहना है कि अनाज के खराब होने से पैदावार पर सीधा असर पड़ेगा और पशुओं के चारे की भी भारी किल्लत खड़ी हो सकती है। कुछ दिन पहले ही अतिवृष्टि से नुकसान झेल चुके किसान अब बची-कुची फसलों के चौपट होने की चिंता में हैं।डेगाना शहर, , क्षेत्र सहित आसपास के गांवों में भारी बारिश से फसलों को नुकसान हुआ है।

भंडारे के साथ तीन दिवसीय सत्संग महोत्सव का हुआ समापन

– महोत्सव में रासलीला के मंचन ने मन मोहा

रामकुमार उपाध्याय। रुदावल 6 अक्टूबर। कस्बे के प्रसिद्ध ढंढ़ार वाले हनुमानजी मंदिर पर चल रहे तीन दिवसीय 62 वें कार्ष्णि सत्संग महोत्सव का सोमवार को भंडारे के साथ समापन हुआ। भण्डारे में काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस अवसर पर रमणरेतीधाम के संत अमृतानंद महाराज व वृंदावन के संत प्रीतमदास महाराज ने उपस्थित श्रद्धालुओं को आशीर्वाद वचन देकर महोत्सव के समापन की घोषणा की। भंडारे में काफी संख्या में कस्बा सहित अन्य गांव व शहरों से आए श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। दूर-दराज से आए साधु-संतो को सत्संग कमेटी ने भव्य स्वागत कर दक्षिणा देकर विदा किया। समापन के अवसर पर संत भरतदास महाराज ने भक्तों को प्रवचन देते हुए कहा कि मातृ-पितृ की ही सेवा सर्वश्रेष्ठ धर्म है, जिससे तीर्थ यात्रा की आवश्यकता नहीं पड़ती है। जिसके पास अच्छाई देखने का सदगुण मौजूद है वह पुरूष अपने चरित्र के प्रभाव से दुराचारी को भी सदाचारी बना देता है। अच्छाई देखने वाले पुरूष में ईर्ष्या, द्वेष, स्वार्थ आदि अवगुण नहीं रहते है। वह व्यक्ति स्वयं गुणों का केन्द्र बना जाता है। महोत्सव में रात्रि को रासलीला का मंचन हुआ। जिसमें बच्चों ने रासलीला का मंचन किया। साथ ही

आकर्षक झांकियों के माध्यम से शिव पूजा, गोवर्धन पूजा, गिर्राज पर्वत लीला, राम दरबार झांकी का मंचन किया। रासलीला में कलाकारों ने कालीदह लीला का सुंदर मंचन कर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। मंचन के माध्यम से बताया कि भगवान कृष्ण अपनी लीला के दौरान अपने सखाओ के साथ गेंद खेलते हुए कालीदह के पास पहुंच जाते है और वह नीलकमल लेने के लिए कालीदह में कूद पड़ते है। जिससे सारे सखा चिंतित हो उठते है और यह सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में गोकुलवासी कालीदह के किनारे पहुंच जाते है वह चिंतित होकर कृष्ण को पुकारते है। भगवान कालिया नाम के नाग के फन पर बंशी बजाते व नृत्य करते हुए बाहर आ जाते है। इसी दौरान सखा उनकी जय-जयकार करने लगते है। रासलीला का संचालन नंदराम व्यास ने किया।

जिले में एरिया डॉमीनेशन की कार्रवाई का चला पुलिस का विशेष अभियान

18 फरार चल रहे वारंटियों को किया गया गिरफ्तार।

धौलपुर विजय श्रीवास्तव द डेस्प्रिंग न्यूज पुलिस मुख्यालय एवं महानिरीक्षक पुलिस भरतपुर कैलाश चंद्र विश्नोई आईपीएस के निर्देशन एवं पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के नेतृत्व में जिले में आज अलसुबह से दोपहर तक एरिया डॉमीनेशन की कार्यवाही के अन्तर्गत अवैध हथियार, अवैध शराब, मादक पदार्थों व अवांछित गतिविधियों की रोकथाम और अपराधियों की धरपकड़ के लिए धौलपुर पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया गयो इस अभियान के अन्तर्गत आज पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के नेतृत्व एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनोज शर्मा व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एडीएफ बाडी कमल कुमार जांगिड के सुपरवीजन में सभी थानों पर विशेष टीमे गठित कर अलग अलग स्थानों पर दबिशें दी गईं इस अभियान में करीब 231 पुलिस अधिकारियों और जवानों की 59 टीमों ने कार्रवाई में भाग लेकर 259 स्थानों पर दबिश देकर 98 व्यक्तियों को गिरफ्तार/इंसदादी कार्रवाई की गई है। अभियान में 06 सामान्य प्रकरणों में वांछित, 03 जघन्य प्रकरणों में वांछित, 18 स्थाई वारंटियों /पीओ को, 11 को अन्य अधिनियमों व इंसदादी कार्रवाई में 60 व्यक्तियों को 170 बीएनएस में गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है पुलिस की टीमों ने 18 गिरफ्तारी/ स्थाई वारंटी/ उद्घोषित अपराधियों को किया गिरफ्तार एरिया डॉमीनेशन अभियान के अन्तर्गत पुलिस की विभिन्न टीमों द्वारा जिले भर में 18 गिरफ्तारी/ स्थाई वारंटी/ उद्घोषित अपराधियों को भी गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है अभियान के दौरान अवैध शराब, अवैध हथियार एवं मादक पदार्थों के अवैध कारोबार से जुड़े अभ्यस्त व्यक्तियों के ठिकानों पर भी पुलिस टीमों द्वारा दबिश देकर उनकी गतिविधियों को चैक किया गया। इस दौरान आर्म्स एक्ट के 214 अभ्यस्त व्यक्तियों को चैक किया गया जिसमें 01 नवीन प्रकरण दर्ज किया गया और 24 व्यक्तियों के विरुद्ध इंसदादी कार्रवाई की गई है, अवैध शराब के 264 अभ्यस्त व्यक्तियों को चैक किया गया तो 06 व्यक्ति के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया गया है एवं 24 व्यक्तियों के विरुद्ध इंसदादी कार्रवाई की गई है।

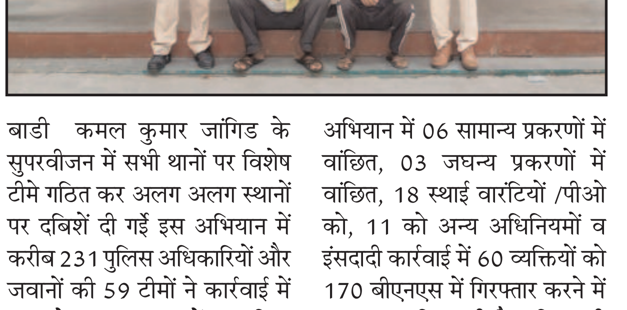

संजय मेघवाल ने बनाया आर्टिफिशल रोबोट

-जालोर जिले का नाम किया रोशन

जालोर / युनुस खान . भीनमाल उपखंड क्षेत्र के संजय मेघवाल पुत्र श्री किशनारामजी मेघवाल गांव दांतीवास के एक होनहार छात्र ने हाल ही में एक आर्टिफिशियल रोबोट तैयार किया है, जो आधुनिक तकनीक का बेहतरीन उदाहरण है। यह रोबोट न केवल स्वचालित रूप से काम कर सकता है बल्कि इंसानी आदेशों को भी पहचानकर कार्य करता है। और यह बोल भी सकता हैं और बातशीत भी कर सकता है भरत गुलशन बताया कि संजय ने रोबोट बनायाऔर दातीवास गाव नाम रोशन किया इस रोबोट को बनाने में [आर्डयूनो/ सेंसर / मोटर] आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग किया गया है। खास बात यह है कि यह रोबोट वॉइस कंट्रोल, म्यूज़िक प्ले, मूवमेंट कंट्रोल, ऑटोमैटिक टास्क करने में सक्षम है। संजय का कहना है कि इस रोबोट को तैयार करने का मकसद तकनीक और नवाचार को लोगों के सामने लाना और भविष्य में इसे शिक्षा, घरेलू कार्य और रिसर्च जैसे क्षेत्रों में उपयोगी बनाना है। यह उपलब्धि न केवल व्यक्तिगत स्तर पर गर्व का विषय है बल्कि यह युवाओं को तकनीक की ओर प्रेरित करने वाला एक शानदार उदाहरण भी है। संजय को इसे बनाने में लगभग तीन साल की मेहनत लगी है और संजय ने इससे पहले भी कई सारे इनोवेशन किए है और यूट्यूब और इंस्टाग्राम पर टेक्नोलॉजी से रिलेटेड भी विडियोज बनाते है

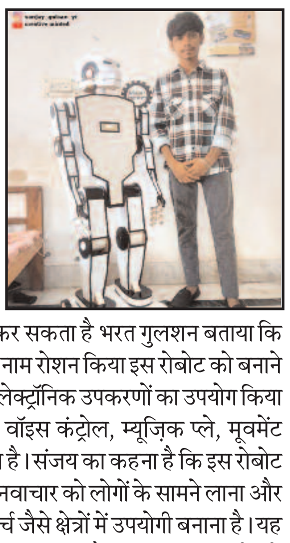

आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को दी जा रही एक्सपायरी खाद्य सामग्री !

–मासूमों की सेहत से खिलवाड़, आजाद समाज पार्टी ने उठाई जांच की मांग

— प्रशासनिक लापरवाही पर भड़का आक्रोश।

सितारगंज ।(दीपक भारद्वाज) सितारगंज क्षेत्र में बाल विकास परियोजना के तहत संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों में एक्सपायरी डेट की खाद्य सामग्री बांटे जाने का चौंकाने वाला मामला सामने आया है ।आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के जिलाध्यक्ष सतेंद्र कुमार ने इस गंभीर लापरवाही की शिकायत उपजिलाधिकारी सितारगंज से करते हुए तत्काल जांच और दोषियों पर सख्त कार्यवाही की मांग की है ।सतेंद्र कुमार ने बताया कि क्षेत्र के कई लाभार्थियों ने शिकायत की है कि आंगनबाड़ी केंद्रों से बच्चों और गर्भवती महिलाओं को 23 सितंबर 2025 को एक्सपायर हो चुकी खाद्य सामग्री 30 सितंबर को वितरित की गई। विरोध करने पर लाभार्थियों को धमकाया गया और अगली बार सामग्री न देने की बात कही गई। यह स्थिति बेहद भयावह है, क्योंकि यह पोषण योजना के नाम पर छोटे–छोटे मासूम बच्चों और माताओं की सेहत से सीधा खिलवाड़ है ।ग्राम वीरेंद्र नगर गोठा के राजेंद्र कुमार और राजकुमार ने भी प्रमाण सहित बताया कि उन्हें आंगनबाड़ी केंद्र से बाल कोन और हलवा मिश्रण जैसे पैकेट दिए गए जिनकी निर्माण तिथि 26 जून 2025 और एक्सपायरी तिथि 23 सितंबर 2025 थी, यानी एक्सपायरी के एक सप्ताह बाद ये सामग्री वितरित की गई ।आजाद समाज पार्टी के कार्यकताओं ने कहा कि यदि इस सामग्री के सेवन से किसी भी बच्चे या गर्भवती महिला की तबीयत बिगड़ती है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी बाल विकास विभाग की होगी। उन्होंने मांग की है कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों व आंगनबाड़ी कर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाए ।इस घटना ने प्रशासनिक लापरवाही और विभागीय निगरानी तंत्र पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पोषण के नाम पर जहरीली हो चुकी सामग्री का वितरण न केवल मानवता के खिलाफ है बल्कि सरकार की योजनाओं पर भी बड़ा सवालिया निशान है। स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों ने भी इस मामले में त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

पोषण मेले का आयोजन अन्नप्राशन संस्कार भी आयोजित

सुजानगढ़ । ग्राम पंचायत गोपालपुरा में राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा के तहत पोषण मेले का ब्लॉक स्तरीय आयोजन सरोज स्वामी सुपरवाइजर की अध्यक्षता में एवं प्रशासक सविता राठी के मुख्य आतिथ्य में किया गया ।राठी ने नारी शक्ति का आव्हान करते हुए कहा कि स्वयं को हमेशा खुश रखते हुए अपने कर्तव्य का पालन करते रहना ही असली धर्म है ।स्वामी ने कहा कि मेहनत ही हमे ओजस्वी बनाती है ।कार्यक्रम में मोनिका एवं सरला के सात महीने के बच्चे का अन्नप्राशन संस्कार किया गया,द्रोपदी एवं नीतू गर्भवती महिलाओं की गोद भराई सरिता सुपरवाइजर ने की,बालिकाओं की पोषण पोस्टर प्रतियोगिता भी करवाई गई ।कार्यकर्त्ता सुआ कंवर,प्रीति,ममता,सहयोगिनी टिंकू शर्मा,रामेश्वरी प्रजापत,संतोष पिलानिया,सोना,आशा सहयोगिनी सुमन स्वामी,सुमित्रा जाट,विमला,सरोज कंवर आदि ने सब्जियों एवं स्थानीय अनाज की रंगोली बनाई,गनोड़ा से सुनीता,शारदा,गुलेरिया से विजया, चरला से प्रेम कंवर,सारोठिया से कमला,गोमती , देवानी से राकेश कंवर आदि सहायिकाओं ने भाग लिया,अनन्या एवं नीलम ने नृत्य किया,संचालन सुआ कंवर ने किया

बालचंद प्रजापत बने शिक्षक संघ सियाराम के उपशाखा अध्यक्ष

सुजानगढ़ ।राजस्थान शिक्षक संघ सियाराम की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन राजकीय पीसीबी स्कूल में किया गया ।जिसकी अध्यक्षता अध्यक्ष बालचंद प्रजापत ने की ।साधारण सभा में गत वर्ष की संगठन की गतिविधियों पर विचार विमर्श हुआ तथा जिला सम्मेलन सुजानगढ़ में सफलता पूर्वक करवाए जाने पर वर्तमान उपशाखा कार्यकारिणी की प्रशंसा की ।प्रदेश पदाधिकारी महावीर प्रसाद प्रजापत ने शिक्षको की मांगों व समस्याओं पर विस्तार पूर्वक चर्चा करते हुए उनके समाधान हेतु प्रयास करने की रुपरेखा प्रस्तुत की। निर्वाचन अधिकारी चैनप्रकाश प्रजापत ने संगठन की निर्वाचन प्रक्रिया को प्रस्तुत करते हुए उपशाखा के निर्वाचन का कार्य किया गया। चुनाव पर्यवेक्षक व प्रदेश मंत्री पूसाराम स्वामी ने बताया कि उपशाखा कार्यकारिणी के चुनाव सर्वसम्मति से करवाए गए ।नवगठित कार्यकारिणी में सभाध्यक्ष प्रदीप भार्गव, कार्यक्रम अध्यक्ष सुबोध भास्कर,अध्यक्ष बालचंद प्रजापत,मंत्री सुनील गुर्जर, कोषाध्यक्ष रतनसिंह राठौड़का निर्वाचन किया गया ।कार्यकारिणी में श्यामसुंदर पारीक, रामस्वरूप मूंड, नरोतम लाटा, सुरेश कुमार ,सतीश गुर्जर, सांवरमल, नेमाराम बावरी, अजय सैनिक, बजरंग लाल प्रजापत, चैनप्रकाश, छगनलाल, परमानंद, लिछमन राम को निर्वाचित किया गया ।प्रदेश महासमिति हेतु पूसाराम स्वामी,महावीर प्रसाद प्रजापत,मनोहर सिंह राठौड़,बालचंद प्रजापत,नरोतम लाटा का चुनाव किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश मंत्री व पर्यवेक्षक पूसाराम स्वामी ने किया।

सक्षिप्त समाचार

नशा मुक्त समाज और सशक्त भारत विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

मुंडावर /हवासिंह चौधरी मुंडावर उपखण्ड स्थित इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय में रेड रिबन क्लब और एनएसएस यूनिट के संयुक्त तत्वावधान और कार्यक्रम प्रभारी शिक्षाविद अभिनव शर्मा के निर्देशन में नशा मुक्त समाज और सशक्त भारत विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी को संबोधित करते हुए शिक्षाविद एवं गांधीवादी विचारक डॉ. डी. आर. शर्मा ने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रहना चाहिए तथा हमें आसपास रहने वाले सभी लोगों को नशे की दुष्प्रवृत्तियों से बचने के लिए जागरूक करना चाहिए। नशा घर, परिवार और समाज को बबार्दी की ओर अग्रसर करता है। भारत युवाओं का देश है और युवा वर्ग किसी भी समाज और राष्ट्र की एक मजबूत आधारशिला के रूप में होते हैं। संगोष्ठी में छात्राओं और स्वयंसेविकाओं को नशे की दुष्प्रवृत्तियों से दूर रहने के लिए शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर सहायक प्रोफेसर डॉ.प्रेमलता शर्मा, नेहा चौधरी, नीतू चौधरी, अनिता चौधरी, फाल्गुनी शर्मा, अंशु मेघवाल, दीक्षा मेघवाल, निकिता, अंशु यादव, शुभम यादव, मनीषा यादव, काजल यादव, मुस्कान यादव, सपना यादव, अनोख चौधरी, रिया सैनी, अंजू कश्यप, कीर्ति शर्मा, ज्योति कुमारी, पायल शर्मा एवं मधु मेघवाल सहित अनेक छात्राओं और स्वयंसेविकाओं के द्वारा अपने विचार रखे गए।

मोटर मेकेनिक मार्केट एशोसिएशन की और से लगाया भंडारा

सुजानगढ़ ।शरद पूर्णिमा पर सिद्धपीठ सालासर बालाजी में लगने वाले मेले में पैदल जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए सालासर रोड़ पर प्रवेश द्वार के पास सुजानगढ़ मोटर मेकेनिक मार्केट एशोसिएशन की ओर से भंडारे का आयोजन किया गया ।अध्यक्ष सीताराम सैनी ने बताया कि सालासर बालाजी पैदल जाने वाले श्रद्धालुओं के लिये चाय,काफी,नाश्ता व भोजन की व्यवस्था की गई है, ताकि श्रद्धालुओं को कोई परेशानी नही हो ।इस दौरान मांगीलाल परिहार, ओमप्रकाश गुजर,पंकज जांगिड़, सदाम खान कादरी,ओमप्रकाश प्रजापत, गणेश सिंह, राजकुमार माली, राम भाई प्रजापत, मनोज,रामचंद्र प्रजापत, राजेन्द्र सिंह, असलम खां, गौरव बीजू माली ने व्यवस्था बनाये रखने में सहयोग किया।

जन जन की आस्था का केंद्र डूंगर बालाजी धाम

–शरद पूर्णिमा पर लगता है मेला

–आसपास सहित दूरदराज से भी आते हैं श्रद्धालु

सुजानगढ़ ।चूरू जिले की सुजानगढ़ तहसील से 12 किलोमीटर उत्तर पश्चिम दिशा में श्री डूंगर बालाजी मन्दिर पहाड़ी पर बना ऐतिहासिक मन्दिर है ।डूंगर बालाजी का मन्दिर धरती की सतह से करीबन 12 सौ फीट की ऊंचाई पर स्थित है ।और इसका इतिहास भी लगभग चार सौ साल पुराना है ।मन्दिर के इतिहास पर नजर डाले तो डूंगर बालाजी धाम की स्थापना द्रोणगिरी पर्वत पर हुई ।कहते हैं पांडवों ने यही पर अज्ञातवास काटा था, यहाँ पर जात––झडूलें भी होते हैं, साथ ही साल में दो बड़े मेले भी यहाँ लगते हैं ।इस मन्दिर की बड़ी मान्यता है,इस मंदिर में बालाजी की भक्ति की यदि मन व श्रद्धा से की जाए तो ये भक्तों के लिये संकट मोचक सिद्ध होते हैं ।डूंगर बालाजी के परम भक्त व्यवसायी विनोद गोठडिया ने बताया कि यहां के बालाजी चमत्कारिक है ।भक्तों की हर इच्छा पूर्ण करते हैं ।मंदिर के पुजारी नारायण दास महाराज ने बताया कि मन्दिर में पूजा अर्चना महन्त तनसुखदास महाराज के नेतृत्व में की जाती है ।साथ ही प्रकाशदास महाराज,नारायणदास महाराज, कैलाश महाराज भी पूजा अर्चना व मन्दिर में व्यवस्था बनाये रखने में सहयोग करते हैं।

जाखेड़ा की उन्नति जांगिड ने वाटर हार्वेस्टिंग मॉडल प्रथम स्थान प्राप्त किया

डेगाना सुशील लोरा

डीडवना 6 सितम्बर 2025

जाखेड़ा की उन्नति जांगीड़ ने जिला स्तरीय विज्ञान प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार वरिष्ठ अध्यापक शंकरलाल जांगीड़ ने बताया कि उनकी पोती ने जिला स्तरीय विज्ञान प्रतियोगिता डीडवाना में आयोजित विज्ञान मेले में वाटर हार्वेस्टिंग मॉडल में उन्नति जांगिड़ पुत्री ..मुन्नी लाल जांगीड़....... जाखेड़ा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

डीडवाना में जिला स्तरीय विज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें जिलेभर के विद्यार्थियों ने शिरकत की। इस प्रतियोगिता में सेकड़ो विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान जाखेड़ा की उन्नति जांगिड ने वाटर हार्वेस्टिंग मॉडल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया।

वाल्मीकि जयंती पर साहित्य परिषद द्वारा संगोष्ठी का हुआ आयोजने, बैठक कर कार्यकारिणी का किया गठन

बहरोड़/ हवासिंह चौधरी

अखिल भारतीय साहित्य परिषद इकाई बहरोड़ द्वारा महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर कंचन वाटिका में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता इकाई संरक्षक उमेश शर्मा द्वारा की गई।

दीप प्रज्वलन व परिषद गीत के साथ प्रारंभ किए गए कार्यक्रम में "साहित्य के प्रथम प्रणेता -वाल्मीकि" विषय पर सभी साहित्यकारों ने अपने विचार रखे। किसी ने आदिकवि वाल्मीकि द्वारा रचित प्रथम महाकाव्य रामायण की वर्तमान परिवेश में प्रासंगिकता विषय पर प्रकाश डाला तो किसी के द्वारा डाकू रत्नाकर से महाकवि वाल्मीकि बनने तक की यात्रा मुक्तक के माध्यम से व्यक्त की गई। क्रौंच वध की वेदना से अनायास ही महर्षि के मुखारविंद से जो संस्कृत के शब्द श्लोक के रूप में स्फूरित हुए, वहीं से साहित्य का जन्म हुआ। साथ ही ब्रह्मा जी के आशीर्वाद से जो रामायण महाकाव्य उनके द्वारा लिखा गया उससे पुरुषार्थ के संदेश के साथ जन-जन का उद्धार हुआ है, जो आज के समय में भी हम सभी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है।

संगोष्ठी के उपरांत इकाई की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें जिला उपाध्यक्ष डॉ० अशोक मिश्र ' कोविद' द्वारा सत्र 2025-2028 हेतु नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की गई। जिसमें सर्वसम्मति से कमल नयन शर्मा को एक बार पुनः अध्यक्ष मनोनीत किया गया। महामंत्री का दायित्व डॉ० सविता गोस्वामी को दिया गया तथा कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी गोविंद शर्मा को सौंपी गई। संरक्षक के रूप में इकाई को पंडित सुरेश चंद्र मिश्र, डॉ० आशुतोष विमल, डॉ० राजशेखर यादव तथा पंडित अशोक बोहरा का सानिध्य प्राप्त होगा। साथ ही डॉ नीलम यादव, वसंती यादव, कमलेश सोनी, अनिल अग्रवाल 'तेलवाला', प्रकाश शर्मा, कमल शास्त्री, संजय शर्मा, संगीता शर्मा, संजय हिंदुस्तानी, मुकेश शर्मा, धर्मेंद्र यादव, राजेश शर्मा, साधुराम एडवोकेट, तरुण शर्मा, नेहा जैन, डॉ पीयूष गोस्वामी, नवीन शर्मा तथा अक्षय शर्मा को कार्यकारिणी में यथावत रखा गया।

नि:शुल्क नेत्र शिविर आयोजित

–145 रोगियों की जांच 40 का ऑपरेशन के लिये चयन

सुजानगढ़ ।द यग्स क्लब द्वारा नि:शुल्क नेत्र जांच व लेंस प्रत्यारोपण शिविर आयोजित किया गया। क्लब के सांस्कृतिक सचिव गिरधर शर्मा ने बताया कि सुजानगढ़ निवासी, बेंगलुरु प्रवासी कमलेश भरत डूंगरवाल के सौजन्य से व क्लब अध्यक्ष निर्मल कुमार भूतोडिया की प्रेरणा से आयोजित हुए इस नेत्र शिविर में वरिष्ठ नेत्र रोग चिकित्सक डॉ अपूर्व कोटिया द्वारा 145 नेत्र रोगियों की नि:शुल्क जांच कर उन्हे उचित परामर्श प्रदान किया गया व नि:शुल्क दवा दी गई तथा मोतियाबिंद के 40 रोगियों का ऑपरेशन के लिए चयन किया गया , चयनित नेत्र रोगियों के लैंस प्रत्यारोपण डॉ अपूर्व कोटिया द्वारा डॉ मोहन जैन आई हॉस्पिटल सुजानगढ़ में नि:शुल्क किए जाएंगे। द यग्स क्लब ट्रस्ट सभागार सुजानगढ़ में आयोजित हुए शिविर का शुभारंभ भामाशाह प्रकाश पाटनी ,सामाजिक सुरक्षा अधिकारी बाबूलाल,समाज सेवी जयदीप मोदी,बिमल पाटनी,महेश तंवर,अब्दुल करीम खींची,राजकुमार क्याल,रौनक बगड़ा, हरिप्रसाद तोदी, राजेंद्र कनोई ने दीप प्रज्वलित करके किया। शिविर को सफल बनाने में क्लब प्रतिनिधि दानमल शर्मा,महावीर प्रसाद मिरनका,बिमल भूतोडिया,गिरधर शर्मा, निर्मल बोकडिया,हाजी मोहम्मद,प्रतीक चोटिया, अंकित चोटिया,योगेंद्र भोजक,

सहित समाजसेवी रमन प्रजापत,अब्दुल लतीफ,मालचंद प्रजापत रामगोपाल शर्मा,देवकिशन मालपानी ,रतनलाल प्रजापत ने योगदान दिया।

डेगाना, बेमौसम बारिश से खेतों में पड़ी फसलें पानी में तैरने लगी

बारिश से किसानों का निवाला छिना

डेगाना सुशील लोरा , डेगाना. डेगाना उपखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों में बेमौसमी बारिश और तेज आंधी ने फसलों को तबाह कर दिया है। ग्राम राजलोता सहित आसपास के गांवों में आई बारिश और तेज हवाओं ने कटाई के लिए तैयार बाजरा, मूंग, ग्वार - और मूंगफली की फसलें पानी में तैरती नजर आई। किसानों का कहना है कि इस वर्ष मौसम ने उनके लिए त्रासदी पैदा कर दी है। किसान सुशील लोरा राजलोता ने बताया, हलधर जीवन हाय तुम्हारी यही कहानी। झोली में है धान, आंखों में है तेरे पानी। इस बारिश से ऐसी स्थिति हो गई कि जैसे मुंह तक आया निवाला बारिश ने छीन लिया।

कर्मचारी बोले पारदर्शी स्थानांतरण नीति एवं सभी विभागों में वर्षों से लंबित पदोन्नतियां शुरू की जाएं

–अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ ने सरकार को भेजा 11 सूत्री मांग पत्र

धौलपुर धौलपुर विजय श्रीवास्तव द डेस्प्रिंग न्यूज

अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के 11 सूत्री मांग पत्र की मांगो पर सकारात्मक कार्यवाही नहीं करने एवं संवादहीनता के विरोध में महासंघ के पदाधिकारियों ने जिलाध्यक्ष राजेश शर्मा के नेतृत्व में एडीएम को मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव के नाम ज्ञापन सौंपा।

जिला अध्यक्ष राजेश शर्मा ने बताया कि सरकार के द्वारा अधीनस्थ सेवाओं के कर्मचारियों के साथ दोहरे मापदंड अपनाए जा रहे हैं। कर्मचारियों की खेमराज समिति की रिपोर्ट के आधार पर ना तो वेतन विसंगतियां दूर की गई है एवं ना ही पदोन्नति विसंगतियां दूर की जा रही है ।अधीनस्थ सेवाओं के कर्मचारियों को पूरी सेवा काल में एक भी पदोन्नति का अवसर नहीं मिल रहा है। जिला मंत्री रविंद्र सिंह त्यागी ने बताया कि सरकार को भेजे ज्ञापन में प्रत्येक संवर्ग के कर्मचारियों को पदोन्नति के पांच अवसर उपलब्ध करवाने या सहायक कर्मचारी सहित प्रत्येक कर्मचारी को पदोन्नति के पांच अवसर नहीं होने की स्थिति में 7, 14, 21, 28 एवं 32 वर्ष की सेवा पर पदोन्नति पद का वेतनमान स्वीकृत करने ,पुरानी पेंशन योजना यथावत रखते हुए कार्मिकों के एनपीएस में काटे गए 53 हजार करोड रुपए जीपीएफ खातों में जमा करवाने ।सभी संवर्ग के कर्मचारियों की लंबे समय से चली आ रहीं वेतन विसंगति दूर करते हुए कार्मिकों का न्यूनतम वेतनमान 26 हजार निर्धारित करवाने एवं ग्रामीण क्षेत्र के कार्मिकों को मूल वेतन का 10 प्रतिशत ग्रामीण भत्ता देने की मांग की गई। साथ ही संविदा एवं आउटसोर्स पर नियुक्तियां बंद करते हुए सभी संविदा एवं आउटसोर्स कर्मचारियों को नियमित करने, समस्त विभागों एवं सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में रिक्त पदों को नियमित नियुक्तियों से जल्द भरने ,एएनएम व एल एच वी सहित विभिन्न संवर्गों की मांग के अनुरूप पदनाम परिवर्तन करने तथा पुलिस व आपात सेवा के कर्मचारियों को साप्ताहिक अवकाश देने की मांगे शामिल हैं ।

सात सालों से बंद तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानांतरण शुरू किए जाएं

राजस्थान पंचायती राज एवं माध्यमिक शिक्षा संघ के जिला अध्यक्ष हरि सिंह गुर्जर व जिला मंत्री चंद्रशेखर शर्मा ने बताया कि सरकार को प्रेषित ज्ञापन में समस्त विभागों के लिए बैंक बीमा की तरह पारदर्शी एवं स्पष्ट स्थानांतरण नीति लागू करते हुए तृतीय श्रेणी शिक्षकों के वर्षों से लंबित स्थानांतरण व 5 वर्षों से कानूनी फेर में उलझी तृतीय श्रेणी शिक्षकों व ग्राम विकास अधिकारियों की पदोन्नतियां जल्द प्रारंभकरने,आरजीएचएस योजना में की जा रही कटौतियों को बंद कर कार्मिक एवं उनके परिजनों को इलाज की पुख्ता व्यवस्था करते हुए योजना को मूल स्वरूप में पुन: लागू करने की मांग की गई ।

चित्तौड़गढ़ में बाल संरक्षण जागरूकता रैली को पुलिस अधीक्षक त्रिपाठी ने दिखाई हरी झण्डी

–बाल सरक्षण के प्रति हर वर्ग को जागरूक होकर भागीदारी निभाएं–एसपी मनीष त्रिपाठी

चित्तौड़गढ़। राजस्थान पुलिस द्वारा राज्यव्यापी ऑपरेशन जागृति चरण–04 के तहत पुलिस महानिरीक्षक गौरव श्रीवास्तव के निर्देशन में पुलिसिंग फॉर केयर ऑफ चिल्ड्रन कार्यक्रम अंतर्गत आयोजित गतिविधियों में सोमवार को चित्तौड़गढ़ जिले में पॉक्सो अधिनियम की जानकारी देने के लिए जागरूकता रैली निकाली गई। रैली को चित्तौड़गढ़ पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुकेश सांखला और यूनिसेफ की बाल संरक्षण सलाहकार सिन्धु बिनुजीत भी मौजूद रहे ।एसपी त्रिपाठी ने इस रैली के माध्यम से बच्चों को यौन शोषण से बचाने के लिए निहित संदेश को जन–जन तक पहुंचाने की बात कही और इस सप्ताह के तहत आयोजित गतिविधियों के माध्यम से बाल संरक्षण के प्रति हर वर्ग को जागरूक होकर भागीदारी निभाने का आह्वान किया। यूनिसेफ की बाल संरक्षण सलाहकार सिंधु बिनुजीत ने कहा कि बालकों को यौन अपराध से बचाना हम सभी का दायित्व है और इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के साथ होने वाले यौन दुराचार से उनको बचाने एवं आमजन को उनकी सुरक्षा के लिए बनाए पोक्सो कानून की जानकारी देकर जागरूक करना है। रैली जिला कलेक्टर कार्यालय से प्रारंभ होकर बेडच नदी पुल, सुभाष चौक, सेतु पुल, रेलवे फाटक होते हुए पुन:, से पुन: जिला कलेक्टर कार्यालय आकर सम्पन्न हुई। रैली में पुलिस विभाग की लेडी पेट्रोलिंग टीम, कालिका टीम, पुलिस की सिग्मा, यातायात पुलिस और जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय के कार्मिक मौजूद रहे।

पोस्टर बनाकर दिया बाल संरक्षण का संदेश इस अभियान के तहत चित्तौड़गढ़ में सेन्ट्रल एकेडमी स्कूल में पोस्टर प्रतियोगिता और विद्यार्थियों के साथ संवाद कार्यक्रम रखा गया। यहा विद्यार्थियों ने अपनी कला का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए बच्चों के साथ होने वाले अपराधों एवं उनसे बचाव के उपायों का चित्रण बाल संरक्षण जागरूकता का संदेश6 दिया। इस अवसर पर कार्यक्रम में स्कूली विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए जिला पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने कहा कि आज के दौर में बच्चों को जागरूक एवं सतर्क रहने की जरूरत है। आधुनिकता के दौर में मोबाइल और तकनीक के बढ़ते प्रभाव के कारण बच्चों कई प्रकार के शोषण व अपराधों का शिकार हो रहे है, इससे बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए अभिभावक, शिक्षक एवं समाज को अपनी महती भूमिका निभानी होगी। उन्होंने बच्चों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए हर वर्ग को अपनी भागीदारी निभाने का आह्वान किया और बच्चों से भी कहा कि आप खुद जागरूक बने और कहीं भी किसी भी परिस्थिति में आपकों कुछ गलत या असहज लगता है तो अपने अभिभावक, शिक्षक या पुलिस को सूचित करे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुकेश सांखला ने बच्चों से जुड़े विभिन्न प्रकरणों का उदाहरण देते हुए बच्चों की सुरक्षा के लिए सामुदायिक पुलिसिंग को प्रभावी बनाने एवं जागरूक करने की बात कही और बच्चों के लिए निहित कानूनी प्रावधानों के बारे में अवगत कराया।

सालासर धाम में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

–बाबा के जयकारों से गूंजा धाम

सुजानगढ़। सिद्धपीठ सालासर बालाजी धाम में शरद पूर्णिमा के अवसर पर लगने वाला लक्खी मेला श्रद्धा और भक्ति के चरम पर रहा। देशभर से आए लाखों भक्तों ने बालाजी महाराज के दरबार में शीश नवाकर देश और प्रदेश में खुशहाली की कामना की ।हनुमान सेवा समिति के अध्यक्ष सत्यप्रकाश पुजारी ने बताया कि इस वर्ष मंगलवार को पूर्णिमा का विशेष संयोग होने से श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा गया। पूरे धाम में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी और ₹जय हनुमान, जय बालाजी₹ के जयकारों से सालासर धाम गुंजायमान हो उठा ।भक्तों ने लाल पताकाएं हाथ में लिए और गुलाल उड़ाते हुए बाबा के दरबार में दर्शन किए। शरद पूर्णिमा से पूर्व ही लाखों श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर धोक लगाई व पूजा–अर्चना की। ऐसी मान्यता है कि मनोकामना का नारियल बांधने से बाबा बालाजी हर इच्छा पूर्ण करते हैं। मंदिर परिसर में इस दौरान जडूला व मुंडन संस्कार भी संपन्न हुए। सालासर बालाजी की ओर जाने वाले सभी मार्ग भक्तों से पटे रहे। चारों ओर भक्ति का माहौल और सिंदूरी रंग में रंगा सालासर धाम दिव्य और अलौकिक दृश्य प्रस्तुत कर रहा था ।मेले के समापन अवसर पर भक्तों ने संत मोहनदास महाराज की समाधि पर जाकर दर्शन किए और आशीर्वाद प्राप्त किया।

वॉर 2 में काम करने को लेकर बोले ऋतिक, हर फिल्म यातना नहीं होती

पिछले महीने ऋतिक रोशन की फिल्म वॉर 2 रिलीज हुई। फिल्म की काफी तारीफ हुई। इसे बॉक्स ऑफिस पर मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला। इस फिल्म की पहली किस्त वॉर को रिलीज हुए 6 साल पूरे हो गए हैं। ऐसे में ऋतिक रोशन ने सोशल मीडिया पर फिल्म वॉर 2 की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं और एक पोस्ट लिखी है।

ऋतिक रोशन की पोस्ट में क्या है?

ऋतिक रोशन ने अपनी फिल्म वॉर 2 के कुछ दृश्य इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए पोस्ट में लिखा कबीर का किरदार निभाना बहुत अच्छा था। क्योंकि मैं उन्हें पहले से जानता था। उनका किरदार निभाना आसान था। यह एक ऐसी फिल्म थी जो मैं भी कर सकता था। जैसे कई और करते हैं। यह बिल्कुल इसी तरह था जैसे अभिनेता का किरदार निभाएं, अपना काम करें और घर आ जाएं। मैंने भी वैसा ही किया। मेरे निर्देशक अयान ने मेरा बहुत साथ दिया। सेट पर वह बहुत एक्टिव रहे। सब कुछ एकदम बढ़िया था। मानो यह सब होना ही था। कोई चिंता नहीं, बस मुझे अपना काम सही से करना था और मैंने किया भी। हर फिल्म एक यातना और आघात नहीं होती।

वॉर 2 के बारे में

फिल्म वॉर 2 में ऋतिक रोशन के अलावा जूनियर एनटीआर, कियारा आडवाणी, आशुतोष राणा और अनिल कपूर ने अभिनय किया है। फिल्म का निर्देशन अयान मुखर्जी ने किया है। इसके निर्माता आदित्य चोपड़ा हैं। यह फिल्म साल 2019 में रिलीज हुई फिल्म वॉर का सीक्वल है। इस फिल्म की कहानी रॉ एजेंट कबीर (ऋतिक रोशन) के आस-पास घूमती है। वह काली कार्टेल को खत्म करने के मिशन पर निकलते हैं। मिशन के दौरान अपने ही मेंटर की हत्या कर देते हैं। इसके बाद उनकी मुश्किलें शुरू होती हैं। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर साढ़े तीन सौ करोड़ रुपये का कारोबार किया है।

ऋतिक रोशन का काम

ऋतिक रोशन इससे पहले फिल्म फाइटर (2024) में नजर आए थे। इसमें उनके साथ दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर थे। सिद्धार्थ आनंद ने इसका निर्देशन किया था। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया था। अभी ऋतिक ने किसी नए प्रोजेक्ट का एलान नहीं किया है।

कैमरे के सामने रहती हूं बिल्कुल सहज

अभिनेत्री शालिनी पांडे ने ब्लॉकबस्टर मूवी अर्जुन रेड्डी से फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू किया था। यह उनके करियर में महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुई। आईएएनएस के साथ एक विशेष बातचीत में शालिनी पांडे ने अपनी एक्टिंग को लेकर बात की। उन्होंने इस दौरान बताया कि वह कैमरे के सामने बिल्कुल सहज रहती हैं और यही उनके अभिनय का मूल मंत्र है। जब उनसे पूछा गया, क्या आपकी प्रतिभा स्वाभाविक है, या इसके लिए आपने मेहनत की है? इस सवाल पर शालिनी पांडे ने जवाब दिया, ईमानदारी से कहूं तो मुझे नहीं पता कि यह स्वाभाविक प्रतिभा है या नहीं, लेकिन मैं बचपन से ही अभिनेत्री बनने का सपना देखती थी। कैमरे के सामने मैं बहुत सहज रहती हूं, खासकर जब मैं खुद शालिनी नहीं, बल्कि कोई दूसरा किरदार निभा रही होती हूं। संवाद मिलने और किसी और के रूप में ढलने पर मुझे सबसे ज्यादा सुकून और आत्मविश्वास मिलता है। शायद यही वजह है कि यह स्वाभाविक लगता है, क्योंकि अभिनय मेरा सबसे सुरक्षित और पसंदीदा ठिकाना रहा है।

इंडस्ट्री में अपने सफर के बारे में बात करते हुए शालिनी ने कहा, एक एक्टर के तौर पर मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हूं कि सीखने के लिहाज से मेरा सफर सचमुच अद्भुत रहा है। पहली ही फिल्म में मैंने जिन लोगों के साथ काम किया, वह जिस तरह की फिल्म थी और जो लोग उस फिल्म में मेरे साथ खड़े रहे, उन्होंने मेरे सफर को बहुत खास बना दिया।

उन्होंने आगे कहा, पहली ही फिल्म में मुझे बहुत अच्छे अभिनेताओं और निर्देशकों के साथ काम करने का मौका मिला है, जिससे मैं सचमुच धन्य महसूस करती हूं। उसके बाद से मैंने जितने भी प्रोजेक्ट किए हैं, वो कमाल की टीम के साथ किए हैं। मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानती हूं।

बता दें कि शालिनी पांडे ने अर्जुन रेड्डी में एक मेडिकल छात्रा का रोल प्ले किया था। इसमें विजय देवरकोंडा ने लीड रोल प्ले किया था। वह इसके बाद 'डब्बा कार्टल', 'जयेशभाई जोरदार', 'महाराज', और '118' जैसी फिल्म-सीरीज में अपने अभिनय का परिचय दे चुकी हैं।

मैं चिंकी और मिंकी के साथ कोई संपर्क नहीं रखना चाहती

रियलिटी शो छोरिया चली गांव को उसका विनर मिल चुका है। अभिनेत्री अनीता हसनंदानी ने इसकी पहली टॉफी अपने नाम की, जबकि शो की पहली रनर-अप कृष्णा श्रॉफ रहीं। उनका यह पहला रियलिटी शो था, जिसमें उनकी भागीदारी दर्शकों को काफी पसंद आई।

कृष्णा श्रॉफ ने एक खास बातचीत में रियलिटी शो में अपने सफर के बारे में खुलकर बात की। साथ ही बताया कि छोरिया चली गांव में उनका फेवरेट कंटेस्टेंट कौन था और किसके साथ वह रिश्ता नहीं रखना चाहतीं। जब उनसे पूछा कि क्या वह शो में किसी खास प्रतियोगी के संपर्क में नहीं रहना चाहेंगी, तो इसका जवाब देते हुए कृष्णा ने कहा, सच कहूं तो ज्यादातर लोग मेरे लिए मायने नहीं रखते, लेकिन अगर किसी का नाम लेना हो, तो मैं चिंकी और मिंकी का जिक्र करूंगी। यह उनकी पर्सनैलिटी का सवाल नहीं, बल्कि परिपक्वता की बात है। समझना जरूरी है कि कब और कैसे प्रतिक्रिया देनी चाहिए। शो की विनर अनीता हसनंदानी के बारे में बात करते हुए कृष्णा श्रॉफ ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो, शो में अनीता से हारना मेरे लिए स्वीकार्य था। मुझे खुशी है कि उन्होंने मुझे हराया, क्योंकि वह मेरी सबसे मजबूत प्रतियोगी और शो की सबसे अनुभवी महिला थीं। उन्होंने कभी भी व्यक्तिगत मामलों में हस्तक्षेप नहीं किया और सिर्फ प्रतियोगिता पर फोकस रखा। मैं उनकी इस खासियत का पूरा सम्मान करती हूं। शो का फिनाले कृष्णा श्रॉफ और उनके परिवार के लिए बहुत ही खास रहा। इस दौरान कृष्णा की मां आयशा भी यहां मौजूद रहीं। रियलिटी शो का परिणाम सामने आने से पहले ही उन्होंने बताया था कि उनकी बेटी ही उनके लिए विनर हैं। वहीं शो में भाग लेने से पहले अभिनेता और उनके पिता जैकी श्रॉफ ने कहा था कि इस शो में हिस्सा लेने के बाद उनकी जिंदगी बदल जाएगी और यहां से वह अनमोल अनुभव लेकर वापस लौटेंगी। कृष्णा श्रॉफ ने ही कहा था कि वह अपने पिता के प्रेरित करने के बाद ही इस शो का हिस्सा बनने को तैयार हुई थीं।

जटाधारा में खलनायिका बन सोनाक्षी सिन्हा बनाएंगी नया इतिहास

सोनाक्षी सिन्हा अपने आगामी द्विभाषी (हिंदी-तेलुगु) प्रोजेक्ट जटाधारा से दर्शकों को चौंकाने वाली हैं क्योंकि ज़ी स्टूडियोज़ और प्रेरणा अरोड़ा की इस बहुप्रतीक्षित पौराणिक स्पेक्टेकल फिल्म से तेलुगु सिनेमा में कदम रखने जा रहीं सोनाक्षी सिन्हा बड़े पर्दे पर पहली बार खलनायिका के रूप में नज़र आनेवाली हैं। हालांकि धन पिशाचिनी के रूप में उनका यह किरदार सिर्फ नकारात्मक ही नहीं, बल्कि बेहद शक्तिशाली और दमदार भी है। गौरतलब है कि जहां अधिकतर कलाकार अपने सकारात्मक किरदार को लेकर काफी सजग रहते हैं, वहां सोनाक्षी का यह कदम न सिर्फ साहसिक है, बल्कि उन्हें नए मुकाम पर ले जाने की काबिलियत को भी दर्शाता है।

विशेष रूप से रहस्यवाद, आध्यात्मिक प्रतीकों और शक्ति के स्त्री रूप को एक रोचक सिनेमाई ताने-बाने में पिरोते हुए सोनाक्षी सिन्हा ने जिस तरफ अपना कदम बढ़ाया है, वो बॉलीवुड में उनकी बहुमुखी प्रतिभा को और निखारने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। गौरतलब है कि जटाधारा की कहानी काले जादू की रहस्यमयी दुनिया की झांकी पेश करती है, जहाँ तंत्र-मंत्र, गुप्त अनुष्ठान और प्राचीन श्राप आस्था और भय की सीमाओं को दर्शाया गया है। ऐसे में यहाँ सोनाक्षी का किरदार सिर्फ एक खलनायिका का नहीं, बल्कि तंत्र और तांत्रिक शक्तियों से जन्मी एक भयावह सत्ता की भी है, जो कहानी को गहराई और नया आयाम देती है। हालांकि हाल ही में दुर्गा पूजा पर रिलीज़ हुआ सोनाक्षी का गाना धना पिशाची (हिंदी और तेलुगु में) पहले ही फिल्म के रहस्य और रोमांच को और बढ़ा चुका है। इसके अलावा गाने के दृश्यों में प्राचीन अनुष्ठान, भगवान शिव से जुड़े प्रतीक और पौराणिक छवियाँ सोनाक्षी की खलनायिका वाली भयावह छवि को और प्रभावशाली बनाते हैं। फिल्म में उनके अपोज़िट सुधीर बाबू नज़र आएंगे, जो कहानी को भावनात्मक गहराई देते हैं और अच्छाई और बुराई के संघर्ष को निजी और गहन बनाते हैं।

कांतारा चैप्टर 1 की सफलता पर भावुक हुए ऋषभ

साल 2022 में रिलीज हुई 'कांतारा' फिल्म की अगली कड़ी 'कांतारा चैप्टर 1' रिलीज हो चुकी है। ऋषभ शेट्टी निर्देशित 'कांतारा चैप्टर 1' ने पहले दिन ही 60 करोड़ रुपये की कमाई की है। दूसरे दिन भी यह शानदार कलेक्शन कर रही है। फिल्म को मिले इतने प्यार के लिए ऋषभ शेट्टी ने दर्शकों का, फैंस का शुक्रिया अदा किया है।

24 घंटे में बिके 1 मिलियन से अधिक टिकट

'कांतारा चैप्टर 1' फिल्म के ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट में लिखा गया, 'कांतारा चैप्टर 1' की धूम पूरे देश में गूंज रही है। 24 घंटों में 1.28 मिलियन से ज्यादा टिकट बिक चुके हैं। फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' ने साल 2025 में पहले दिन बुकमॉयशोइन पर सबसे ज्यादा टिकट ब्रिकी दर्ज की है।

ऋषभ ने शुरुआती दौर के स्ट्रगल का जिक्र किया

ऋषभ शेट्टी ने अपनी फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' की सफलता को लेकर जानकारी दी। इसके साथ ही अपना एक पुराना ट्वीट भी शेयर किया है। जिसमें वह अपने स्ट्रगल का जिक्र करते हैं।

ऋषभ शेट्टी ने पुराने ट्वीट में लिखा है, '2016 में एक ईवनिंग शो पाने के लिए संघर्ष करने से लेकर 2025 में 5000 से ज्यादा हाउसफुल शो तक का सफर। यह सफर आपके प्यार, सपोर्ट और भगवान की कृपा के अलावा और कुछ नहीं है। इसे संभव बनाने वाले हर एक व्यक्ति का हमेशा आभारी रहूंगा।'

फिल्म को ऑनलाइन शेयर ना करने की गुजारिश की

अभिनेता, निर्देशक ऋषभ शेट्टी ने दर्शकों से गुजारिश की है कि फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' के वीडियो रिकॉर्ड करके ऑनलाइन शेयर ना करें। वह एक अन्य एक्स (ट्विटर) पोस्ट में लिखते हैं, 'फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' जितनी हमारी है, उतनी ही आपकी भी है। आपके प्यार ने इसे सचमुच यादगार बना दिया है। हम आपसे गुजारिश करते हैं कि फिल्म के वीडियो शेयर/रिकॉर्ड न करें और पायरेसी को बढ़ावा न दें।'

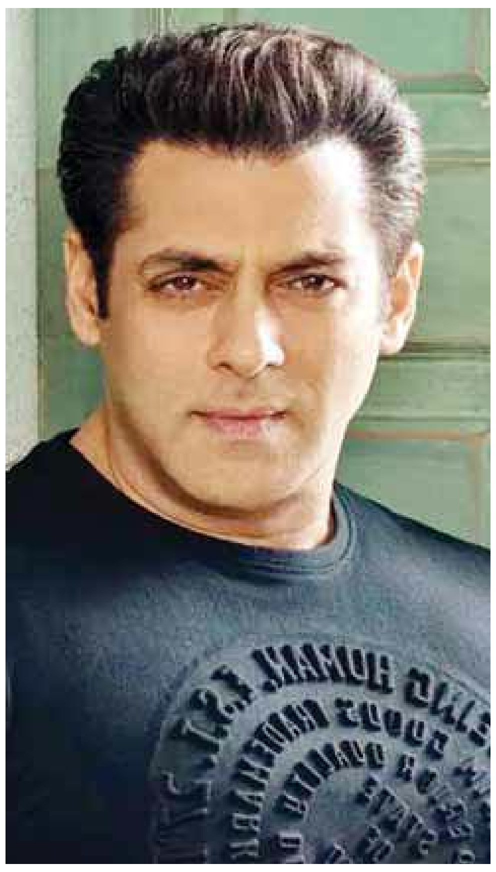

मुंबई में शुरू होने जा रहा है बैटल ऑफ गलवान के दूसरे शेड्यूल की शूटिंग चित्रांगदा भी करेंगी ज्वाइन

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान इन दिनों अपनी नई फिल्म बैटल ऑफ गलवान को लेकर चर्चा में हैं। अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बन रही यह फिल्म साल 2020 में भारत और चीन के बीच गलवान घाटी में हुई झड़प पर आधारित है। फिल्म के पहले शेड्यूल की शूटिंग लद्दाख की वादियों में पूरी की गई थी और अब खबर है कि इसका दूसरा शेड्यूल मुंबई में शुरू होने जा रहा है।

अक्टूबर से शुरू होगा मुंबई शेड्यूल

रिपोर्ट के मुताबिक बैटल ऑफ गलवान का दूसरा और आखिरी शेड्यूल 10 अक्टूबर 2025 से मुंबई में शुरू होगा। फिल्म की टीम ने पहले ही मुंबई में लोकेशन्स का रेक्की कर लिया है, हालांकि शूटिंग की जगहों को फिलहाल गुप्त रखा गया है। इस शेड्यूल में सलमान खान के साथ-साथ अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह भी हिस्सा लेंगी। बताया जा रहा है कि यह शेड्यूल नवंबर तक पूरा कर लिया जाएगा।

बदला सलमान का लुक

लद्दाख में 45 दिन तक चले शूटिंग शेड्यूल के दौरान सलमान खान का लुक दमदार और रफ-टफ रखा गया था। वहीं, मुंबई लौटते ही उन्होंने अपनी दाढ़ी-मूंछ शेव कर क्लीन-शेव अवतार में एयरपोर्ट पर नजर आए। फैन्स को सलमान का यह नया अंदाज देखकर फिल्म के फर्स्ट लुक का इंतजार है।

पिछली फिल्म फ्लॉप, इस बार दांव बड़ा

सलमान खान की पिछली फिल्म सिकंदर बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह असफल रही थी। यही कारण है कि अभिनेता इस बार कोई जोखिम नहीं लेना चाहते। सूत्रों का कहना है कि सलमान इस प्रोजेक्ट को लेकर बेहद गंभीर हैं और हर सीक्वेंस पर बारीकी से काम कर रहे हैं ताकि फिल्म दर्शकों की उम्मीदों पर खरी उतर सके।

क्यों खास है बैटल ऑफ गलवान?

यह फिल्म सिर्फ एक युद्ध कथा नहीं बल्कि भारतीय सैनिकों की शौर्य गाथा को बड़े पर्दे पर पेश करने की कोशिश है। अपूर्व लाखिया अपने एक्शन और रियलिस्टिक फिल्मों के लिए जाने जाते हैं और ऐसे में उम्मीद है कि बैटल ऑफ गलवान युद्ध पर आधारित फिल्मों में एक खास पहचान बना सकती है। फिल्म में सलमान खान एक आर्मी अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं, जो देश की सुरक्षा और सम्मान के लिए हर हद तक जाता है। उनके साथ अभिनेता अंकुर भाटिया भी अहम किरदार में नजर आएंगे।

फैंस को पहले लुक का इंतजार

मुंबई शेड्यूल शुरू होने की खबर के बाद सलमान के फैंस सोशल मीडिया पर लगातार फिल्म को लेकर चर्चा कर रहे हैं। हर किसी को इंतजार है कि आखिरकार कब सलमान खान का मिलिट्री अवतार पर्दे पर सामने आएगा। फिल्म की शूटिंग पूरी होने के बाद मेकर्स 2026 की शुरुआत में इसका पहला टीजर रिलीज करने की योजना बना रहे हैं।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक अमरदीप शर्मा के लिए जैमन प्रिंटर्स प्रा. लि. रोड नं. 14 पी विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया जयपुर, 302013 से मुद्रित एवं एफ- 43 गोविंदम टावर ,करधनी कालवाड़ रोड जयपुर से प्रकाशित। प्रधान कार्यालयः- एफ- 43 गोविंदम टावर करधनी कालवाड़ रोड जयपुर 302012 (राज.) संपादक अमरदीप शर्मा । राजस्थान मीनू सेन प्रबंध संपादक सीकर मो: नंबर 8619639447